दिल्ली | बुधवार, 14 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष एकादशी, कालयुत संवत्सर विक्रम संवत 2082,
11 | अंक : 168 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
vishwakesari.com
दिल्ली

@ खेल महिला प्रीमियर लीग: हरमनप्रीत कौर..
@ विचार भारत को बाल देखभाल में अधिक...
@ व्यापार ईरान से व्यापार करने पर अमेरिका ...

अमेरिकी सांसदों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व को सराहा, कहा, 'गांधी के बाद पीएम मोदी सबसे बड़े लीडर'

संवाददाता ■ वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की अमेरिका में सराहना की जा रही है। प्रभावशाली अमेरिकी सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी को ऐसा अहम नेता बताया है, जो वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को नई दिशा दे रहे हैं। उनका कहना है कि वाशिंगटन पीएम मोदी के नेतृत्व को भारत-अमेरिका साझेदारी की दीर्घकालिक मजबूती के लिए केंद्रीय मानकर चल रहा है।

वॉशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य रिच मैककॉर्मिक ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और सोच की प्रशंसा की।

मैककॉर्मिक ने कहा कि पीएम मोदी का दृष्टिकोण पूरी तरह से देशहित पर केंद्रित है और भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप है। वे अच्छे अर्थों में बेहद राष्ट्रवादी हैं।

रिच मैककॉर्मिक (जो कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के को-चेयर भी हैं) ने कहा, 'पीएम मोदी अपने देश का वैसे ही ध्यान रखते हैं, जैसे हम अपने देश का रखते हैं। वह भारत में उत्पादकता, विस्तार और नई तकनीकों को लाना चाहते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सांसद पीएम मोदी की उस सोच को समझते हैं जिसमें वे रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में देश के भीतर क्षमता निर्माण पर जोर देते हैं। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि भारत की सैन्य ताकत देश के अंदर ही विकसित हो।

रिच मैककॉर्मिक ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं। भारत द्वारा रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदे जाने का जिक्र करते हुए मैककॉर्मिक ने कहा, 'हमें यह पसंद नहीं है, लेकिन वह अपने देश के हित में ऐसा कर रहे हैं ताकि सस्ती ऊर्जा के जरिए अपनी अर्थव्यवस्था को विस्तार दे सकें।

हालांकि, मैककॉर्मिक ने यह भी कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के साथ तालमेल की अहमियत को अच्छी तरह समझते हैं। आखिर में, वह जानते हैं कि हम विचारधारा के स्तर पर समान सोच रखते हैं।

मैककॉर्मिक ने यह भी कहा कि मेरे विचार से पीएम मोदी आधुनिक इतिहास के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। वह शायद गांधी के बाद सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के उस विचार का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने भारत की विविधता को समझने की बात कही थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि वह उस राजनेता पर भरोसा नहीं करते, जिसने कभी भारत को उत्तर से दक्षिण या दक्षिण से उत्तर तक ट्रेन के सामान्य कोच में यात्रा न की हो। कार्यक्रम में मौजूद अमेरिकी कांग्रेस के सबसे लंबे समय से सेवा दे रहे भारतीय-अमेरिकी सांसद अमी बेरा ने कहा कि पीएम मोदी का कार्यकाल भारत के वैश्विक उभार के साथ जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा, 'भारत हमारी पूरी इंडो-पैसिफिक रणनीति का एक बेहद अहम हिस्सा है और यह रणनीतिक सोच कई अमेरिकी प्रशासन में लगातार बनी हुई है।'

अमी बेरा ने कहा कि भारत के तेजी से बढ़ते घरेलू बाजार और बढ़ते आत्मविश्वास ने वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक समीकरणों को नए सिरे से आकार देना शुरू कर दिया है।

काकीनाडा आग हादसे पर सीएम चंद्रबाबू नायडू सख्त

पीड़ितों को राहत और पुनर्वास के दिए निर्देश

एजेंसी ■ काकीनाडा

काकीनाडा जिले के सरलंकापल्ले गांव में हुई भीषण आग की घटना को लेकर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में आग से हुए नुकसान, राहत कार्यों और आगे की मदद को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि संक्रांति जैसे खुशी के त्योहार के दौरान यह घटना गांव के लिए एक बड़ी त्रासदी बन गई है। इस आग दुर्घटना में गांव के 38 फूस के घर पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सरकार उनकी पूरी मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने का है और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए।

गृह मंत्री अनीता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अब तक दी जा रही राहत की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तत्काल राहत के तौर पर प्रत्येक प्रभावित परिवार को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही, जरूरतमंद परिवारों को भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक सामान भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन परिवारों के घर आग में पूरी तरह जल गए हैं, उन्हें सरकार की ओर से नया घर स्वीकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक नए घरों का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक पीड़ित परिवारों के लिए अस्थायी आवास की व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें रहने में कोई दिक्कत न हो। साथ ही, भोजन और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं भी लगातार उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने यह भी कहा कि आग की वजह से कई लोगों के जरूरी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य प्रमाण पत्र जल गए होंगे। ऐसे में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गांव में विशेष शिविर लगाए जाएं, ताकि इन सभी दस्तावेजों को दोबारा आसानी से जारी किया जा सके।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे राहत और पुनर्वास कार्यों पर लगातार नजर रखें। उन्होंने कहा कि राहत केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि जमीनी स्तर पर पीड़ितों तक पहुंचनी चाहिए।

बिहार में बुजुर्गों को जमीन और लैट की रजिस्ट्री के लिए नहीं जाना होगा कार्यालय, घर पर ही मिलेगी सेवाए

पटना। बिहार के बुजुर्गों, यानी 80 साल से अधिक उम्र के लोगों को अब फ्लैट या जमीन की रजिस्ट्री के लिए कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना होगा, बल्कि उनके घर पर ही सरकारी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इन व्यवस्थाओं को एक अप्रैल के प्रभाव से लागू करने का निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा कि सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' का मुख्य मकसद राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। इसे लेकर हमलोग लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि कई बार ऐसा देखा गया है कि राज्य के वृद्धजनों, जिनकी उम्र 80 वर्ष या उससे ज्यादा है, उन्हें जमीन और फ्लैट की रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के निष्पादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, 'अब राज्य के वैसे वृद्धजनों, जिनकी उम्र 80 वर्ष या उससे अधिक है तथा वे जमीन, फ्लैट की रजिस्ट्री करना चाहते हैं, तो जरूरत पड़ने पर उन्हें घर पर ही जमीन निबंधन से संबंधित सभी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसे लेकर मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा चलंत निबंधन इकाई के माध्यम से दस्तावेजों के निश्चित समय-सीमा के अंतर्गत निबंधन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

एआईसीटीई की मंजूरी के बावजूद छात्रों को परीक्षा से रोका, हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच का दिया आदेश

एजेंसी ■ रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने धनबाद स्थित एक तकनीकी संस्थान में नामांकन के लिए ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) की मंजूरी के बावजूद छात्रों को परीक्षा से वंचित किए जाने के मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया है। धनबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य की ओर से दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मंगलवार को झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और एआईसीटीई की भूमिका पर कड़ी टिप्पणी करते हुए यह आदेश पारित किया है। अदालत के निर्देश पर झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) के रजिस्ट्रार स्वयं न्यायालय में उपस्थित हुए। रिकॉर्ड के अवलोकन के दौरान कोर्ट ने पाया कि एआईसीटीई ने 30 अप्रैल 2025 को याचिकाकर्ता संस्थान को शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नामांकन के लिए विधिवत अनुमति प्रदान की थी। इसके आधार पर कॉलेज में छात्रों का नामांकन कराया गया, लेकिन बाद में झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ने उन्हें परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

हाईकोर्ट ने इस स्थिति की तुलना ट्रैफिक पुलिस द्वारा 'नो एंट्री' या 'नो पार्किंग' का बोर्ड हटाकर आम लोगों को फंसाने से की और कहा कि प्रथम दृष्टया जेयूटी ने भी इसी तरह का रवैया अपनाया है। अदालत ने टिप्पणी की कि यह मामला केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ का प्रतीत होता है।

कोर्ट के अनुसार, पहली नजर में यह राज्य की एजेंसियों द्वारा किया गया अत्यंत गंभीर और भ्रष्ट आचरण भी हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, हाईकोर्ट ने यूनियन ऑफ इंडिया के माध्यम से सीबीआई को प्रतिवादी के रूप में पक्षकार बनाया और जांच का आदेश दिया।

अदालत ने सीबीआई को यह जांचने का निर्देश दिया है कि एआईसीटीई और जेयूटी ने किस प्रक्रिया के तहत छात्रों को नामांकन के बाद परीक्षा से वंचित किया और इसमें किन अधिकारियों की क्या भूमिका रही। इस संबंध में सीबीआई की ओर से असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया प्रशांत पल्लव ने नोटिस प्राप्त किया। हाईकोर्ट ने सीबीआई को दो सप्ताह के भीतर सीलबंद लिफाफे में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। साथ ही जेयूटी और एआईसीटीई को जांच एजेंसी को पूर्ण सहयोग देने का निर्देश भी दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी को निर्धारित की गई है।

शबीर शाह की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब, तीन सप्ताह की मोहलत दी

एजेंसी ■ दिल्ली

टेरर-फंडिंग मामले में आरोपी कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया। इस मामले की सुनवाई 10 फरवरी को होगी।

एनआईए ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि इस मामले में नए तथ्य सामने आए हैं और वह शब्बीर अहमद शाह के हलफनामे पर एक विस्तृत जवाब दाखिल करेगी। कोर्ट ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया। 74 साल के शब्बीर शाह ने अपनी ज्यादा उम्र और साढ़े छह साल से ज्यादा समय तक जेल में रहने का हवाला देते हुए जमानत मांगी है।

शाह की तरफ से पेश हुए सीनियर वकील कॉलिन गोंजाल्विस ने दलील दी कि यह मामला सिर्फ एक भाषण पर आधारित है, जिसे कोर्ट के सामने कई बार पेश किया जा चुका है। शाह पहले ही काफी समय हिरासत में बिता चुके हैं और लगातार एफआईआर के जरिए बार-बार गिरफ्तारी का खतरा है।

इस याचिका का विरोध करते हुए एनआईए के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि शब्बीर शाह को इस मामले में जून 2019 में गिरफ्तार किया गया था, जबकि वह पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय के एक मामले में हिरासत में थे। उन्होंने आरोप लगाया कि शब्बीर अहमद शाह और अन्य लोग प्रशासन को पंगु बनाने के मकसद से सड़क पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों को फंड देने में शामिल थे।

लूथरा ने कोर्ट को यह भी बताया कि गवाहों ने कहा है कि शब्बीर शाह ने पाकिस्तान में मेडिकल सीटों के लिए छात्रों की सिफारिश की थी, जहां कश्मीरी छात्रों के लिए सीटें आरक्षित हैं। उन्होंने बेंच को बताया कि कुल 248 गवाहों में से अब तक 34 गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है और 16 मार्च 2022 को आरोप तय किए गए थे।

ग्वालियर मेले में ऑटोमोबाइल में छूट से व्यापार को गति मिलेगी: ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी ■ भोपाल

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार की कैबिनेट ने ग्वालियर व उज्जैन के व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट का फैसला लिया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर मेले में मिली इस छूट से व्यापार को गति मिलेगी।

दरअसल, मंगलवार को मोहन यादव कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में मंत्रि-परिषद द्वारा ग्वालियर व्यापार मेला-2026 एवं उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला-2026 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट दिए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। कैबिनेट के इस फैसले पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश कैबिनेट द्वारा विश्व-प्रसिद्ध ग्वालियर व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल पर रोड टैक्स छूट का निर्णय अत्यंत सराहनीय है। इस दूरदर्शी फैसले के लिए मुख्यमंत्री का हार्दिक आभार। इससे ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के व्यापार को नई गति मिलेगी और आमजन को सीधा लाभ होगा।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आगे कहा कि 1905 में महाराजा माधवराव सिंधिया द्वारा प्रारंभ किया गया यह मेला स्थानीय कारीगरों और व्यापारियों को मंच देने के उद्देश्य से शुरू हुआ था। आज यह एशिया के सबसे बड़े और विश्व-प्रसिद्ध व्यापार मेलों में शामिल होकर ग्वालियर-चंबल अंचल की आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित कर चुका है।दरअसल, इस ग्वालियर व्यापार मेले को लगातार मोटरयान कर में छूट का प्रावधान दिया जाता रहा है। अब मालवा अंचल का उज्जैन का व्यापार मेला भी इसी श्रेणी में आ गया है। ये दोनों व्यापार मेले ऐसे हैं जिनमें बड़ी तादाद में वाहनों की बिक्री होती है। इन दोनों अवसरों पर लोग बड़ी तादाद में वाहनों की खरीदी करते हैं, क्योंकि मोटरयान कर में 50 फीसदी की छूट का प्रावधान है।

सीएम योगी के विजन को मिली रतार

सौर ऊर्जा से हाई वॉलिटी चारा बनाकर आत्मनिर्भर बन रहीं महिलाएं

एजेंसी ■ लखनऊ

बुंदेलखंड की धरती अब न केवल शौर्य के लिए, बल्कि महिला उद्यमिता के रूप में भी पहचानी जा रही है। झांसी की प्रवेश कुमारी ने चारा बनाने की यूनिट के जरिए वह मुकाम हासिल किया है, जो आज प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए उदाहरण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के सपने को धरातल पर उतारते हुए प्रवेश ने सौर ऊर्जा की मदद से उच्च गुणवत्ता वाले पशु चारे की यूनिट स्थापित कर न केवल खुद को आर्थिक रूप से सशक्त किया, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ा है।

इस उद्यम की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईको-फ्रेंडली होना है। योगी सरकार और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स (डीए) के सहयोग से स्थापित यह यूनिट पूरी तरह 18 केडब्ल्यू सौर ऊर्जा प्रणाली पर संचालित होती है। इससे बिजली का खर्च शून्य के बराबर है, जिससे चारे की उत्पादन लागत कम आती है। सस्ता और पोषक चारा मिलने से स्थानीय डेयरी किसानों के पशुओं का स्वास्थ्य सुधरा है और दूध उत्पादन क्षमता में भी इजाफा हुआ है। प्रवेश कुमारी आज करीब 25,000 रुपए प्रति माह कमा रही हैं। उनके इस स्टार्टअप ने गांव की सामाजिक संरचना को भी बदला है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर भी रोजगार बढ़ा है। गांव की अन्य महिलाओं को स्थायी आय और आर्थिक स्वतंत्रता मिली रहीहै,। जिससे वे भी अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

यहां आधुनिक मशीनरी और मानकीकृत तकनीकों से पौष्टिक चारा तैयार किया जाता है। साथ ही स्थानीय बाजार की मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है। प्रवेश केवल उद्यमी नहीं, बल्कि एक कुशल मैनेजर भी हैं। वे कच्चे माल की खरीद से लेकर वित्तीय खातों, उत्पादन योजना और गुणवत्ता नियंत्रण तक की जिम्मेदारी खुद संभालती हैं। उनकी इस सक्रिय शैली और वित्तीय अनुशासन के कारण उनके 'गोमाता कैटल फीड' को पुरस्कृत और सम्मानित किया जा चुका है।

महिला उद्यमी प्रवेश कुमारी ने कहा कि शुरुआत एक छोटे प्रयास से हुई थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के मार्गदर्शन ने इसे व्यवसाय बना दिया। आज गांव की महिलाएं साथ मिलकर काम कर रही हैं।

बस्तर अंचल से संवाद, विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से मजबूत होगा जनविश्वास : साय

बस्तर । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को कहा कि बस्तर अंचल से सतत संवाद, विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से जनविश्वास मजबूत होगा। साय ने मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर अंचल के समग्र विकास पर केंद्रित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में लंबे समय से सबसे बड़ी बाधा रहे नक्सलवाद का अंत अब निर्णायक चरण में पहुँच चुका है। सुरक्षाबलों के अदम्य साहस के कारण नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाल हो रही है। उन्होंने कहा कि आगामी तीन वर्षों के लिए बस्तर के विकास का एक व्यापक एक्शन प्लान तैयार कर मिशन मोड में उसका क्रियान्वयन किया जाएगा। साय ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा सचिवों को बस्तर क्षेत्र का दौरा कर योजनाओं की जमीनी प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के दही-चूड़ा भोज में तेज प्रताप भी पहुंचे

संवाददाता ■ पटना

बिहार में इन दिनों मकर संक्रांति के मौके पर राजनीतिक दलों या नेताओं द्वारा चूड़ा-दही भोज का आयोजन किया जा रहा है। इस चूड़ा-दही भोज को लेकर प्रदेश का सियासी तापमान भी बढ़ गया है। इस बीच उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के दही चूड़ा भोज में मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित एनडीए के तमाम नेता तो पहुंचे ही, साथ ही जन शक्ति जनता दल के प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव भी पहुंचे। तेज प्रताप यादव के दही-चूड़ा भोज में पहुंचने के बाद कई तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि, तेज प्रताप ने मीडिया से बातचीत में किसी भी तरह की अटकलों को लेकर बहुत कुछ नहीं कहा, लेकिन इतना जरूर कहा कि हम अपना धर्म निभाने आए हैं। उन्होंने कहा कि भले ही राजनीतिक विचार अलग हों, लेकिन नेता आपस में मिलते-जुलते रहते हैं।एनडीए में शामिल होने को लेकर उन्होंने कहा कि वैसी कोई बात होगी तो आपको सूचित कर दिया जाएगा। इधर, विजय सिन्हा ने तेज प्रताप के एनडीए में आने को लेकर कहा कि जब ऐसा कुछ होगा तो सबको पता चल जाएगा। आगे क्या होगा, यह अभी क्या बताना है।

अब सबकी नजर बुधवार को तेजप्रताप यादव द्वारा आयोजित चूड़ा-दही भोज पर टिकी है। इस भोज को लेकर उन्होंने बिहार के कई मंत्रियों और एनडीए के कई नेताओं को आमंत्रित किया है। देखने वाली बात होगी कि उस चूड़ा-दही भोज में कौन-कौन, किस-किस दल के नेता पहुंचते हैं। पूर्व में लालू यादव हर साल इस तरह का आयोजन करते रहे हैं। तेज प्रताप यादव राजद और लालू परिवार से भी निष्कासित हो चुके हैं, लेकिन वे अपने पिता की परंपरा को बहुत संजीदगी के साथ आगे बढ़ाने के इच्छुक नजर आ रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

कांग्रेस नेता बोम्मा महेश के सनातन पर दिया उनका बयान अज्ञानता का परिणामः गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस एमएलसी बोम्मा महेश के सनातन धर्म पर दिए बयान की आलोचना की। इसे भारतीय संस्कृति को लेकर उनकी 'अज्ञानता' का परिणाम बताया।

उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गीता में कहा गया है कि 'यदा यदा धर्मस्य ग्लानि भवति भारत' अर्थात जब-जब भारत में ऐसे असुर पैदा होंगे, तो राम और कृष्ण पैदा होंगे। इसी को देखते हुए मौजूदा समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो भारत में अनवरत विकास के पथ पर अग्रसर कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत दोहरी गति से विकास कर रहा है और विकास से संबंधित कामों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि आज की तारीख में कांग्रेस और मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान के एंबेसडर बन चुके हैं, जो पाकिस्तान की आवाज हैं। ये लोग लगातार पाकिस्तान के हित में अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इससे यह साफ जाहिर हो रहा है कि इन्हें भारत के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। ये लोग सिर्फ पाकिस्तान के बारे में सोचते हैं और उसके हित को लेकर ही अपनी आवाज को बुलंद करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में आतंकवादियों को पालने पोषणे का काम किया है। इन लोगों ने आतंकवाद को समृद्ध किया। इन लोगों ने ऐसा करके देश की शांति में खलल पैदा करने की कोशिश की, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पहले देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी घटनाएं सुनने को मिली थी। लेकिन, आज की तारीख में ऐसा कहीं पर देखने को नहीं मिलता है। यह हमारे लिए सुखद संकेत है कि आज सभी आतंकवादियों चूहे की तरह किसी बिल में घुस चुके हैं। ये लोग आज की तारीख में सिर उठाने की जहमत नहीं उठा पा रहे हैं, नहीं तो अगर दौर था, जब इन लोगों ने आम लोगों का जीना दूभर कर दिया था।

उन्होंने कहा कि आज इस देश में आतंकियों के जेहन में कानून-व्यवस्था को लेकर खौफ का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि अगर इन लोगों ने किसी भी प्रकार के नापाक इरादों को धरातल पर उतारने के बारे में सोचा, तो इन लोगों के लिए नर्क के द्वार खुल जाते हैं।

मैस्टिक एस्फाल्ट तकनीक से बेहतर हुई वलसाड जिले के वापी की सड़कें, स्थानीय लोगों ने की सराहना

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले के औद्योगिक नगर वापी में अब सड़कों पर वाहन बेफिक्र होकर फर्राटा भरते नजर आ रहे हैं। इसकी बड़ी वजह सड़कों के निर्माण में अपनाई जा रही अत्याधुनिक मैस्टिक एस्फाल्ट टेक्नोलॉजी है, जिसने शहर की सड़क व्यवस्था की तस्वीर ही बदल दी है।

पहले हर साल मानसून के दौरान भारी बारिश के चलते सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाती थीं। गड्ढों और टूट-फूट के कारण आम नागरिकों, उद्योगों और भारी वाहनों की आवाजाही में भारी परेशानी होती थी। लेकिन अब प्रशासन ने नई तकनीक के जरिए इस पुरानी समस्या का स्थायी समाधान निकालने की दिशा में ठोस कदम उठाया है।

वलसाड सड़क एवं भवन विभाग के कार्यकारी अभियंता जतिन पटेल ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वापी में सालाना 100 से 150 इंच तक बारिश होती है। इसके साथ ही यहां भारी वाहनों की लगातार आवाजाही रहती है, जिसके कारण पारंपरिक तरीके से बनी सड़कें जल्द ही खराब हो जाती थीं। उन्होंने कहा कि सड़कों को सीमेंट कंक्रीट (सीसी) से भी बनाया जा सकता है, लेकिन विभाग की प्राथमिकता सड़क की उम्र बढ़ाने और लंबे समय तक टिकाऊ समाधान तैयार करने की है। इसी सोच के तहत मैस्टिक एस्फाल्ट तकनीक को अपनाया गया है, जिससे सड़कें ज्यादा मजबूत बन रही हैं और बारिश के बावजूद उनकी गुणवत्ता बनी रहती है।

मैस्टिक एस्फाल्ट तकनीक से बनाई जा रही सड़कों को लेकर वापी के नागरिकों में भी संतोष और खुशी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि पहले हर मानसून में सड़कों की हालत बद से बदतर हो जाती थी। गड्ढों के कारण वाहन चालकों को नुकसान उठाना पड़ता था और दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता था। अब नई तकनीक से बनी सड़कें बारिश में भी सुरक्षित और सुगम बनी रहने की उम्मीद जगा रही हैं।

स्थानीय निवासी अरविंद शाह ने बताया कि वापी में अब सड़कों का निर्माण पहले की तुलना में कहीं बेहतर तरीके से हो रहा है। बारिश के मौसम में सड़कों पर गड्ढे बन जाने से रोजमर्रा की आवाजाही बेहद मुश्किल हो जाती थी। नई तकनीक से बनाई जा रही सड़कों से यह समस्या काफी हद तक खत्म होगी और सड़कों के जल्द खराब होने की आशंका भी कम हो जाएगी।

वहीं, एक अन्य स्थानीय निवासी पवन शर्मा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि वापी में अत्यधिक बारिश होती है और ऐसे क्षेत्र में मैस्टिक एस्फाल्ट तकनीक से सड़क निर्माण ही सबसे बेहतर समाधान है। उन्होंने इसे एक सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि इससे लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है और यह सड़कें लंबे समय तक टिकाऊ साबित होंगी।

गौरतलब है कि नागरिकों की वर्षों पुरानी परेशानी को ध्यान में रखते हुए ही स्थानीय प्रशासन ने ट्रायल बेसिस पर मैस्टिक एस्फाल्ट टेक्नोलॉजी से सड़कों का निर्माण शुरू किया है। इस पहल से न केवल वापी के निवासियों को राहत मिली है, बल्कि यहां के उद्योगों और व्यापारिक गतिविधियों को भी बड़ा फायदा हो रहा है। साथ ही, प्रशासन की यह पहल गुजरात के अन्य शहरों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बन रही है, जहां भारी बारिश और औद्योगिक यातायात के कारण सड़कें तेजी से खराब हो जाती हैं।

अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 : वडोदरा में दिखा वसुधैव कुटुंबकम का नजारा

वडोदरा,। वडोदरा के आसमान में मंगलवार को उत्सव के रंग छा गए। गुजरात टूरिज्?म, जिला प्रशासन और वडोदरा महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव- 2026 में देश-विदेश से आए 160 से अधिक पतंगबाजों ने रंग-बिरंगी और अनोखी पतंगों के साथ शानदार करतब दिखाए। इस दौरान वसुधैव कुटुंबकम का नजारा देखने को मिला।

कई देशों और राज्यों के पतंगबाजों की मौजूदगी से पूरा माहौल उत्सवमय हो गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक उमड़े।

अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में देश-विदेश के पतंगबाजों ने अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया, यूके, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड सहित कई देशों के पतंगबाजों ने अनोखे डिजाइन और विभिन्न आकृतियों की पतंगें उड़ाईं।

वहीं, बिहार, राजस्थान, तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के पतंगबाजों ने भी

दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में मेहमानों के लिए ऊंझा जलेबी की विशेष व्यवस्था की गई, जिसने इस उत्सव को और भी यादगार बना दिया।

वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आज वडोदरा के अंदर अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन बहुत ही जोरशोर से हो रहा है। इस कार्यक्रम में 20 से ज्यादा देशों के विदेशी मेहमानों ने शिरकत की है। पीएम नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उनका यह विजन था। इस कार्यक्रम में वसुधैव कुटुंबकम का दृश्य देखने को मिल रहा है।

वडोदरा महानगरपालिका के म्युनिसिपल कमिश्नर अरुण महेश बाबू ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि गुजरात टूरिज्?म, जिला प्रशासन और वडोदरा महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। विदेशों के साथ-साथ भारत के आठ राज्यों से लोग यहां आए हुए हैं। वडोदरा की जनता के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बाहरी लोग भी योगदान दे रहे हैं। हम इस कार्यक्रम के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। वडोदरा की जनता बहुत ही जिम्मेदार है। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

कपिल मिश्रा ने फोटो शेयर कर 'आप' पर उठाए सवाल, कहा- लापता आतिशी कहां हैं?

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर तीखी बयानबाजी देखने को मिली है। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी पर 'गुरुओं' के अपमान का गंभीर आरोप लगाया है।

मंत्री कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आतिशी की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'जिसने अपराध किया है, वह फरार है, लापता है, मिसिंग है।

कपिल मिश्रा ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें लिखा है कि 'लापता आतिशी मार्लेना कहां हैं?

कपिल मिश्रा का आरोप है कि 'गुरुओं' पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद आतिशी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रही हैं और उनकी पार्टी जानबूझकर उन्हें मीडिया से दूर रखे हुए है। इसी बीच भाजपा दिल्ली इकाई ने भी इस मुद्दे पर एक पोस्टर जारी किया। पोस्टर में लिखा गया, 'गुरुओं का अपमान करके भागने वाली 'लापता की तलाश'।' भाजपा ने इस पोस्टर के जरिए आतिशी पर निशाना साधते हुए उनके कथित व्यवहार को अस्वीकार्य बताया।

मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कपिल मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि 6 जनवरी को दिल्ली विधानसभा में सिख गुरुओं पर चर्चा चल रही थी। यह चर्चा गुरु तेगबहादुर, भाई मतिदास, भाई सतिदास और भाई दयाला की शहादत के 350 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रही थी। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने बीच में हस्तक्षेप किया और कथित तौर पर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

कपिल मिश्रा ने कहा कि इस घटना के बाद जिस तरह से आतिशी सार्वजनिक जीवन से गायब हो गई हैं, उससे यह साफ संकेत मिलता है कि टिप्पणी जानबूझकर की गई थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले को दबाने के लिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के इशारे पर पंजाब के संसाधनों और पुलिस का दुरुपयोग किया जा रहा है।

मंत्री ने यह भी दावा किया कि इस पूरे मामले में लोगों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि गुरुओं के सम्मान से जुड़ा यह विषय बेहद संवेदनशील है और इस पर किसी भी तरह की आपत्तिजनक भाषा स्वीकार नहीं की जा सकती।

कांग्रेस केवल नाम, जबकि भाजपा का काम में विश्वास : भाजपा सांसद सुभाष बराला

जींद। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस 'विकसित भारत-जी राम जी' (वीबी-जी राम जी) का विरोध कर रही है और भाजपा सरकार पर मनरेगा को खत्म करके गरीब वर्ग से रोजगार की गारंटी का अधिकार छीनने का गंभीर आरोप लगा रही है, जबकि भाजपा इसे सुधारात्मक प्रक्रिया बता रही है। इस बीच मंगलवार को भाजपा सांसद सुभाष बराला ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया।

हरियाणा से राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि कांग्रेस केवल नाम में विश्वास करती है, जबकि भाजपा काम में विश्वास करती है। जब भी देश में अच्छे काम शुरू होते हैं, कांग्रेस विरोध करने का काम करती है।

बराला ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम, 2025 के

तहत मनरेगा योजना में सुधार किया गया है। पुरानी मनरेगा में 100 दिनों का रोजगार था, अब नए कानून में 125 दिनों का काम देने का फैसला किया गया है। न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए देने की बात कही गई है, लेकिन कांग्रेस को विकास की बात हजम नहीं होती।

उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने संविधान बदलने की झूठी बातें फैलाईं और कहा कि मोदी आए तो संविधान खतरे में है। कांग्रेस के ही नेता मनरेगा खत्म करने की झूठी अफवाहें फैलाते थे। बराला ने कहा, 'कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू के समय मनरेगा जैसी योजना शुरू की, तब नाम बदलने पर कोई आपत्ति नहीं थी, अब क्यों? राज्यसभा सांसद ने बताया कि भाजपा ने आजीविका के संसाधनों को बनाए रखने और नए रोजगार स्थापित करने का संकल्प लिया है। नए अधिनियम के तहत भैंस पालन, डेयरी काम, गांव के अंदर तालाबों का सौंदर्यीकरण जैसे कार्य किए जा सकते हैं। यह ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा।

बराला ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष मनरेगा के नाम पर राजनीति कर रहा है, जबकि मोदी सरकार ने योजना को आधुनिक और प्रभावी बनाया है। पुरानी योजना में भ्रष्टाचार और कमियां थीं, नए कानून से पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्रामीण मजदूरों को ज्यादा फायदा होगा।

सत्यमेव जयते, हमने जीत हासिल की, '10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग हटाने पर राघव चा ने केंद्र का आभार जताया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से '10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग को हटाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम डिलीवरी राइडर्स और सड़कों पर चलने वाले सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सत्यमेव जयते। साथ मिलकर हमने जीत हासिल की है। मैं केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से '10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग को हटाने के लिए समय पर निर्णायक और संवेदनशील कदम उठाया। यह एक बहुत जरूरी कदम था, क्योंकि जब राइडर की टी-शर्ट, जैकेट और बैग पर '10 मिनट' लिखा होता है और ग्राहक की स्क्रीन पर टाइमर चलता है तो दबाव असली, लगातार और खतरनाक होता है।

उन्होंने आगे लिखा, 'पिछले कुछ महीनों में मैंने सैकड़ों गिग वर्कर्स से बात की है। उनमें से कई ज्यादा काम करते हैं, कम पैसे मिलते हैं और एक अवास्तविक वादे को पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। मैं हर उस नागरिक को धन्यवाद देता हूं जो हमारे साथ खड़ा रहा। आप इंसान की जिंदगी, सुरक्षा और गरिमा के पक्ष में मजबूती से खड़े रहे।'

उन्होंने गिग वर्कर्स से कहा, 'आप अकेले नहीं हैं, हम सब आपके साथ हैं।'

मध्य प्रदेशः रीवा के गौवंश वन्य विहार में बनेंगे ऋषि आश्रम, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में स्थित बसामन मामा गौवंश वन्य विहार रीवा में ऋषि कुलम बनने जा रहा है। इसमें शुरुआत में तीन ऋषियों के आश्रम बनेंगे। राज्य के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इसके लिए भूमिपूजन किया है।

बताया गया है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार रीवा में ऋषि कुलम में संतों के निवास के लिये सर्वसुविधायुक्त तीन ऋषि आश्रम का निर्माण कराया जाएगा। यहां गौ अभ्यारण्य के अलावा प्राकृतिक खेती भी होगी। राज्य के उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने ऋषि आश्रम की ड्राइंग का अवलोकन किया और निर्देश दिए कि सुविधायुक्त आश्रम का निर्माण तत्काल प्रारंभ करें और गुणवत्ता के साथ बनाएं।

उन्होंने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति हो गई है। गौसंरक्षण के लिए गौ अभ्यारण्य के साथ ही यहां प्राकृतिक खेती के प्रकल्पों की भी शुरुआत हो गई है। यह प्राकृतिक खेती का बड़ा प्रशिक्षण केंद्र बनेगा और यहां संतों का नियमित प्रवास होता रहेगा। अतरू ऋषि आश्रम में रसोई, बैठक कक्ष, शयन कक्ष व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित कराएं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में प्राकृतिक खेती का अवलोकन किया और जैविक इनपुट, मिट्टी की उर्वरता व बीजामृत से बोई गई फसलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीजामृत निर्माण व प्राकृतिक खेती के लिए की जाने वाली तैयारियों के संबंध मेंपूछताछ की।

राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्राकृतिक खेती के लिए जमीन के सुधार से लेकर सभी प्रक्रियाओं का विवरण प्रदर्शित करें ताकि आने वाले किसान इससे भलीभांति अवगत हो सकें और यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने खेतों में प्राकृतिक खेती प्रारंभ कर सकें। उन्होंने कहा कि रीवा जिले को प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में अग्रणी जिला बनाना है। हिनौती सहित हरिहरपुर में भी प्राकृतिक खेती के संबंध में किसानों का भ्रमण कराकर उन्हें इसे अपनाने के लिए जागरूक किया जाएगा।

भ्रमण के दौरान उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गौमाता की पूजा कर घास व गुड़ खिलाया। उन्होंने भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना की।

दो आधार कार्ड में तस्वीरें एक, मध्य प्रदेश में पहचान छिपाने के आरोप में राजस्थान का युवक गिरतार

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले स्थित एक होटल में एक युवक ने अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर रुका था। इस आरोप में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

होटल में सोमवार को चेक-इन के दौरान युवक ने अपना नाम चेतन प्रकाश बताया और रिसेप्शन काउंटर पर उसी नाम का एक आईडी (आधार कार्ड) जमा किया। पुलिस के अनुसार, उसके साथ एक महिला भी थी।

हालांकि, जब उसने 600 रुपए का ऑनलाइन पेमेंट किया तो होटल रिसेप्शनिस्ट ने देखा कि यह रकम अशरफ खान के नाम पर रजिस्टर्ड यूपीआई से आई है, जिसके बाद होटल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस दोनों को पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई, जहां युवक ने राजस्थान के जैसलमेर जिले के रहने वाले अशरफ खान के नाम का एक और आधार कार्ड जमा किया। दोनों आधार कार्ड पर तस्वीरें एक जैसी थीं, लेकिन नाम और पते अलग-अलग थे।

मंदसौर कोतवाली पुलिस स्टेशन के इंचार्ज पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि वेरिफिकेशन के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धारा और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

महिला के आईडी कार्ड से पता चला कि वह राजस्थान के नागौर जिले की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार, उन्होंने सुबह होटल में चेक-इन किया था और कुछ ही देर बाद परीक्षा के लिए निकल गए थे।

शुरुआती जांच में पता चला कि अशरफ और महिला जिले के एक सरकारी कॉलेज में होने वाली लैब टेक्नीशियन परीक्षा देने के लिए मंदसौर आए थे। उन्होंने कहा, 'पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि वह जैसलमेर के एक प्राइवेट अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के तौर पर काम करती है। राजस्थान में उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है, और आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति, जिसकी पहचान अशरफ खान के रूप में हुई है, से बरामद दोनों आधार कार्ड की प्रामाणिकता की जांच की जा रही है, और उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में पेट्रोल पंप बम धमाके का आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोल पंप पर हुए बम धमाके के मामले में सुरक्षा बलों ने तीन कट्टर उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक प्रतिबंधित संगठन का सक्रिय कैडर भी शामिल है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए उग्रवादी कंगलेई यावोल कन्ना लुप और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कंगलेइपाक से जुड़े हैं। इनकी गिरफ्तारी पिछले 24 घंटों के दौरान इंफाल वेस्ट और काकचिंग जिलों से की गई।

तीन गिरफ्तार उग्रवादियों में से कंगलेई यावोल कन्ना लुप के कैडर हिजाम मणिचंद्र सिंह (35) पर 8 जनवरी को बिष्णुपुर जिले के मोइरांग थाना लेकाई स्थित एक

पेट्रोल पंप पर हुए विस्फोट को अंजाम देने का आरोप है। उसकी गिरफ्तारी के बाद इस घटना में शामिल अन्य साथियों की पहचान कर ली गई है और उनकी तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक, 8 जनवरी को दोपहिया वाहन पर सवार उग्रवादियों ने पेट्रोल पंप पर बम फेंका था, जिससे जोरदार धमाका हुआ। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन पेट्रोल पंप को नुकसान पहुंचा।

8 जनवरी को बिष्णुपुर और इससे पहले 6 दिसंबर को इंफाल ईस्ट जिले में हुए हमलों के विरोध में 10 जनवरी को मणिपुर घाटी और आसपास के इलाकों के सभी पेट्रोल पंप बंद रहे। यह बंद मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स फ्रैटरनिटी की ओर से सुरक्षा की मांग को लेकर बुलाया गया था।

एमपीडीएफ ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को पत्र लिखकर कहा कि प्रशासन के आश्वासनों के बावजूद पेट्रोल पंप मालिकों और कर्मचारियों को गंभीर सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर 8 जनवरी के बम धमाके के बाद।

फ्रैटरनिटी ने कहा कि यह घटना कम समय में दूसरी जानलेवा हमला थी, इससे पहले 6 दिसंबर को भी इसी तरह का बम धमाका हुआ था। एमपीडीएफ की मांगों में पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा बढ़ाना, बम धमाकों या अपहरण जैसी घटनाओं में सरकारी जवाबदेही तय करना, क्षतिग्रस्त ढांचे की भरपाई और किसी भी डीलर या कर्मचारी के घायल या मारे जाने की स्थिति में उचित मुआवजा शामिल है। साथ ही 8 जनवरी के धमाके में बिष्णुपुर के पेट्रोल पंप को हुए नुकसान का मुआवजा देने की भी मांग की गई है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में संयुक्त अभियान के दौरान इंफाल वेस्ट जिले से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। बरामद हथियारों में दो मैगजीन के साथ एक सेल्फ-लोडिंग राइफल, दो सिंगल बैरल बंदूकें और तीन पिस्तौल तीन मैगजीन के साथ शामिल हैं। वहीं, गोला-बारूद में 7.62 मिमी एसएलआर के 20 राउंड और आठ ट्यूब लॉन्चिंग बरामद की गई हैं।

तेलंगाना : सीएम और आईएएस अधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट की जांच के लिए एसआईटी गठित

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, एक मंत्री और एक महिला आईएएस अधिकारी के खिलाफ कथित अपमानजनक और अश्लील कंटेंट फैलाने के आरोप में दर्ज किए गए दो मामलों की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की।

आठ सदस्यीय एसआईटी की अध्यक्षता हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार करेंगे।

पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने मुख्यमंत्री की मॉर्फ्ड तस्वीर पोस्ट करने के आरोप में कावली वेंकटेश के खिलाफ दर्ज मामले और एक मंत्री और एक भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी के बारे में फर्जी खबरें प्रकाशित करने के लिए कुछ टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ दर्ज दूसरे

मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है।

जहां मुख्यमंत्री से जुड़ा मामला नारायणपेट जिले में दर्ज किया गया था, वहीं दूसरा मामला हैदराबाद के सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) में दर्ज किया गया था।

एसआईटी के सदस्यों में नॉर्थ रेंज की जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस श्वेता, चेवेल्ला डीसीपी योगेश गौतम, हैदराबाद एडमिन डीसीपी वेंकट लक्ष्मी, साइबर क्राइम डीसीपी अरविंद बाबू, विजिलेंस एडिशनल एसपी प्रताप, सीसीएस एसीपी गुरु राघवेंद्र, साइबर सेल सीआई शंकर रेड्डी और काउंटर इंटेलिजेंस सेल एसआई हरीश शामिल हैं। वेंकटेश के खिलाफ मुख्यमंत्री की तस्वीर को मॉर्फ करने और उसे तेलंगाना पब्लिक टीवी नाम के व्हाट्सएप ग्रुप पर पोस्ट करने का आरोप है। कांग्रेस नेता गुल्ला नरसिम्हा की शिकायत पर पुलिस ने सोमवार को मुकदमा दर्ज किया।

सीसीएस ने एक मंत्री और एक महिला आईएएस अधिकारी के खिलाफ समाचार चैनलों, यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया हैंडल पर कथित तौर पर फर्जी खबरें प्रसारित करने के लिए एक और मामला दर्ज किया।

कैट एवं प्राणा के संयुत तत्वाधान में बीमारी-मुत और खुशहाल जीवन जीने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन

रायपुर । संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग एवं प्राणा के संयुक्त तत्वाधान में बीमारी-मुक्त और खुशहाल जीवन जीने हेतु मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया। यह सेंटर लंबी उम्र, रीजनरेटिव और एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट के बारे में जागरूकता लाने का एक केंद्र है। यह आपको लंबा, बीमारी-मुक्त और खुशहाल जीवन जीने में मदद करने के लिए सेल्यूलर लेवल पर कायाकल्प पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हम सभी बीमारियों को जानते हैं, अपना इलाज करवाते हैं लेकिन इस बात को नज़र अंदाज़ कर देते हैं कि अगर मूल कारण का इलाज किया जाए तो हम उनसे छुटकारा पा सकते हैं या उन्हें अच्छी तरह से कंट्रोल कर सकते हैं। प्राणा टीम के निदेशक डॉ. नीता कंवर एवं पलाश कंवर ने बताया कि एक क्लिनिशियन के तौर पर उन्होंने मरीज़ों का इलाज किया है, लेकिन अब प्राणा का हिस्सा होने के नाते, वह एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स, सेल्यूलर थेरेपी और मन और शरीर की हीलिंग का इस्तेमाल करके अंदरूनी हीलिंग लाना चाहती हैं।

प्राणा में थेरेपी हैं:- 1. मानसिक स्वास्थ्य रीसेट प्रोग्राम, 2. त्वचा स्वास्थ्य और रीसेट प्रोग्राम, 3. मेटाबोलिक स्वास्थ्य रीसेट प्रोग्राम, 4, आंत स्वास्थ्य रीसेट प्रोग्राम, 5. लंबी उम्र और रीजनरेशन मेडिसिन, 6. ऑर्थोपेडिक और जोड़ों का रीजनरेशन, 7. प्रजनन क्षमता और प्रजनन स्वास्थ्य, 8. एंड्रोपॉज़ और जीवन शक्ति प्रोग्राम, 9. मेनोपॉज़ल जीवन शक्ति प्रोग्राम आदि।

राज्य के 8 युवाओं और एक संगठन को मिला छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान

धमतरी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के आठ युवाओं सहित धमतरी जिले के युवा स्टार सेवा समिति खरतुली और आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान किया ।

12 जनवरी (सोमवार) को राष्ट्रीय युवा दिवस पर सम्मानित किया, एक आधिकारिक बयां में मंगलवार को कहा ।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित युवा रत्न सम्मान समारोह में स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्वच्छता, साक्षरता, महिला उत्थान, सामाजिक जागरूकता, नशामुक्ति, मतदाता जागरूकता, जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए धमतरी जिले के खुरतुली के युवा स्टार सेवा समिति को भी छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान प्रदान किया। उन्हें 5 लाख का चेक भी मिला । सुश्री आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान दिया।

आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान दिया। उन्हें एक लाख रुपये का चेक मिला। आरू साहू छत्तीसगढ़ की एक उभरती हुई और लोकप्रिय लोक गायिका हैं, जो अपने छत्तीसगढ़ी गानों के लिए जानी जाती हैं और उन्होंने यूट्यूब व फेसबुक पर लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई है, खासकर अपने छठ पूजा गीतों

और अन्य लोक धुनों के माध्यम से अपनी जगह बनायी और वे अपनी कला से राज्य की संस्कृति को बढ़ावा दे रही हैं।

साय ने 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती पर रायपुर में उनके बिताए समय का स्मरण करते हुए समारोह में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने मात्र 31 वर्ष की आयु में दुनिया में भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और सभ्यता का मान और सम्मान बढ़ाया। उन्होंने खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य की उत्कृष्ट युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत युवाओं का देश है। हमारी युवा प्रतिभाओं को पोषित, पल्लवित और आगे बढ़ाने का काम हम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए उन्हें दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम, समर्पण और संकल्प से अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने को कहा।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की सांस्कृतिक शक्ति का परचम पूरी दुनिया में फहराया था। आज करोड़ों युवा उनसे प्रेरणा लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से युवा रत्न सम्मान के लिए आवेदन आए हैं, उससे पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। सरकार ने इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने बड़ी पहल करते हुए आज राज्य में पहली बार व्यक्तिगत क्षमता में सुधार तथा समाज सेवा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने राज्य की प्रतिभाओं को 'युवा रत्न सम्मान' से नवाजा है। राज्य के 15 वर्ष से 29 वर्ष की आयु के प्रतिभाओं के उत्कृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया है।

साय ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित समारोह में बेमेतरा के एस्ट्रोफिजिक्स में सबसे कम उम्र के वैज्ञानिक एवं पीएचडी छात्र तथा एनएएसओ (ह्रस्ह्र) ओलंपियाड में स्वर्ण पदक से सम्मानित पीयूष जायसवाल को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान प्रदान किया।

उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कांकेर की शिल्पा साहू, साहित्य के क्षेत्र से सरगुजा के अमित यादव, नवाचार के लिए महासमुंद की मृणाल विदानी तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए दुर्ग की परिधि शर्मा को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी बिलासपुर की संजू देवी को खेल, कवर्धा के सचिन कुनहरे को कला एवं संस्कृति और आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान दिया। स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्वच्छता, साक्षरता, महिला उत्थान, सामाजिक जागरूकता, नशामुक्ति, मतदाता जागरूकता, जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए धमतरी जिले के खुरतुली के युवा स्टार सेवा समिति को भी छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान प्रदान किया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने सभी सम्मानित युवाओं और खरतुली के युवा स्टार सेवा समिति और सुश्री आरू साहू को बधाई और शुभकामनाएं दी और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

स्कूली बच्चों ने लिया संकल्प, आनंद मेले की कमाई से करेंगे मानवता की सेवा

कवर्धा । भौतिकवादी युग में जहाँ किशोर पीढ़ी मोबाइल और तकनीक की दुनिया में खोई रहती है, वहीं कवर्धा के अशोका पब्लिक स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने परोपकार की एक अनूठी मिसाल पेश की है। विद्यालय के छात्र कुंजल राणा(10 वीं), नववीर प्रताप राणा एवं नवतेज प्रताप राणा(कक्षा 3) ने अपने स्वर्गीय दादा डॉ. टी.आर. राणा के सेवाभावी आदर्शों पर चलते हुए अपनी मेहनत की कमाई को जरूरतमंदों के नाम कर दिया।

दादाजी की सीख और दादी का मार्गदर्शन

मिली जानकारी के अनुसार, इन तीनों भाई-बहनों ने अपनी दादी श्रीमती बसंती राणा से अपने स्वर्गीय दादाजी द्वारा किए गए जनहित के कार्यों की कहानियाँ सुनी थीं। इसी प्रेरणा के वशीभूत होकर उन्होंने निर्णय लिया कि वे विद्यालय के वार्षिक उत्सव व 'आनंद मेला' में अपने स्टॉल से होने वाली आय को व्यक्तिगत उपयोग में लाने के बजाय समाज सेवा में लगाएंगे।

जरूरतमंदों के बीच खुशियों का वितरण होगा

24 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम के बाद, बच्चों ने अपनी स्टॉल की कमाई से ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन बच्चों को कॉपी और पेन का वितरण करेंगे। जिला अस्पताल कवर्धा में भर्ती मरीजों को उनकी आवश्यकता अनुसार राहत सामग्री प्रदान करेंगे।

डॉ. अजय कुमार मंडावी ने थपथपाई पीठ

इस नेक पहल की गूंज विद्यालय परिसर से बाहर तक पहुँची। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अजय कुमार मंडावी ने बच्चों की इस सोच की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और स्वयं भी इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।

विद्यालय और अभिभावकों का सहयोग

बच्चों के इस संवेदनशील निर्णय में विद्यालय के प्राचार्य नापित, संचालक पवन देवांगन, सारिका देवांगन सहित उनकी माता श्रीमती ऋतु चन्द्रवेश राणा का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। शिक्षकों (लोकनाथ, सागर नामदेव, श्रीमती कांता महिपाल, चित्ररेखा मैडम) ने बच्चों के इन संस्कारों को शिक्षा का असली उद्देश्य बताया है।

अशोका पब्लिक स्कूल प्रबंधन एवं पिता चन्द्रवेश राणा का कहना है कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक शिक्षा वही है जो बच्चों को संवेदनशील और परोपकारी इंसान बनाए।

दंतेवाड़ा जिले में पर्यटन विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल

दंतेवाड़ा । दंतेवाड़ा जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गंजेनार डैम में बोटिंग सुविधा की विधिवत शुरुआत की गई, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में मंगलवार को कहा गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथियों द्वारा गंजेनार डैम में बोटिंग का शुभारंभ करते हुए इसे जिले के पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण गंजेनार डैम अब पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशेष पहचान बनाएगा और स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा। प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि गंजेनार डैम में बोटिंग सुविधा आमजन के लिए प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध रहेगी। सुरक्षा मानकों का

विशेष ध्यान रखते हुए यह सुविधा संचालित की जा रही है, ताकि पर्यटकों को सुरक्षित और आनंददायक अनुभव मिल सके। गंजेनार डैम में बोटिंग की शुरुआत से क्षेत्र के स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बोट संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, टिकट प्रबंधन, रखरखाव एवं अन्य पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन्हें अपने ही क्षेत्र में आजीविका के साधन उपलब्ध होंगे और पलायन पर भी अंकुश लगेगा।

गंजेनार डैम को भविष्य में पिकनिक स्पॉट, प्रकृति भ्रमण स्थल, वाटर टूरिज्म और स्थानीय संस्कृति के प्रदर्शन से जोड़ने की भी संभावनाएं हैं। इससे दंतेवाड़ा जिले की सकारात्मक छवि को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में पर्यटन आधारित विकास को नई गति मिलेगी। गंजेनार डैम में बोटिंग की यह पहल जिले में विकास, रोजगार और पर्यटन को एक साथ जोड़ने वाला सफल मॉडल बन रही है, जो आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगी।

हरचोका रेतघाट में 20 लाख की रॉयल्टी गड़बड़ी उजागर, जांच समिति की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर । जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और पूर्व जिला कोरिया से जुड़े ग्राम हरचोका के रेतघाट से संबंधित रॉयल्टी प्रकरण में अब सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में मंगलवार को कहा गया।

13 जनवरी 2025 की एक प्रकाशित खबर के बाद जिला प्रशासन ने पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए यह सुनिश्चित करने की ठोस पहल की कि सरकारी राजस्व की एक-एक राशि पंचायत खाते में पहुंचे।

मवई नदी स्थित ग्राम हरचोका, तहसील भरतपुर के खसरा नंबर 336, रकबा 5.00 हेक्टेयर के क्षेत्र को वर्ष 2017 के संशोधित आदेश के तहत रेतघाट के रूप में स्वीकृत किया गया था, जहां छत्तीसगढ़ गौण खनिज रेत उत्खनन एवं व्यवसाय विनियमन निर्देश 2006 के प्रावधानों के अनुरूप रेत का उत्खनन और विक्रय किया जाना था।

रेत उत्खनन के बदले ग्राम पंचायत खाते में जमा की जाने वाली रॉयल्टी राशि 20,54,200 रुपये जमा नहीं होने पर यह मामला प्रशासन के संज्ञान में आया और इसके बाद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा लगातार पत्राचार कर जवाब मांगा गया। पूर्व जिला कोरिया के समय से लेकर वर्तमान जिला

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के गठन के बाद तक इस मामले में प्रशासन निरंतर सक्रिय बना रहा।

खनिज शाखा के रिकॉर्ड के अनुसार ग्राम पंचायत हरचोका के तत्कालीन सरपंच और सचिव को वर्ष 2019 में ही सात दिवस के भीतर राशि जमा करने का नोटिस दिया गया था। बाद में जिला पुनर्गठन के पश्चात मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के कलेक्टर द्वारा एक बार फिर वर्ष 2025 में पत्र एवं स्मरण पत्र जारी कर बकाया राशि के संबंध में स्पष्ट जवाब मांगा गया।

चूंकि मई 2018 से 23 अप्रैल 2019 तक के मासिक पत्रक भी कार्यालय में उपलब्ध नहीं थे, इसलिए मामले को और गंभीरता से लेते हुए संयुक्त जांच समिति गठित की गई।

समिति द्वारा परीक्षण के बाद यह अनुशंसा की गई कि कुल 20,54,200 रुपये की रेत रॉयल्टी राशि जमा कराने के लिए विधिवत कार्रवाई की जाए। प्रशासनिक सक्रियता का सकारात्मक परिणाम सामने आया और ग्राम पंचायत हरचोका के तत्कालीन सरपंच लाल साय द्वारा 14,00,000 रुपये भारतीय स्टेट बैंक शाखा जनकपुर के माध्यम से जमा करा दिए गए।

इसके साथ ही शेष 6,54,200 रुपये तीन माह के भीतर जमा करने का शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया गया जिससे स्पष्ट है कि अब पूरा प्रकरण समाधान की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है और बची हुई राशि भी निर्धारित अवधि में जमा होने की पूरी संभावना है। कलेक्टर (खनिज शाखा), अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भरतपुर तथा संयुक्त जांच समिति के सामूहिक प्रयासों से इस प्रकरण में न केवल रॉयल्टी राशि की वसूली का मार्ग प्रशस्त हुआ है, बल्कि सरकारी राजस्व की सुरक्षा के प्रति प्रशासन की गंभीरता भी स्पष्ट हुई है। इस प्रकरण के माध्यम से यह संदेश गया है कि शासन किसी भी प्रकार के बकाया राजस्व को लेकर उदासीन नहीं है और समय पर आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित करता है। बड़ी राशि जमा होने से ग्राम पंचायत हरचोका की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और स्थानीय विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। यह मामला अब विवाद और संदेह के दायरे से बाहर निकलकर समाधान और पारदर्शिता के मॉडल के रूप में उभर रहा है।

अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर कार्रवाई, कुल 217 कट्टा धान एवं पिकअप वाहन जप्त

महासमुंद । छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में सोमवार रात को विभिन्न स्थानों पर संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 217 कट्टा धान एवं पिकअप वाहन जप्त किया गया, एक आधिकारिक विज्ञप्ति में मंगलवार को कहा गया ।

बसना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम कुरचुंडी में अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए 80 पैकेट धान जब्त किए गए। धान का परिवहन बिना वैध दस्तावेजों के किया जा रहा था, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

इसी प्रकार पिथौरा विकासखण्ड

अंतर्गत ग्राम भुरकोनी में संजय अग्रवाल के गोदाम में छापेमार कार्रवाई के दौरान 137 बोरी धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया। जब्त किए गए धान को आगे की कार्रवाई हेतु मंडी अधिनियम के तहत मंडी सचिव को सुपुर्द किया गया है।

साथ ही बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम शिकारिपाली, तेंदूकोना क्षेत्र में अवैध धान से भरी एक पिकअप वाहन को जप्त किया गया। वाहन में भरा धान अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। वाहन को जब्त कर संबंधित प्रकरण दर्ज किया गया है।

जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि जिले में अवैध धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

धान उपार्जन केन्द्रों की पारदर्शी व्यवस्था से किसानों को मिल रही बड़ी सुविधा

सरगुजा । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान सरगुजा जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था किसानों के लिए राहत लेकर आई है।

डिजिटल प्रणाली के चलते किसानों को धान विक्रय में न सिर्फ समय की बचत हो रही है, बल्कि अनावश्यक परेशानी से भी मुक्ति मिली है।

ग्राम पंचायत मेंड्राखुर्द के लघु सीमांत कृषक त्रिभुवन राजवाड़े ने धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि उन्होंने इस वर्ष 108 क्विंटल धान विक्रय हेतु पंजीकृत कराया है।

उन्होंने कहा कि किसान तुहंर टोकन ऐप की मदद से घर बैठे

24म7 टोकन कटाने की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें बार-बार समिति आने की जरूरत नहीं पड़ती। यह उनका दूसरा टोकन है, जिसके तहत उन्होंने 52.40 क्विंटल धान बेचा है।

उपार्जन केंद्र पहुंचने पर किसानों को गेट पास, धान की नमी की त्वरित जांच, तथा बारदाने की तुरंत उपलब्धता मिल रही है, जिसके कारण धान विक्रय की प्रक्रिया तेजी से पूरी हो रही है और किसी प्रकार की देरी या कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ रहा।

राजवाड़े ने केंद्र की बेहतर सुविधाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि किसानों के लिए पेयजल, छाया में बैठने की व्यवस्था, तथा समिति कर्मचारियों का सक्रिय सहयोग उपलब्ध कराया गया है, जिससे पूरी प्रक्रिया सहज और किसान हितैषी बन गई है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रीश्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को प्रति क्विंटल 3,100 रुपये का सर्वाधिक समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की स्वीकृति मिल रही है, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ी है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है।

अंत में राजवाड़े ने कहा कि वर्तमान धान खरीदी व्यवस्था अत्यंत पारदर्शी, लाभकारी और किसान हितों को केन्द्र में रखकर संचालित की जा रही है। किसान इस बदलाव से बेहद संतुष्ट हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से जरूरतमंद परिवारों का पक्का घर का सपना साकार

रायपुर ।प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण छत्तीसगढ़ के हजारों जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है। राज्य में तेजी से अमल में लाई जा रही इस महत्वाकांक्षी योजना ने उन परिवारों के जीवन को बदलना शुरू कर दिया है, जो अब तक कच्चे मकानों में रहते हुए मौसम की मार और असुरक्षा का सामना कर रहे थे।

सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत अजिरमा की श्रीमती कुमुदनी भी इसी योजना से लाभान्वित हुई हैं। उनका नया पक्का घर बनकर तैयार हो गया है, जिसने उनके परिवार को राहत की सांस दी है। इससे पहले वे कच्चे मकान में रहती थीं जहां गर्मी, सर्दी और बारिश के दौरान कई तरह की कठिनाइयाँ झेलनी पड़ती थीं।

कुमुदनी ने बताया कि आर्थिक कमजोरी के कारण पक्का घर

बनाना संभव नहीं था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत प्राप्त प्रोत्साहन राशि ने उनके सपने को साकार कर दिया। शासन से मिली सहायता और अपनी बचत जोड़कर उन्होंने अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित, मजबूत और सम्मानजनक आवास तैयार किया।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह योजना वास्तव में गरीब परिवारों के जीवन में परिवर्तन ला रही है। पक्का मकान मिलने से अब उनका परिवार हर मौसम में सुरक्षित है और सामाजिक सम्मान भी बढ़ा है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आवासहीन परिवारों, कच्ची झोपड़ियों में रहने वाले ग्रामीणों तथा प्राथमिकता श्रेणी के लाभार्थियों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के विभिन्न जिलों में हजारों परिवार पक्के घरों में रहने का अवसर पा रहे हैं, जिससे ग्रामीण जीवन, आत्मविश्वास और जीवन-स्तर में व्यापक बदलाव महसूस हो रहा है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर में 15.50 करोड़ के कार्यों का किया शुभारंभ

रायपुर । महिला एवं बाल विकास मंत्री और भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े सूरजपुर जिले में 15.50 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे तीन महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों के कार्यप्रारंभ पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इन कार्यों के शुभारंभ से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुदृढ़ होगी और विकास को नई गति मिलेगी। मंत्री राजवाड़े अपने गृह ग्राम बीरपुर से कसलगिरी सड़क निर्माण कार्य के कार्यप्रारंभ पूजन में ग्राम कसलगिरी, पंचायत भवन के पास सम्मिलित हुईं। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम केंवटाली से सुन्दरपुर सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ अवसर पर ग्राम केंवटाली चौक में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं ग्राम गंगौटी से शिवपुर

सड़क निर्माण कार्य के कार्यप्रारंभ पूजन कार्यक्रम में ग्राम शिवपुर, यादव पारा में भी मंत्री राजवाड़े सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सुदृढ़ सड़कें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। इन मार्गों के निर्माण से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी, किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को लाभ होगा तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार तक पहुंच आसान होगी।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब और वंचित वर्ग के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। अधोसंरचना विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्यों के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार के प्रति आभार प्रकट किया।

राहुल गांधी के राम मंदिर जाने पर प्रवीण खंडेलवाल बोले, इतिहास कांग्रेस को माफ नहीं करेगा

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के राम मंदिर जाने की अटकलों पर भाजपा सांसद सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भगवान राम के वजूद पर सवाल खड़ा किया था। इतिहास कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगा।

नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि राम मंदिर बनकर तैयार हो चुका है और काफी समय बीत गया है। इतिहास कभी नहीं भूलेगा कि कोर्ट में कांग्रेस पार्टी और उसके वकील राम मंदिर के विरोध में खड़े थे और भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे थे। अब अगर राहुल गांधी वोटों के लिए राम मंदिर जा रहे हैं तो इस देश के लोग उतने मूर्ख नहीं हैं जितना वे सोचते हैं। यह पूरी तरह वोट की राजनीति है। हमने देखा है कि राहुल गांधी कैसा व्यवहार करते हैं।बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या पर प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि बांग्लादेश में हालात वाकई चिंताजनक हैं और भारत सरकार सभी घटनाओं से पूरी तरह वाकिफ है। सरकार जहां जरूरत है, वहां सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि मणिशंकर अय्यर को सच में समझ नहीं आ रहा कि वे क्या कह रहे हैं। मुझे लगता है कि अब उनके व्यवहार में उम्र का असर साफ दिख रहा है। भगवान राम भारत के अंदर नहीं पूजे जाएंगे तो कहां पूजे जाएंगे? वे हमारे आराध्य देव हैं। इस नाते हर भारतीय भगवान राम का अनुयायी है। मणिशंकर अय्यर को यह भूलना नहीं चाहिए।

असम के सीएम के बयान पर प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि जो कुछ उन्होंने कहा, वह ठीक है। राहुल गांधी का मकसद 'मेड इन गांधी परिवार' हैं। गांधी परिवार का वर्चस्व कैसे बना रहे, इसका कांग्रेस के संगठन से कुछ लेना-देना नहीं है। सही अर्थों में हिमंत बिस्वा सरमा ने एक ही बात कही कि राहुल गांधी हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं।

2025 में इलेक्ट्रिक वाहनों को मिली नई रफ्तार, सरकार की पीएम ई-ड्राइव और पीएलआई जैसी योजनाओं से बढ़ा ईवी मार्केट

नई दिल्ली । साल 2025 में भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने की दिशा में बड़ा काम किया। ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए चलाई जा रही प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत रिकॉर्ड निवेश और पीएम ई-ड्राइव पहल की सफलता से भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति को नई गति मिली है।

मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 के दौरान पीएलआई-ऑटो योजना के तहत करीब 1,999.94 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि कंपनियों को दी गई। 31 दिसंबर 2025 तक इस योजना के तहत 13.61 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई, जिनमें 10.42 लाख से ज्यादा दोपहिया वाहन, 2.38 लाख से अधिक तिपहिया वाहन, 79,540 इलेक्ट्रिक कारें और 1,391 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना को 29 सितंबर 2024 को शुरू किया गया था, जिसके लिए सरकार ने 10,900 करोड़ रुपए का बजट तय किया था। इस योजना का मकसद देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से बढ़ावा देना, चार्जिंग स्टेशन बनाना और इलेक्ट्रिक वाहन बनाने का मजबूत ढांचा तैयार करना है।

इस योजना के तहत 3,679 करोड़ रुपए की राशि सब्सिडी के लिए रखी गई है, ताकि 28 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे जा सकें। इसमें 24.79 लाख दोपहिया, 3.28 लाख तिपहिया और 5,643 इलेक्ट्रिक ट्रक शामिल हैं।

इसके अलावा 4,391 करोड़ रुपए की राशि से 14,028 इलेक्ट्रिक बसें सार्वजनिक परिवहन के लिए खरीदी जाएंगी, ताकि शहरों में प्रदूषण कम हो सके।

31 दिसंबर 2025 तक इस योजना के तहत 1,703.32 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है और 21.36 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन बेचे जा चुके हैं।

सरकारी कंपनी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) ने 10,900 इलेक्ट्रिक बसों की निविदा पूरी की है। ये बसें दिल्ली, अहमदाबाद, सूरत, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे पांच बड़े शहरों में पहले चरण में चलाई जाएंगी। सरकार इलेक्ट्रिक कार निर्माण को बढ़ावा देने की योजना भी लागू कर रही है, जिसे 15 मार्च 2024 को अधिसूचित किया गया था, जिसका उद्देश्य विदेशी निवेश लाना, भारत को इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण केंद्र बनाना और देश में अधिक रोजगार पैदा करना है।

इस योजना में शामिल कंपनियों को 3 साल में कम से कम 4,150 करोड़ रुपए (500 मिलियन डॉलर) का निवेश करना होगा। यह पहल 'मेक इन इंडिया' अभियान से जुड़ी है, जिससे वाहन देश में ही बनेंगे और लोगों को रोजगार मिलेगा।

कंपनी के माल की चोरी और गबन के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

नोएडा । नोएडा के थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कंपनी का माल चोरी व गबन करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे और उसकी निशानदेही पर लगभग 15 लाख रुपए मूल्य के धागे और थ्रेड कटर बरामद किए हैं। यह कार्रवाई मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से अंजाम दी गई।

पुलिस के अनुसार, थाना सेक्टर-63 पुलिस टीम ने सोमवार को पीड़ित की कंपनी का माल चोरी और गबन करने वाले अभियुक्त धीरज सक्सेना पुत्र राकेश सक्सेना को पुस्ता मोड़, न्यू उस्मानपुर के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के पास से और उसकी निशानदेही पर चोरी व गबन किया गया भारी मात्रा में माल बरामद हुआ। बरामद सामान में 16 बोरे विभिन्न आर्टिकल नंबर के धागे, 116 पेटियां विभिन्न आर्टिकल नंबर के धागे, 3236 बॉक्स विभिन्न आर्टिकल नंबर के धागे, तीन पारदर्शी पन्नी पैकेट रंगीन धागे तथा छह पेटियां थ्रेड कटर शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद किए गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त धीरज सक्सेना पीड़ित की कंपनी में फील्ड यूनिट के पद पर कार्यरत था। उसका कार्य ऑर्डर प्राप्त होने पर फैक्ट्री से माल उठाकर निर्धारित स्थान पर स प्लाई करना था।अभियुक्त 4 जनवरी को फैक्ट्री से कंपनी का माल लेकर गया, लेकिन उसने माल को गंतव्य तक नहीं पहुंचाया और करीब 300 पेटी सामान का गबन कर लिया। जब कंपनी को माल नहीं मिलने की जानकारी हुई तो मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया और अभियुक्त वांछित चल रहा था। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि कंपनी के मालिक का विश्वास जीतने के बाद उसने लालच में आकर यह अपराध किया। अभियुक्त ने यह भी बताया कि चोरी व गबन किया गया कुछ सामान उसने एक कबाड़ी को बेच दिया था। पुलिस अब उस कबाड़ी की तलाश में जुटी हुई है और जल्द ही उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मामले में थाना सेक्टर-63 पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और बरामदगी के आधार पर अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एआई का फायदा उठाएं छोटे कारोबारी, उत्पादकता बढ़ाने में मिलेगी मदद: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि छोटे कारोबारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का फायदा उठाना चाहिए और उत्पादकता बढ़ाने के लिए दैनिक कार्य में एआई का इस्तेमाल करना चाहिए।

साथ ही केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मौजूदा दौर में खासकर युवाओं को एआई की बेसिक समझ होनी चाहिए और पता होना चाहिए यह कैसे काम करता है, कहां इसका इस्तेमाल हो सकता है और पूरी जिम्मेदारी के साथ इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

आईटी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हुए कहा, 'इसी मकसद से नेशनल एआई लिटरेसी प्रोग्राम लॉन्च किया गया है और उम्मीद है कि यह प्रोग्राम अगले एक साल में 10 लाख स्टूडेंट्स को जोड़ेगा।'

सरकार ने नए लॉन्च किए गए नेशनल एआई लिटरेसी प्रोग्राम और इसके फ्लैगशिप 'युवा एआई फॉर ऑल' कोर्स पर जोर देकर युवा सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत किया है, जो स्वामी विवेकानंद के युवाओं को आगे बढ़ाने के विजन को एआई-संचालित भविष्य के लिए जरूरी टूल्स से जोड़ता है।

इस इवेंट में, 'युवा एआई फॉर ऑल' फाउंडेशन कोर्स पर जोर दिया गया, ताकि एआई साक्षरता को एक जरूरी लाइफ स्किल बनाया जा सके, जो नेशनल यूथ डे के युवा शक्ति पर फोकस के साथ मेल खाता है।

यह कोर्स चार घंटे से थोड़ा अधिक समय का है, युवा एआई फॉर ऑल को एआई सीखने के लिए एक आसान एंट्री पॉइंट के तौर पर डिजाइन किया गया है, जिसके लिए किसी पिछले टेक्निकल बैकग्राउंड की जरूरत नहीं है।

यह 'युवा एआई फॉर ऑल' कोर्स 11 भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु) में उपलब्ध होगा। यह कोर्स बिल्कुल मुफ्त है और फ्यूचरस्किल्स प्राइम, आईजीओटीकर्मयोगी, दीक्षा और दूसरे पॉपुलर एड-टेक पोर्टल्स जैसे लीडिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

कोर्स पूरा होने पर, हर सीखने वाले को भारत सरकार की तरफ से एक ऑफिशियल सर्टिफिकेट मिलेगा। आईटी मंत्रालय ने कहा, 'युवा एआई फॉर ऑल,नेशनल एआई लिटरेसी प्रोग्राम एआई तक पहुंच को आसान बनाने और भारत के नागरिकों, खासकर युवाओं को एआई-आधारित भविष्य के अवसरों और जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीमा पर गोलीबारी के बाद बांग्लादेश ने म्यांमार के राजदूत को किया तलब

ढाका,। बांग्लादेश ने म्यांमार की ओर से सीमा पार की गई गोलीबारी की घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए म्यांमार के राजदूत यू क्यॉ सो मोए को तलब किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार दोपहर राजदूत को बुलाकर इस घटना पर गहरी चिंता जताई और विरोध दर्ज कराया।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बताया कि हाल ही में म्यांमार की सीमा से बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले के टेकनाफ स्थित व्हाइकोंग यूनियन की ओर गोलीबारी की गई। इस सीमा पार फायरिंग में एक 12 वर्षीय बांग्लादेशी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और स्थानीय लोगों में रोष है। बैठक के दौरान बांग्लादेश ने साफ शब्दों में कहा कि बिना किसी उकसावे के गोलीबारी करना अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। इसके साथ ही यह दोनों देशों के संबंधों के लिए भी गंभीर बाधा है। बांग्लादेश ने म्यांमार से इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेने और भविष्य में इस तरह की सीमा पार फायरिंग को पूरी तरह रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

बांग्लादेश ने यह भी स्पष्ट किया कि म्यांमार के अंदर म्यांमार प्रशासन और वहां सक्रिय सशस्त्र समूहों के बीच जो भी स्थिति हो, उसका असर किसी भी हालत में बांग्लादेश के आम नागरिकों की जान और आजीविका पर नहीं पड़ना चाहिए। सीमा के दोनों ओर रहने वाले निर्दोष लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसे किसी भी कीमत पर खतरे में नहीं डाला जा सकता।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए म्यांमार के राजदूत यू क्यॉ सो मोए ने बांग्लादेश को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

होबार्ट इंटरनेशनल: वीनस विलियम्स के खिलाफ तात्याना मारिया की 6-4, 6-3 से जीत

होबार्ट । होबार्ट इंटरनेशनल के पहले राउंड में मंगलवार को जर्मनी की तात्याना मारिया ने वीनस विलियम्स के खिलाफ 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की।

दोनों खिलाड़ियों के बीच पहली बार हुई इस भिड़ंत में प्रतिस्पर्धियों की संयुक्त आयु सबसे अधिक रही। मारिया 38 वर्ष की उम्र में मुकाबले खेलने उतरीं, जबकि विलियम्स 45 वर्ष की थीं, जो 1973 में डब्ल्यूटीए टूर की स्थापना के बाद से किसी भी मुकाबले से लगभग तीन वर्ष अधिक है।

18 जनवरी से मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन की शुरुआत होने जा रही है। वीनस इसके लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल कर चुकी हैं, जो साल का पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा। ऐसे में वीनस ग्रैंड स्लैम की तैयारी के हिस्से के तौर पर होबार्ट इंटरनेशनल में खेलने उतरीं, लेकिन पहले राउंड में हारने के बाद खाली हाथ लौटीं।

यह लगातार दूसरा टूर्नामेंट था जिसमें अमेरिकी खिलाड़ी पहले ही राउंड में बाहर हो गईं, इससे पहले पिछले हफ्ते ऑकलैंड क्लासिक में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 45 वर्षीय वीनस विलियम्स 5 साल बाद मेलबर्न पार्क में लौटने जा रही हैं, जिसके साथ वह रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज कराएंगी। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलने वाली अब तक की सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने जा रही हैं। पिछला रिकॉर्ड जापान की किमिको डेट के नाम था, जो साल 2015 में टूर्नामेंट में खेलते समय 44 साल की थीं।

विलियम्स ने अपने करियर में 7 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब जीते हैं। वह पांच विंबलडन और दो यूएस ओपन की विजेता रही हैं। उन्होंने 2002 में 11 हफ्तों तक सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग भी हासिल की, ऐसा करने वाली वह ओपन एरा में पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला बनीं।

डबल्स में वीनस और सेरेना ने 14 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। ओलंपिक इतिहास की सर्वाधिक खिताब जीतने वाली टेनिस खिलाड़ी, वीनस ने पांच ओलंपिक गेम्स में चार गोल्ड मेडल और एक सिल्वर मेडल जीता है, जिसमें सिडनी 2000 खेलों में सिंगल्स और डबल्स गोल्ड शामिल है। चोटों के कारण करियर में रुकावटों के बावजूद, वह अभी भी जीत के लिए संघर्ष कर रही हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अंधाधुंध गोलीबारी, चार की मौत

पेशावर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हिंसक घटनाओं पर विराम नहीं लग रहा है। सोमवार को पुलिस वाहन को आईईडी से उड़ाने की घटना के महज 24 घंटे के भीतर मंगलवार को बन्नू में अंधाधुंध गोलीबारी हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के मुताबिक मारे गए लोग जिरगा सदस्य थे।

पाकिस्तान के मीडिया हाउस जिओ न्यूज रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीड़ित गुलबदीन लुंडई इलाके में एक जिरगा (पश्तून समुदायों में एक पारंपरिक सभा या परिषद, जो विवादों का निपटारा करती है) से लौट रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। घटना के बाद, पुलिस ने शवों को जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि हमलावरों को पकड़ने और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया है। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा में धमाकों और गोलीबारी की नई लहर के बीच हुई है। एक दिन पहले, प्रांत के टैंक जिले में गोमल बाजार रोड पर एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) ब्लास्ट में पुलिस की बख्तरबंद वाहन के परखच्चे उड़ गए थे। इस हमले में सात पुलिसकर्मी मारे गए थे।

मारे गए पुलिसकर्मियों की पहचान गोमल बाजार पुलिस स्टेशन के एचएचओ इशाक अहमद खान, एडिशनल एसएचओ शेर असलम, ड्राइवर अब्दुल मजीद, और एलीट फोर्स के जवान अरशद अली, शौकत अली, हजरत अली और एहसानुल्लाह के रूप में हुई। मारे गए राहगीर की पहचान नहीं हो पाई थी। जिरगा सदस्यों के खिलाफ हिंसा की ऐसी ही एक घटना में पिछले साल हुई थी। 21 नवंबर को बन्नू के होवेड इलाके में अज्ञात हमलावरों ने सात लोगों को गोली मार दी थी। यह घटना पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में बढ़ती हिंसा की कड़ी है, जहां कई चरमपंथी समूह सक्रिय हैं।

पुलिसवालों पर यह नवीनतम हमला खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत और बन्नू जिलों में अनजान हमलावरों की फायरिंग की दो अलग-अलग घटनाओं में चार पुलिसवालों के मारे जाने के एक हफ्ते बाद हुआ है। लक्की मरवत में, सराय नौरंग शहर में अनजान मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने ट्रैफिक पुलिसवालों पर फायरिंग की थी, जिसमें तीन अधिकारी मारे गए थे।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने 6 जनवरी को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 2025 में देश भर में 75,175 आईबीओ (खुफिया आधारित अभियान) किए थे।

इसका ब्यौरा देते हुए उन्होंने कहा कि केपी में 14,658 आईबीओ, बलूचिस्तान में 58,778, जबकि देश के बाकी हिस्सों में 1,739 ऑपरेशन चलाए गए थे।

लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कहा था कि पिछले साल देश भर में ऐसी 5,397 घटनाएं रिपोर्ट की गईं। इनमें से 3,811 घटनाएं केपी में, 1,557 बलूचिस्तान में, और देश के दूसरे हिस्सों में 29 घटनाएं रिपोर्ट की गईं।

उन्होंने इन सभी हमलों को आतंकवादियों की कारस्तानी बताते हुए दावा किया था कि इसके पीछे अफगान आतंकियों का हाथ रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण : कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर

मथुरा । कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

उन्होंने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह दुख की बात है कि बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। दुर्भाग्य की बात है कि जब हम हिंदुओं को बचाने की बात उठाते हैं तो कुछ लोग हमें नफरत का चंदन कहने से गुरेज नहीं करते। अगर ऐसे लोग हमें नफरत का चंदन कह रहे हैं, तो फिर बांग्लादेश में मौजूदा समय में जिस तरह से हमारे हिंदू भाइयों-बहनों को कुछ उन्मादी प्रवृत्ति के लोग मौत के घाट उतार रहे हैं, उसे आप क्या कहेंगे?

कथावाचक ने कहा कि जब हमें पता लगता है कि हमारे भाइयों और बहनों पर अत्याचार हो रहा है, तो ये सुनकर हमें डर लगता है। ये लोग हमसे क्या उम्मीद करते हैं कि हम चुप रहें और अपने मुंह पर टेप लगा लें? देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि अगर मैं यह कह रहा हूं कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला हो रहा है, तो भारत को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। इसके अलावा, सैन्य कार्रवाई करके हिंदुओं पर हो रहे हमले को रोकने की दिशा में कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के संबंध में आवाज उठाने पर जिसको जो कहना है, कह सकता है। मुझे इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं बांग्लादेश में अपने हिंदू भाइयों पर हो रहे हमले को लेकर आवाज उठाता रहा हूं और आगे भी उठाता रहूंगा।

भारत को बाल देखभाल में अधिक निवेश क्यों करना चाहिए

बाल देखभाल उद्योग में सृजित होने वाली नौकरियों के कारण आर्थिक लाभ भी उत्पन्न होते हैं। बाल देखभाल में निवेश से अल्पकालिक और दीर्घकालिक आर्थिक लाभ हासिल करने का एक स्पष्ट मार्ग खुलता है, साथ ही महिलाओं और बच्चों को अपनी पूरी क्षमता साकार करने में मदद मिलती है। यदि पूर्व-प्राथमिक आयु वर्ग के हर छोटे बच्चे को बाल देखभाल की सुविधा उपलब्ध हो, तो 2023 से 2030 के बीच लाखों माताएँ सवेतन कामकाज में शामिल हो सकती हैं। अकेले भारत में इसका अर्थ 62 लाख माताओं का कार्यबल में शामिल होना हो सकता है।

न्यूयॉर्क में मेयर चुनाव जीतने के दौरान ज़ोहरान मामदानी के प्रमुख चुनावी वादों में से एक था—शहर के सभी बच्चों के लिए राज्य-प्रायोजित बाल देखभाल की गारंटी। यह एक साहसिक वादा था, खासकर ऐसे देश में जहाँ कल्याणकारी योजनाओं पर राज्य खर्च को लेकर संदेह रहता है, और डोनाल्ड ट्रंप के दौर तथा अमेरिका में उभरती नई और अधिक उग्र दक्षिणपंथी दिशा के समय में तो और भी। मामदानी की निर्णायक जीत इस बात का संकेत देती है कि सभी के लिए काम करने वाले और समग्र विकास को बढ़ावा देने वाले साहसिक विचारों के साथ एजेंडा बदला जा सकता है और मतदाताओं की कल्पना को—यहाँ तक कि अमेरिकी मतदाताओं की भी—आकर्षित किया जा सकता है।

भारत के संदर्भ में तत्काल प्रश्न यह है कि बच्चों पर केंद्रित जमीनी विकास का एजेंडा कैसे और क्यों चर्चा का प्रमुख विषय बन सकता है और विभिन्न राजनीतिक दलों के एजेंडों में ऊँचा स्थान पा सकता है, जबकि भारत में बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सहायक वातावरण के संदर्भ में बड़ी चुनौतियाँ मौजूद हैं।

ग्रामीण बच्चों के लिए बाल देखभाल

हर जगह बच्चों को एक सुरक्षित, सहायक और पोषक वातावरण की आवश्यकता होती है। आधुनिक दुनिया और उसकी अर्थव्यवस्था ने सामाजिक-आर्थिक वर्गों के पार परिवारों की बच्चों की देखभाल करने की क्षमता को सीमित कर दिया है। छोटे परिवार, माता-पिता दोनों का घर से बाहर काम करना, लंबे कार्य घंटे और रोजगार के लिए पलायन—इन सभी कारणों से छोटे बच्चों की देखभाल की पारिवारिक क्षमता घटती गई है। हालाँकि संपन्न परिवार निजी बाल देखभाल (घर पर या संस्थानों में) वहन कर सकते हैं, लेकिन गरीब परिवारों के बच्चे अक्सर बाल देखभाल के बिना ही बड़े होते हैं, जिससे उनके विकास, वृद्धि और भावनात्मक क्षमता पर गंभीर असर पड़ता है। कई बार किसी देखभालकर्ता के अभाव में उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य भी खतरे में पड़ जाते हैं।

ग्रामीण भारत के अनेक हिस्सों में—खासकर राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में हमारे कार्य अनुभव के आधार पर—पुरुष रोज़गार के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं, जबकि महिलाएँ और बच्चे अक्सर पीछे रह जाते हैं। महिलाएँ ईंधन लकड़ी जुटाने, पानी लाने, खेतों में काम करने और बुज़ुर्गों की देखभाल में लगी रहती हैं, जिससे उनके पास स्वयं या अपने बच्चों की देखभाल के लिए समय नहीं बचता। छोटे बच्चे अक्सर अपने हाल पर छोड़ दिए जाते हैं या उनकी देखभाल कोई बड़ा भाई-बहन करता है, जो स्वयं भी अक्सर बच्चा ही होता है। कभी-कभी दादा-दादी को जिम्मेदारी दी जाती है, लेकिन अपनी शारीरिक सीमाओं के कारण वे भी अक्सर असमर्थ होते हैं। परिणामस्वरूप बच्चे कुओं में गिर जाते हैं, पशुओं द्वारा कुचल दिए जाते हैं, या अकेले और अपर्याप्त उत्तेजना के साथ रह जाते हैं। कई बस्तियों में, जहाँ हम डे-केयर केंद्र चलाते हैं, हम पाते हैं कि इन केंद्रों में आने वाले अधिकांश बच्चे अच्छी तरह बढ़ते हैं और स्कूल में भी अक्सर बेहतर प्रदर्शन करते हैं, उन बच्चों की तुलना में जो अपने हाल पर छोड़ दिए जाते हैं। माताएँ भी बताती हैं कि कामकाज के लिए बाहर जाते समय उन्हें बच्चों की भलाई को लेकर बहुत कम चिंता रहती है और, महत्वपूर्ण रूप से, उन्हें स्वयं को आराम देने का भी कुछ समय मिल पाता है। इसी तरह, शहरी अहमदाबाद में कई प्रवासी परिवार निर्माण स्थलों पर काम करते हैं, जहाँ बच्चे अक्सर इधर-उधर भटकते रहते हैं और चोट, उपेक्षा तथा कुपोषण के उच्च जोखिम में रहते हैं। इन स्थलों पर एनजीओ और नियोक्ताओं द्वारा संचालित डे-केयर केंद्र बच्चों को सुरक्षा, शिक्षा और पोषण प्रदान करते हैं। इन परिस्थितियों में बाल देखभाल कोई अधिकार नहीं है; यह सीमित रूप में उपलब्ध है और राज्य समर्थन के बिना संचालित होती है। न्यूनतम निवेश से मिलने वाले बड़े लाभों और इस तथ्य को देखते हुए कि प्रारंभिक वर्ष बच्चों के विकास के लिए आधारभूत होते हैं और जीवनभर के परिणामों को निर्णायक रूप से आकार देते हैं, इस मॉडल का अधिक क्षेत्रों और राज्यों में विस्तार आवश्यक है। अनेक अध्ययन इसका समर्थन करते हैं। जर्नल ऑफ ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 0-3 वर्ष के बच्चों के लिए केंद्र-आधारित बाल देखभाल बच्चों की वृद्धि, पोषण और विकास के सकारात्मक परिणामों से जुड़ी है। द लैंसेट की 2011 की समीक्षा बताती है कि केंद्र-आधारित प्रारंभिक शिक्षण कार्यक्रम बच्चों के संज्ञानात्मक विकास, स्कूल-तैयारी और आगे चलकर बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन में सहायक होते हैं।

ये लाभ हाशिए पर रहने वाले बच्चों के लिए और भी अधिक गहरे होते हैं। वैश्विक साक्ष्य दर्शाते हैं कि प्रारंभिक अवस्था में संज्ञानात्मक क्षमता और सामाजिक-भावनात्मक कौशल का निर्माण आगे चलकर बेहतर शिक्षा, रोजगार और आय (वयस्कता में) में बदलता है, जिससे पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाला गरीबी का चक्र टूटता है। जमैका का एक महत्वपूर्ण अध्ययन (गर्टलर, पॉल आदि, स्ष्ढ्ढद्गठ्ठष्द्ग, 2014) इसे प्रमाणित करता है—जिन बच्चों को पोषण और प्रारंभिक उत्तेजना का समर्थन मिला, उनकी आय 20 वर्ष बाद उन बच्चों की तुलना में 25% अधिक थी जिन्हें यह समर्थन नहीं मिला।

इसके अलावा, यह दिखाने के लिए ठोस साक्ष्य मौजूद हैं कि बाल देखभाल की उपलब्धता कम और मध्यम आय वाले देशों में भी अधिक माताओं को काम करने में सक्षम बना सकती है। जैसे-जैसे अधिक माताएँ कार्यबल में शामिल होती हैं, कुल रोजगार दर बढ़ती है। इकोनॉमिस्ट इम्पैक्ट की चाइल्डकेयर डिविडेंड इनिशिएटिव ('ब्रिजिंग द एक्सेस गैप: क्वांटिफाइंग द इकोनॉमिक रिटर्न्स ऑफ पब्लिक इन्वेस्टमेंट इन चाइल्डकेयर') के अनुसार, गुणक प्रभाव के माध्यम से बाल देखभाल सेवाओं तक पहुँच राष्ट्रीय जीडीपी में प्रति वर्ष 1% तक की वृद्धि कर सकती है। कम मातृ कार्यबल भागीदारी, विशेषकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, महत्वपूर्ण लागतें पैदा करती है। ये लागतें महिलाओं के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय दोनों होती हैं। इससे न केवल करियर वृद्धि धीमी पड़ती है और आय घटती है, बल्कि उनकी स्वतंत्रता और स्वायत्तता भी कम होती है। मातृ श्रम भागीदारी दर कम होने से घरेलू आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक वृद्धि भी प्रभावित होती है। इकोनॉमिस्ट की रिपोर्ट यह भी दिखाती है कि अपर्याप्त बाल देखभाल कितनी महँगी पड़ सकती है: नाइजीरिया में, जहाँ लगभग हर पाँच में से एक व्यक्ति स्कूल-पूर्व आयु का है और अधिकांश छोटे बच्चों की देखभाल घर पर होती है, महिलाओं की सीमित कार्य क्षमता के कारण 2022 में देश की जीडीपी का अनुमानित 1.09% आय हानि के रूप में चला गया। बाल देखभाल उद्योग में सृजित नौकरियों के कारण भी आर्थिक लाभ होते हैं। बाल देखभाल में निवेश से अल्पकालिक और दीर्घकालिक आर्थिक लाभों का मार्ग खुलता है, साथ ही महिलाओं और बच्चों को अपनी पूरी क्षमता साकार करने में मदद मिलती है। यदि पूर्व-प्राथमिक आयु वर्ग के हर बच्चे को बाल देखभाल उपलब्ध हो, तो 2023 से 2030 के बीच लाखों माताएँ सवेतन कार्य में शामिल हो सकती हैं। अकेले भारत में इसका अर्थ 62 लाख माताओं का कार्यबल में प्रवेश हो सकता है। समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) की पालना योजना के तहत परिकल्पित राज्य-प्रायोजित डे-केयर केंद्रों में अपार संभावनाएँ हैं, लेकिन वर्तमान में इनका पैमाना महत्वाकांक्षी नहीं है और बजटीय आवंटन भी सीमित है। मज़बूत परिवारों के लिए मज़बूत सहायक संरचनाएँ आवश्यक हैं—समाज और राज्य की यह जिम्मेदारी है कि वे गरिमा के साथ ये संरचनाएँ उपलब्ध कराएँ। बच्चों को हर जगह अच्छी बाल देखभाल चाहिए—चाहे वह अमेरिका के न्यूयॉर्क में हों या राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र के नयाघर जैसे किसी छोटे गाँव में। ऐसी देखभाल उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है।

(डॉ. पवित्रा मोहन राजस्थान स्थित गैर-लाभकारी संस्था 'बेसिक हेल्थकेयर सर्विसेज़' के सह-संस्थापक हैं, जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चलाती है। अश्मिता गुलेच्छा 'बेसिक हेल्थकेयर सर्विसेज़' में रिसर्च एंड पॉलिसी एक्ज़ीक्यूटिव हैं। व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं। 'द बिलियन प्रेस' के विशेष सहयोग से प्रकाशित।)

डॉलर साम्राज्यवादः नरेन्द्र नाथ की चेतावनी, नरेन्द्र मोदी की चिंता

ओंकारेश्वर पांडेय

विवेकानंद की दृष्टि केवल आध्यात्मिक नहीं थी, बल्कि आर्थिक राजनीतिक भी थी। उन्होंने लिखा कि चीन तेजी से श्रमिक वर्ग की ओर बढ़ रहा है और भविष्य में समाजवाद व सामाजिक क्रांतियाँ सत्ता का केंद्र बदल देंगी। उनका विश्वास था कि आने वाले समय में सत्ता का केंद्र पूँजी से श्रम की ओर और पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित होगा।

सवा सदी पहले स्वामी विवेकानंद (नरेन्द्रनाथ दत्त) ने जिस आर्थिक प्रभुत्व की आहट महसूस की थी, वही आज 2026 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूरी दुनिया के सामने वास्तविकता बनकर खड़ा है। विवेकानंद ने स्पष्ट कहा था कि पश्चिमी ताक़तें केवल संस्कृति या व्यापार से नहीं, बल्कि अपनी मुद्रा—डॉलर—के ज़रिए दुनिया को जकड़ेंगी। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की थी कि इस प्रभुत्व को चुनौती पूरब से ही उठेगी। आज वही परिदृश्य सामने है: भारत एक कठिन मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसे तीन विकल्पों में से चुनना है—अमेरिकी डॉलर के तंत्र का हिस्सा बने रहना, चीन प्रेरित ब्रिक्स की नई मुद्रा को बल देना, या फिर अपने रुपये की गिरती साख को बचाना।

विवेकानंद की दूरदृष्टि

12 जनवरी 1863 को कलकत्ता के एक कुलीन कायस्थ परिवार में जन्मे नरेन्द्रनाथ ने 1893 में हांगकांग और चीन के व्यस्त बंदरगाह कैंटन (ग्वांगझू) की यात्रा की थी। विवेकानंद ने चीन को उस समय एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा था जो 'फीनिक्स पक्षी की तरह राख से उठ खड़ा होगा' और पश्चिमी साम्राज्यवादी ताक़तों के बीच शक्ति का संतुलन पैदा करेगा।

जब वे अमेरिका पहुँचे और वहाँ की अर्थव्यवस्था का सूक्ष्म अवलोकन किया, तो उन्हें अहसास हुआ कि डॉलर केवल व्यापार का साधन नहीं, बल्कि प्रभुत्व का औज़ार है। उनके पत्रों में यह पीड़ा साफ़ झलकती है कि अमेरिका ने उन्हें 'डॉलर साम्राज्यवाद' के जरिए छला। आध्यात्मिक आदान प्रदान के वादे के पीछे आर्थिक वर्चस्व का खेल छिपा था।

इसे भी पढ़ें: स्वामी विवेकानंद के विचार और भारत की युवा ऊर्जा

आर्थिक दृष्टि और भविष्यवाणी

विवेकानंद की दृष्टि केवल आध्यात्मिक नहीं थी, बल्कि आर्थिक राजनीतिक भी थी। उन्होंने लिखा कि चीन तेजी से श्रमिक वर्ग की ओर बढ़ रहा है और भविष्य में समाजवाद व सामाजिक क्रांतियाँ सत्ता का केंद्र बदल देंगी। उनका विश्वास था कि आने वाले समय में सत्ता का केंद्र पूँजी से श्रम की ओर और पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित होगा।

भारतीय रुपया और डॉलर का संघर्ष

नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक, भारत ने रुपये और डॉलर के बीच संतुलन साधने की कोशिश की। नेहरू ने योजनाबद्ध औद्योगीकरण से स्थिरता का प्रयास किया, शास्त्री के दौर में युद्ध और अकाल ने विनिमय दर पर दबाव डाला। 1966 में इंदिरा गांधी ने निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए रुपये का बड़ा अवमूल्यन किया। राजीव गांधी ने तकनीकी आधुनिकीकरण और उदारीकरण की खिड़की खोली। 1991 में नरसिंह राव और वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने ऐतिहासिक 'दो चरणीय अवमूल्यन' से संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को बचाया।

2026 की स्थिति

जनवरी 2026 में रुपया डॉलर के मुकाबले ?90 के स्तर पर है और वैश्विक रेटिंग एजेंसियाँ इसके ?94 तक गिरने की आशंका जता रही हैं। ऊर्जा आयात और इलेक्ट्रॉनिक्स पर निर्भरता आज भी भारी पड़ रही है। विपक्ष लगातार हमलावर है कि मोदी सरकार रुपये की साख बचाने में विफल रही है।

मोदी की चीन नीति भी विडंबना से भरी है। 2015 में निवेश की उम्मीदें, 2018 की 'वुहान स्पिरिट', 2019 का महाबलीपुरम संवाद—इन सबके बावजूद डोकलाम, लद्दाख और गलवान के संघर्षों ने रिश्तों में कड़वाहट भर दी। 2025 में तियानजिन शिखर सम्मेलन में मोदी की शी जिनपिंग और पुतिन से मुलाकात 'खट्टा मीठा' अनुभव रही।

जो गलती वामनेताओं ने की,वही ममता कर रही

सुनील दास

जो समझदार व दूरदर्शी नेता व राजनीतिक दल होते हैं, वह पिछली सरकार व सत्तारूढ़ राजनीतिक दल की गलितयों से सबक लेते हैं, जो समझदार व दूरदर्शी नेता नहीं होते हैं वह पिछली सरकार व सत्तारूढ़ दल की गललियों से कोई सबक नहीं लेते हैं और जाने अनजाने में वही गलतियां करते हैं जिसकी वजह से जनता ने पिछली सरकार व सत्तारूढ़ दल को सत्ता से हमेशा के लिए हटा दिया था। पं बंगाल मे वामदलों का शासन कई दशकों तक रहा है, इससे साफ है कि शुरू में उन्होंने कुछ तो अ्चछे काम किए या अच्छा काम करने के लिए जनता ने उनको आगे मौका भी दिया। लंबे समय तक सत्ता में रहने पर राजनीतिक दलों में एक अजीब से अहंकार आ जाता है कि हमारे जैसा कोई नहीं है, हम ही सबसे अच्छे हैं। हमारा कोई विकल्प नहीं है। बाद के सालों वामदलों मे भी यह अहंकार आ गया कि हमारा कोई विकल्प नहीं है, हम जो जी चाहे करेंगे और जनता हमको ही चुनने को विवश है।

वामदलों में तो सत्ता का अंहकार कुछ देर से आया इसलिए जनता ने उनको कुछ देर से हटाया है. जिन गलतियों के कारण पं.बंगाल की जनता ने वामदलों को हटाया था, वह सबसे प्रमुख कारण था सत्ता के अहंकार में कानून,लोकतंत्र व जनता किसी की परवाह न करना।अपने खिलाफ बोलने व कुछ करने वालों को डराना, न डरने पर मार देना। सबसे ज्यादा राजनीतिक हिंसा कोई राजनीतिक दल तब करता है जब वह खुद को कानून से ऊपर समझने लगता है। निरंतर सत्ता में रहने के कारण वामदलों के नेताओं ने खुद को कानून से ऊपर से समझना शुरू कर दिया, जब भी कोई राजनीतिक दल खुद को सत्ता के अहंकार में खुद को कानून से ऊपर समझने लगता है तो जनता उसे चुनाव में हराकर अच्छे से समझा देती है कि न तो तुम कानून से ऊपर न ही जनता से ज्यादा ताकतवर है। वामदलों से सत्ता से हटाकर फिर कभी सत्ता नहीं देकर पं. बंगाल की जनता से जो सबक राजनीतिक दलों को दिया था, वह सबक टीएमसी की नेता ममता बैनर्जी भूल गई है। कांग्रेस व वामदलों तो उनकी गलतियों की सजा पं. बंगाल की जनता ने दे दी है। दोनों को वहां की जनता अब सत्ता के लायक नहीं समझती है।जनता ने ममता बैनर्जी को मौका दिया तो यह सोचकर दिया था कि यह दोनों राजनीतिक दलों से अलग है, ममता बैनर्जी को कांग्रेस व वामदलो की तुलना में ज्यादा ईमानदार, जनता की ज्यादा सेवा करने वाली नेता मानकर जनता ने पहला मौका 2011 में दिया उसके बाद दो बार और मौका दिया। पंद्रह साल में ही ममता बैनर्जी को कांग्रेस व वामदलों से ज्यादा अहंकार आ गया है, यही वजह है कि आज वह काम भी वह करने से नहीं डर रहीं है जो कांग्रेस व वामदलों ने भी नहीं किया। ममता बैनर्जी तो जांच एजेंसी को जांच करने से रोक दी है। जांच एजेसी कही छापा मारती है तो वह किसी तो बताकर नही मारती है, ममता बैनर्जी व पुलिस का कहना है कि उसने बता कर छापा नहीं मारा। यह ईडी की गलती है, ईडी की दूसरी गलती यह है कि जो संस्था टीएमसी व ममता बैनर्जी का काम रही है, उसके यहां छापा क्यों मारा।पहचान पत्र नहीं दिखाए। बंगाल पुलिस ने इसी आधार पर ईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच भी शुरू कर दी है। ईडी के साथ पं. बंगाल में जैसा हो रहा है,शायद किसी राज्य हुआ हो। ईडी कई राज्यो में छापा मारती है, लेकिन किसी राज्य में सीएम या मंत्री छापे वाली जगह जाकर ईडी को जांच करने से कभी नहीं रोका.ईडी की मौजूदगी से जांच स्थल से कोई नेता मंत्री आज तक कोई दस्तावेज नही ले जा सका है। सब जानते है कि यह ईडी का संवैधानिक अधिकार है.। पं. बंगाल पहला ऐसा राज्य है जहां ईडी को जांच करने से रोका गया है और जांच स्थल से ईडी के सामने कई फाइलें लेकर सीएम ममता बैनर्जी व उनके पुलिस के अधिकारी ले गए।यह तो सीधे सीधे खुद का कानून से ऊपर समझना है। ईडी व केंद्र सरकार का यह संदेश देना है कि आप दूसरे राज्य में जांच कर सकते हैं लेकिन पं. बंगाल में हमारी मर्जी के बिना कोई जांच नहीं कर सकते।भ्रष्टाचार करना और उसकी जांच न होने देना.भ्रष्टाचार के सबूत जांच एजेंसी के हाथ से छीन लेना ऐसे काम हैं जिससे जनता में संदेश गया है कि ममता को सत्ता का अहंकार हो गया है, वामदलों से ज्यादा अहंकार हो गया है।

सत्तारूढ़ भाजपा के राजनीतिक रूप से मजबूत होने के बावजूद, भारतीय लोकतंत्र पर सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा-प्रणीत एनडीए सरकार के लिए पिछला वर्ष सत्ता के सुदृढ़ीकरण का वर्ष रहा है। 2024 के आम चुनावों में कम बहुमत मिलने के बावजूद, सरकार ने कई राज्य चुनावों में सत्ता में वापसी की और सहयोगी दलों के साथ एकजुटता बनाए रखी। भाजपा ने 2025 में दिल्ली और बिहार में जीत दर्ज की—दिल्ली में 27 वर्षों बाद सत्ता में लौटते हुए और बिहार में क्षेत्रीय दल जद(यू) के साथ गठबंधन कर संभावित सत्ता-विरोधी माहौल को पार करते हुए। बिहार सरकार में भाजपा को गृह मंत्रालय और विधानसभा अध्यक्ष सहित मंत्रिमंडल के अहम पद मिले।

पार्टी ने राज्यसभा में भी अपना दबदबा बनाए रखा, जब सितंबर में उसके उम्मीदवार सी. पी. राधाकृष्णन विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। इन जीतों ने भाजपा की राष्ट्रीय चुनावों में प्रभुत्वशाली स्थिति और राज्य स्तर पर उसकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को पुष्ट किया। साथ ही, यह भी स्पष्ट हुआ कि पिछले आम चुनावों के झटके के बावजूद मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर भाजपा की चुनावी और संस्थागत पकड़ बरकरार है।

पारदर्शिता को लेकर चिंताएँ

हालांकि, सत्ता के इस सुदृढ़ीकरण के साथ ही चुनावों के संचालन में पारदर्शिता की कमी को लेकर विपक्ष की चिंताएँ बढ़ी हैं। कांग्रेस पार्टी (आईएनसी) ने इस वर्ष अगस्त में कर्नाटक के बेंगलुरु सेंट्रल संसदीय क्षेत्र के महादेवपुरा विधानसभा खंड में मतदाता सूचियों में विसंगतियों को लेकर चेतावनी दी। विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि उन्हें डिजिटल मतदाता सूची तक पहुँच नहीं दी गई। लाखों भौतिक

मतदाता सूचियों की छानबीन के बाद पार्टी ने डुप्लिकेट मतदाताओं और गायब पतों के मामले पाए, जिनका दावा है कि इससे 2024 में भाजपा को भारी बढ़त मिली। कांग्रेस ने इसे जनादेश की चोरी या 'वोट चोरी' बताया और आरोप लगाया कि ऐसी स्थिति सैकड़ों अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी हो सकती है।

इसी दौरान बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) पहले से ही चल रहा था। मसौदा सूची से लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बाद सवाल उठे कि विधानसभा चुनावों से महज तीन महीने पहले यह प्रक्रिया क्यों शुरू की गई, खासकर तब जब राज्य में बड़ी संख्या में गरीब प्रवासी मतदाता हैं जो पुनरीक्षण के समय मौजूद नहीं हो सके। इससे भी अधिक चिंता की बात यह रही कि इस 'विशेष' पुनरीक्षण में नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज़ जुटाने का बोझ मतदाताओं पर डाल दिया गया और नागरिकता तय करने का अधिकार बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) को सौंप दिया गया। शुरुआत में आधार को नागरिकता दस्तावेज़ के रूप में सूची से बाहर रखने पर आपत्ति जताई गई, जबकि मांगे गए अधिकांश अनिवार्य दस्तावेज़ हाशिए पर मौजूद मतदाताओं के लिए सामान्यत: सुलभ नहीं हैं। प्रक्रिया की जल्दबाज़ी और कई विसंगतियाँ सामने आई हैं। इसी तरह के पुनरीक्षण अन्य राज्यों में भी दोहराए गए हैं, जिन्हें सत्तारूढ़ दल मतदाता सूचियों की 'शुद्धि' करार देता है। नवंबर और दिसंबर में पश्चिम बंगाल में भी स्ढ्ढक्र प्रक्रिया को लेकर ऐसी ही चिंताएँ उठी हैं।

क्या चुनाव आयोग निष्पक्ष है?

इन आरोपों ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिस पर सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के बीच जारी टकराव में निष्पक्ष न रहने के आरोप लग रहे हैं। मतदान केंद्रों की कैमरा फुटेज जैसे अहम साक्ष्य चुनाव के 45 दिन बाद भी उपलब्ध नहीं कराए जाते। डिजिटल मतदाता सूचियों की अनुपलब्धता के कारण समय रहते शिकायत दर्ज कर पाना लगभग असंभव हो जाता है। यदि 2024 में चुनाव आयोग पर प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ दल के कथित सांप्रदायिक भाषणों पर कार्रवाई से बचने का आरोप लगा था, तो 2025 में उस पर बिहार चुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और वित्तीय प्रलोभनों की अनदेखी करने का आरोप है। स्ढ्ढक्र की समय-सीमा का बीएलओ पर अत्यधिक दबाव कई दुखद मौतों और आत्महत्याओं का कारण बना, जबकि आयोग ने इन रिपोर्टों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया।

क्या भारतीय लोकतंत्र कमजोर हुआ है?

इन सभी घटनाक्रमों ने उस लोकतांत्रिक अवसर को बाहर से ही बंद कर दिया है, जो 2024 में क्षणिक रूप से दिखाई दिया था। संस्थागत शक्ति, वित्तीय संसाधनों और मीडिया पर पकड़ के मिश्रण के चलते भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल में मजबूत स्थिति में है। यद्यपि संचालनात्मक रूप से भारत के लोकतंत्र को हाल के वर्षों में 'आंशिक रूप से स्वतंत्र' कहा गया है, लेकिन इसका वास्तविक पतन शायद सबसे अधिक उस अविश्वास में दिखता है जो चयनात्मक मतदाता पुनरीक्षण के नौकरशाही आदेश से पैदा हुआ है। बिना स्पष्ट ऑडिट और बिना सुधार का पर्याप्त समय दिए नाम काटे जाने से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। आयोग की जल्दबाज़ी में देश के कमजोर वर्गों के नाम मतदाता सूची से हटने का जोखिम बढ़ गया है और मतदान की सार्वभौमिकता तथा उसके मूल्य को ठेस पहुँची है।

2026 में क्या होगा?

2026 में कई अहम चुनाव होने हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनाव शामिल हैं। इनमें से अधिकांश में भाजपा और मजबूत क्षेत्रीय दलों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। तमिलनाडु में भाजपा ने एआईएडीएमके के साथ गठबंधन फिर से जीवित किया है और सभी आगामी चुनावों के लिए पार्टी इकाइयों के पुनर्गठन पर काम कर रही है। पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है, जिसे जीतना भाजपा के लिए एक प्रतीकात्मक उपलब्धि होगा।

इसके अलावा, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' जैसे भाजपा के कुछ विवादास्पद विधेयक—जो फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विचाराधीन हैं—आगामी वर्ष में संसद में पेश किए जा सकते हैं, जिससे भविष्य के चुनावों की समय-सीमा में बदलाव आ सकता है। जनगणना और परिसीमन की जटिल प्रक्रिया भी बहस का विषय बनने की संभावना है। संसद में सीटों का वर्तमान अनुपात बदला जा सकता है, जिससे भारत के कई दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक हिस्सेदारी और परामर्श क्षमता प्रभावित होगी और देश की संघीय व्यवस्था की परीक्षा होगी।

(लेखिका जिंदल स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज, जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, भारत में सहायक प्रोफेसर हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं। उनसे rsinghv@jgu.edu.in पर संपर्क किया जा सकता है।)

मिंत्रा केयर्स ने वंचित समुदायों के लिए मोबिलिटी-आधारित आजीविका पहल और शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए

बेंगलुरु । देश की बड़े ऑनलाइन फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म में से एक मिंत्रा ने मंगलवार को अपने सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी विंग, मिंत्रा केयर्स के तहत चार पहलों को लॉन्च करने की घोषणा की, जिसमें दो मुख्य फोकस एरिया शामिल हैं, जिनमें मोबिलिटी-इनेबल्ड आजीविका और माइनविद्या के तहत शिक्षा शामिल है। एक पहल लाइवलीहुड्स ऑन व्हील्स है जो मोबिलिटी सपोर्ट के जरिए दिव्यांग लोगों के लिए रोजगार और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस करती है; माइनविद्या के तहत दूसरे प्रोग्रामों का मकसद मिंत्रा केयर्स की अलग-अलग स्टेज पर शिक्षा को मजबूत करने की प्रतिबद्धता में योगदान देना है। लाइवलीहुड्स ऑन व्हील्स, आलम्बा चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ मिलकर, 20 दिव्यांग लोगों के लिए स्थायी रोजगार का लक्ष्य रखता है। इस कार्यक्रम के तहत, हर लाभार्थी को 1,10,000 रुपए का नियोमोशन मोबिलिटी उपकरण दिया जाएगा, जिससे वे आजादी से घूम-फिर सकेंगे। ट्रस्ट द्वारा पहचाने और चुने गए लाभार्थियों को डिलीवरी एजेंट के तौर पर काम पर रखा जाएगा, जिससे उन्हें स्थिर आय के मौके मिलेंगे। इस मदद से, उम्मीद है कि प्रतिभागी हर महीने 25,000-30,000 रुपए कमा पाएंगे।

इस पहल के बारे में बात करते हुए, आलम्बा चैरिटेबल ट्रस्ट की फाउंडर-प्रेसिडेंट रीटा एंटनी ने कहा, 'आवाजाही कभी भी अवसरों में रुकावट नहीं बननी चाहिए। मिंत्रा केयर्स के साथ, हम दिव्यांग लोगों को टूल्स, ट्रेनिंग और रोजी-रोटी के स्थायी विकल्प दे रहे हैं।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' बनेगा भारत के लिए ऐतिहासिक मौका : एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली । विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' भारत को दुनिया में एक ऐसे बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेगा, जो जिम्मेदार और सभी को साथ लेकर चलने वाली एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य तय करेगा।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, 'डिजिटल इंडिया आस्क आवर एक्सपर्ट्स' के 38वें एपिसोड में इस समिट की जानकारी दी गई। यह सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक देश की राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा।

विशेषज्ञों ने बताया कि यह समिट तीन मुख्य आधार स्तंभों या 'सूत्रों', लोग, ग्रह और प्रगति, पर आधारित है। इन सूत्रों पर काम करने के लिए अलग-अलग कार्य समूह 'चक्र' बनाए गए हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इन कार्य समूहों से निकलने वाले सुझाव और फैसले भारत और दुनिया के विकासशील देशों में एआई से जुड़ी नीतियों, कौशल विकास और उनके इस्तेमाल को दिशा देंगे।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस समिट में युवाओं, स्टार्टअप्स, महिला इनोवेटर्स और छोटे शहरों यानी टियर-2 और टियर-3 शहरों के छात्रों के लिए कई अवसर होंगे, जिनमें एआई और डेटा लैब्स, वैश्विक चुनौतियां, विचार प्रस्तुत करने के कार्यक्रम और 'युवाई ग्लोबल यूथ चैलेंज' शामिल हैं।

मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लोगों को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' के बारे में भी जानकारी दी गई। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित होगा, जहां दिखाया जाएगा कि एआई किस तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है।

बयान में कहा गया कि इस दौरान नागरिकों ने एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर, ओपन डेटा एक्सेस, हेल्थकेयर डेटासेट, स्टार्टअप्स की भागीदारी, शासन, तकनीक से दूर लोगों की भागीदारी और ऑनलाइन भागीदार पर सवाल भी पूछे।विशेषज्ञों ने भरोसा दिलाया कि इंडियाएआई ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जो खुला, सुरक्षित और सभी को शामिल करने वाला होगा। इससे आम लोग, छोटे समूह और सरकारी संस्थाएं भी आसानी से भाग ले सकेंगी।

पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप्स से समाज की भलाई के लिए एआई का उपयोग करने की अपील की थी। उन्होंने अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर भारतीय एआई स्टार्टअप्स के साथ एक बैठक की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई को सस्ता, सभी के लिए उपयोगी और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं के साथ अपनी बातचीत को यादगार और ज्ञानवर्धक बताया और उनसे समाज के कल्याण के लिए एआई का इस्तेमाल करने को कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई आधारित स्टार्टअप्स की सराहना करते हुए कहा कि वे ई-कॉमर्स से लेकर सामग्री अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा जैसे कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रहे हैं।

ईरान से व्यापार करने पर अमेरिका लगाएगा 25 प्रतिशत टैरिफ, क्या भारत पर पड़ेगा असर?

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उस पर अमेरिका 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। भारत पहले से ही अमेरिका के 50 प्रतिशत ऊंचे टैरिफ का सामना कर रहा है, ऐसे में यह फैसला भारत के लिए चिंता बढ़ा सकता है।

भारत, ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया और वहां से 0.44 अरब डॉलर का सामान आयात किया। इस तरह दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 1.68 अरब डॉलर का रहा।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'भारत और ईरान महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार हैं। हाल के वर्षों में भारत ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। भारत ईरान को चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम रेशे, बिजली के उपकरण और कृत्रिम आभूषण जैसे सामान भेजता है। तो वहीं भारत ईरान से सूखे मेवे, रासायनिक पदार्थ और कांच के बने सामान आयात करता है।

भारत और ईरान ने वर्ष 2015 में ईरान के चाबहार स्थित शाहिद बेहेश्टी बंदरगाह को मिलकर विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। यह बंदरगाह भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके जरिए भारत अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापार कर सकता है।

हाल ही में अमेरिका ने भारत को चाबहार बंदरगाह पर अपना परिचालन जारी रखने के लिए दी गई प्रतिबंधों में छूट को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है, जो 29 अक्तूबर से प्रभावी है। इसे भारत की कूटनीतिक जीत माना जा रहा है, खासकर ईरान और रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों से जुड़े व्यापक तनाव के बीच।

इस राहत के बाद भारत अगले साल अप्रैल तक चाबहार बंदरगाह को बिना किसी अमेरिकी प्रतिबंध के विकसित और संचालित कर सकता है। यह बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक और व्यापारिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यह बंदरगाह अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक भारत की पहुंच के लिए बेहद जरूरी है, जिससे उसे व्यापार और संपर्क के लिए पाकिस्तान को दरकिनार करने की सुविधा मिलती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार चीन है, लेकिन भारत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और तुर्की जैसे देशों को भी नए अमेरिकी टैरिफ से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

10-मिनट डिलीवरी पर सरकार सत, प्लेटफॉर्म्स से कहा- वर्कर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हटाए टाइम लिमिट

नई दिल्ली। 10-मिनट डिलीवरी दावे पर केंद्र सरकार ने सख्त फैसला लिया है और गिग वर्कर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिलीवरी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को टाइम लिमिट को हटाने की सलाह दी है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों के साथ बैठक की है और उन्हें गिग वर्कर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सख्त डिलीवरी टाइम लिमिट को हटाने की सलाह दी है। कंपनियों ने भी सरकार को सलाह दी है कि वे डिलीवरी टाइम लिमिट को अपने विज्ञापनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा देंगे। केंद्रीय मंत्री की सलाह के बाद ब्लिंकिट ने तत्काल प्रभाव के कदम उठाते हुए 10-मिनट डिलीवरी क्लेम को अपने ब्रांड प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। इसका मतलब है कि कंपनी अब डिलीवरी के लिए 10 मिनट की टाइमलाइन को फिक्स नहीं करेगी। हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा डिलीवरी पार्टनरों के सामने आने वाली चुनौतियों को लगातार उजागर किया जाता रहा है। सोमवार को चड्ढा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे राजधानी की सड़कों पर एक डिलीवरी पार्टनर के रूप में एक दिन बिताते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो उन्होंने गिग वर्करों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए बनाया था। कोरोना के बाद 10 -मिनट डिलीवरी यानी क्विक कॉमर्स तेजी से लोकप्रिय हुआ है। इसमें प्लेटफॉर्म शहर के अलग-अलग इलाकों में डार्कस्टोर खोलकर अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए डिलीवरी को राइडर्स के जरिए पूरी करते हैं। मौजूदा समय में इस सेक्टर में ब्लिंकिट, जेप्टो, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट और स्विगी जैसे बड़े प्लेयर्स काम कर रहे हैं। क्विक कॉमर्स पारंपरिक कॉमर्स की अपेक्षा काफी अलग होता है। पारंपरिक कॉमर्स में उत्पादों की डिलीवरी में कई दिन लग जाते हैं, जबकि क्विक कॉमर्स में यह काम कुछ मिनटों में ही हो जाता है।

फोनपे और एचडीएफसी को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड में आपके रोजाना खर्च पर मिलेंगे रिवॉर्ड

नई दिल्ली । फोनपे ने पिछले साल जून में अपना को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने के साथ को-ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में कदम रखा। आज के क्रेडिट कार्ड यूजर कभी-कभार मिलने वाले बड़े रिवॉर्ड से आगे बढ़कर रोजाना के ट्रांजैक्शन से मिलने वाली वैल्यू पर ध्यान दे रहे हैं -- और हाल ही में लॉन्च हुआ फोनपे एचडीएफसी अल्टिमो क्रेडिट कार्ड ठीक यही देने के लिए बनाया गया है।

कार्ड के पीछे का आइडिया सिंपल है। रिवॉर्ड पाने के लिए मुश्किल तरीकों के बजाय, फोनपे एचडीएफसी अल्टिमो कार्ड रोजाना के खर्चों जैसे रिचार्ज, यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग और भी बहुत कुछ पर ध्यान देता है।

कार्डहोल्डर्स को फोनपे की महत्वपूर्ण कैटेगरी पर 10 प्रतिशत कैशबैक मिलता है - इसमें रिचार्ज, डीटीएच सब्सक्रिप्शन, यूटिलिटी बिल और रोजाना के दूसरे बिल पेमेंट शामिल हैं। हर टॉप-अप, बिजली बिल और ब्रॉडबैंड पेमेंट पर अब बड़े रिवॉर्ड मिलते हैं।

बिल के अलावा, एचडीएफसी अल्टिमो के सभी 'स्कैन एन पे' ट्रांजैक्शन पर 1 परसेंट कैशबैक ने लोकल शॉपिंग को और भी फायदेमंद बना दिया है। आस-पड़ोस के किराना स्टोर से लेकर स्ट्रीट फूड वेंडर तक, हर क्यूआर कोड स्कैन अब आपके कैशबैक बैलेंस में जुड़ता है। यूपीआई भारतीय कंज्यूमर के व्यवहार के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है, यह फीचर यह पक्का करता है कि छोटी से छोटी खरीदारी भी रिवॉर्ड दिलाए।

एचडीएफसी अल्टिमो फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूसरी कैटेगरी में चुनिंदा ऑनलाइन शॉपिंग ब्रांड पर 5 प्रतिशत तक कैशबैक भी देता है। कॉम्प्लिमेंट्री डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस के साथ, एचडीएफसी अल्टिमो रोजमर्रा के इस्तेमाल को ट्रैवल और ऑनलाइन शॉपिंग के फायदों के साथ बैलेंस करता है, जिससे पूरा एक्सपीरियंस बेहतर होता है। फोनपे एचडीएफसी अल्टिमो को अपनाने की वजह इसका रोजमर्रा के खर्च पर रिवॉर्ड देने पर साफ फोकस होना है। इस कार्ड पर यूजर रेगुलर खर्चों, लोकल खरीदारी और ऑनलाइन शॉपिंग पर कैशबैक कमाते हैं।अपने सेगमेंट में एक प्रैक्टिकल ऑप्शन के तौर पर, यह को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड ऐसी वैल्यू देता है जो कंज्यूमर के आम खर्च करने के तरीके से मेल खाती है।

जो लोग अलग-अलग रिवॉर्ड स्ट्रक्चर देख रहे हैं, उनके लिए फोनपे एचडीएफसी अल्टिमो आसान और ज्यादा आसानी से मिलने वाले फायदों की ओर एक कदम दिखाता है जो रोजाना के खर्च के पैटर्न में आसानी से फिट हो जाते हैं।

दिसंबर में ऑटो सेल्स में रिकॉर्ड बढ़त, कारों की बिक्री ऑल-टाइम हाई पर पहुंची

नई दिल्ली । दिसंबर में ऑटो सेल्स में रिकॉर्ड बढ़त देखने को मिली है और पैसेंजर वाहनों से लेकर दोपहिया वाहनों की बिक्री में मजबूत इजाफा देखा गया है।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से मंगलवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि दिसंबर में थोक पैसेंजर वाहनों (मैन्युफैक्चरर्स से डीलर्स तक) की बिक्री में सालाना आधार पर करीब 27 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

दिसंबर 2025 में 3,99,216 यूनिट्स पैसेंजर वाहनों की बिक्री हुई है, यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि के 3,14,934 यूनिट्स से 26.8 प्रतिशत अधिक है।

दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 15,41,036 यूनिट्स रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 11,05,565 यूनिट्स थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 61,924 यूनिट्स रही है, जो कि दिसंबर 2024 में 52,733 यूनिट्स थी। सियाम के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर-दिसंबर अवधि (वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही) में पैसेंजर वाहनों की थोक बिक्री 12.76 लाख यूनिट्स रही है। यह बिक्री का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 20.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। 2025 (जनवरी-दिसंबर) में कुल पैसेंजर वाहनों की थोक बिक्री 44.90 लाख यूनिट्स रही है। यह वार्षिक बिक्री का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें सालाना आधार पर 5 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। जनवरी-दिसंबर में अवधि देश से 8.63 लाख पैसेंजर वाहनों का निर्यात हुआ है। यह पैसेंजर वाहनों के निर्यात का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। सियाम के मुताबिक, इस मजबूत वृद्धि की वजह आयकर में कटौती, जीएसटी 2.0 और आरबीआई की ओर से ब्याज दरों को कम करना है, इन सभी कारकों का ग्राहकों की धारणा पर काफी सकारात्मक असर हुआ है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' बनेगा भारत के लिए ऐतिहासिक मौका : एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली । विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' भारत को दुनिया में एक ऐसे बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेगा, जो जिम्मेदार और सभी को साथ लेकर चलने वाली एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य तय करेगा।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, 'डिजिटल इंडिया आस्क आवर एक्सपर्ट्स' के 38वें एपिसोड में इस समिट की जानकारी दी गई। यह सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक देश की राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा। विशेषज्ञों ने बताया कि यह समिट तीन मुख्य आधार स्तंभों या 'सूत्रों', लोग, ग्रह और प्रगति, पर आधारित है। इन सूत्रों पर काम करने के लिए अलग-अलग कार्य समूह 'चक्र' बनाए गए हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इन कार्य समूहों से निकलने वाले सुझाव और फैसले भारत और दुनिया के विकासशील देशों में एआई से जुड़ी नीतियों, कौशल विकास और उनके इस्तेमाल को दिशा देंगे।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस समिट में युवाओं, स्टार्टअप्स, महिला इनोवेटर्स और छोटे शहरों यानी टियर-2 और टियर-3 शहरों के छात्रों के लिए कई अवसर होंगे, जिनमें एआई और डेटा लैब्स, वैश्विक चुनौतियां, विचार प्रस्तुत करने के कार्यक्रम और 'युवाई ग्लोबल यूथ चैलेंज' शामिल हैं।

मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लोगों को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' के बारे में भी जानकारी दी गई। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित होगा, जहां दिखाया जाएगा कि एआई किस तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है।

बयान में कहा गया कि इस दौरान नागरिकों ने एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर, ओपन डेटा एक्सेस, हेल्थकेयर डेटासेट, स्टार्टअप्स की भागीदारी, शासन, तकनीक से दूर लोगों की भागीदारी और ऑनलाइन भागीदार पर सवाल भी पूछे।विशेषज्ञों ने भरोसा दिलाया कि इंडियाएआई ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जो खुला, सुरक्षित और सभी को शामिल करने वाला होगा। इससे आम लोग, छोटे समूह और सरकारी संस्थाएं भी आसानी से भाग ले सकेंगी।

पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप्स से समाज की भलाई के लिए एआई का उपयोग करने की अपील की थी। उन्होंने अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर भारतीय एआई स्टार्टअप्स के साथ एक बैठक की।

भारत तेज विकास और कम महंगाई के संतुलित दौर में, तटस्थ नीति अपनाने की सलाह : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत इस समय तेज आर्थिक विकास और कम महंगाई के संतुलित दौर में है, जिसे अर्थशास्त्री 'गोल्डीलॉक्स फेज' कह रहे हैं। मंगलवार को जारी एचएसबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अब नीतियों को न तो बहुत सख्त और न ही बहुत ढीला रखना चाहिए, बल्कि एक संतुलित यानी लगभग तटस्थ नीति अपनाई जानी चाहिए।

एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में बाजार और पूरी अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए ऐसी नीति सबसे बेहतर होगी, जिसमें सरकारी खर्च पर नियंत्रण रखा जाए और साथ ही ब्याज दरें आसान बनी रहें। रिपोर्ट के अनुसार, अगर सरकार खर्च में सावधानी रखे और रिजर्व बैंक ब्याज दरों को आसान बनाए रखे, तो इससे अर्थव्यवस्था में बेहतर संतुलन बनेगा और सभी तरह के निवेश को फायदा होगा।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि अर्थव्यवस्था में कुछ अंदरूनी कमजोरियां अब भी मौजूद हैं। इनमें कंपनियों द्वारा कम निवेश और विदेशों से कम पूंजी आना शामिल है, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बॉन्ड मार्केट्स ने 2026 की शुरुआत में राज्यों द्वारा ज्यादा कर्ज लेने की संभावना को पहले ही ध्यान में रख लिया है। इसके साथ ही, आरबीआई द्वारा बॉन्ड खरीद, बजट में वित्तीय अनुशासन और भारत को ग्लोबल बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किए जाने से विदेशी निवेश आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के आर्थिक सुधारों, सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोतरी और शेयरों के उचित दामों की वजह से शेयर बाजार को फायदा मिल सकता है। लेकिन लंबे समय तक लाभ पाने के लिए कंपनियों के निवेश और विदेशी निवेश को बढ़ाने वाले बड़े सुधार जरूरी हैं।

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने तर्क दिया कि उनके रिसर्च फर्म के अनुमान के अनुसार, अगले साल महंगाई दर चार प्रतिशत से थोड़ी कम रहेगी, जिससे आरबीआई पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव नहीं रहेगा और अगर विकास की रफ्तार धीमी होती है, तो ब्याज दरें और कम करने की गुंजाइश भी रहेगी।

उन्होंने आगे कहा कि अगर विकास दर कमजोर पड़ती है, तो और राहत दी जा सकती है। यह स्थिति बाजार की मौजूदा सोच से बिल्कुल उलट है, जहां लोग सख्त मौद्रिक नीति और ढीली वित्तीय नीति की उम्मीद कर रहे हैं।

प्रांजुल भंडारी ने यह भी बताया कि दुनिया भर में बहुत सी घटनाएं चल रही हैं, जैसे टैरिफ से जुड़ी खबरें, ग्लोबल बॉन्ड इंडेक्स में शामिल होने की प्रक्रिया और विकसित देशों में ब्याज दरों का बढ़ना, जो भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकती हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2031 तक सार्वजनिक कर्ज को महामारी से पहले के स्तर तक लाया जाए। इसके लिए अगले पांच वर्षों तक लगातार वित्तीय सुधार और खर्च पर नियंत्रण जरूरी होगा। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा किया गया यह वित्तीय संतुलन निजीकरण के जरिए पूरा किया जा सकता है, जिससे आर्थिक विकास पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

भारत में एआई से जुड़ी नौकरियों में तेजी से वृद्धि के कारण भर्तियों में जबरदस्त उछाल : रिपोर्ट

बेंगलुरु । भारत में साल 2025 के दौरान एआई से जुड़ी नौकरियां तेजी से बढ़ीं। पिछले साल देश में एआई से जुड़े 2,90,256 पदों की भर्ती की गई। इससे साफ है कि एआई अब सर्विस सेक्टर की सबसे बड़ी ताकत बन चुका है। यह जानकारी मंगलवार को जारी फाउंडइट जॉब सर्च (पूर्व में मॉन्स्टर) की रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में एआई से जुड़ी भर्तियां और तेज होंगी। अनुमान है कि अगले साल एआई (आरटीआई) के जरिए होने वाली भर्तियों में साल-दर-साल 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी और यह संख्या करीब 3.80 लाख पदों तक पहुंच सकती है।

भारत का रोजगार बाजार साल 2025 के अंत तक फिर से मजबूत होता दिखा। अलग-अलग क्षेत्रों, कामों और शहरों में लगातार भर्तियां हुईं। भर्तियों में महीने-दर-महीने 5 प्रतिशत और सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

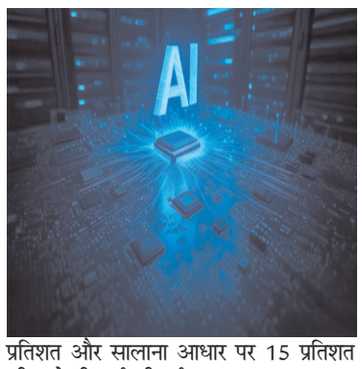

फाउंडइट के चीफ प्रोडक्ट और टेक्नोलॉजी ऑफिसर तरुण शर्मा ने कहा कि साल 2025 में भर्तियों में विस्तार भी हुआ और समझदारी भी दिखी। उन्होंने बताया कि एआई अब कोई प्रयोग नहीं रहा, बल्कि कर्मचारियों की योजना का अहम हिस्सा बन चुका है। आने वाले समय में नौकरी देने वाली कंपनियां कौशल पर आधारित, अनुभवी लोगों को ज्यादा प्राथमिकता देंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, आईटी-सॉफ्टवेयर और सर्विसेज में सबसे ज्यादा एआई से जुड़ी नौकरियां रहीं, जिनकी हिस्सेदारी 37 प्रतिशत थी। इसके बाद बैंकिंग और बीएफएसआई क्षेत्र (15.8 प्रतिशत) और मैन्युफैक्चरिंग (6 प्रतिशत) का स्थान रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में एआई नौकरियों में 41 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई। वहीं स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स (38 प्रतिशत), रिटेल (31 प्रतिशत), लॉजिस्टिक्स (30 प्रतिशत) और टेलीकॉम (29 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में भी अच्छी बढ़त देखी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि जनरेटिव एआई और लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) से जुड़े कौशल में सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिसकी मांग में साल-दर-साल 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका कारण चैटबॉट, स्मार्ट सहायक और कंपनियों में एआई का बढ़ता इस्तेमाल रहा।

एआई नौकरियों के मामले में बेंगलुरु सबसे आगे रहा, जहां कुल नौकरियों का 26 प्रतिशत हिस्सा रहा। हैदराबाद ने टियर 1 में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की। तो वहीं जयपुर, इंदौर और मैसूर जैसे छोटे शहरों में भी एआई नौकरियों में अच्छी बढ़त देखने को मिली।

रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में कंपनियों ने मध्यम और अनुभवी स्तर के कर्मचारियों को ज्यादा नौकरी दी। इसका मतलब है कि कंपनियां ऐसे लोगों को चाहती हैं, जिनके पास काम का अच्छा अनुभव हो।

10-मिनट डिलीवरी पर सरकार सख्त, प्लेटफॉर्म्स से कहा- वर्कर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हटाए टाइम लिमिट

नई दिल्ली। 10-मिनट डिलीवरी दावे पर केंद्र सरकार ने सख्त फैसला लिया है और गिग वर्कर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिलीवरी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को टाइम लिमिट को हटाने की सलाह दी है।

जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों के साथ बैठक की है और उन्हें गिग वर्कर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सख्त डिलीवरी टाइम लिमिट को हटाने की सलाह दी है।

कंपनियों ने भी सरकार को सलाह दी है कि वे डिलीवरी टाइम लिमिट को अपने विज्ञापनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा देंगे। केंद्रीय मंत्री की सलाह के बाद ब्लिंकिट ने तत्काल प्रभाव के कदम उठाते हुए 10-मिनट डिलीवरी क्लेम को अपने ब्रांड प्लेटफॉर्म से हटा दिया है। इसका मतलब है कि कंपनी अब डिलीवरी के लिए 10 मिनट की टाइमलाइन को फिक्स नहीं करेगी।

हाल के दिनों में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा डिलीवरी पार्टनरों के सामने आने वाली चुनौतियों को लगातार उजागर किया जाता रहा है।

सोमवार को चड्ढा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे राजधानी की सड़कों पर एक डिलीवरी पार्टनर के रूप में एक दिन बिताते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो उन्होंने गिग वर्करों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए बनाया था।

कोरोना के बाद 10 -मिनट डिलीवरी यानी क्विक कॉमर्स तेजी से लोकप्रिय हुआ है। इसमें प्लेटफॉर्म शहर के अलग-अलग इलाकों में डार्कस्टोर खोलकर अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए डिलीवरी को राइडर्स के जरिए पूरी करते हैं। मौजूदा समय में इस सेक्टर में ब्लिंकिट, जेप्टो, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट और स्विगी जैसे बड़े प्लेयर्स काम कर रहे हैं।

क्विक कॉमर्स पारंपरिक कॉमर्स की अपेक्षा काफी अलग होता है। पारंपरिक कॉमर्स में उत्पादों की डिलीवरी में कई दिन लग जाते हैं, जबकि क्विक कॉमर्स में यह काम कुछ मिनटों में ही हो जाता है।

नींद नहीं आती? न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह का आयुर्वेदिक स्लीप टॉनिक करेगा कमाल

अगर रात को नींद नहीं आती और मन बेचैन रहता है, तो न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह द्वारा सुझाया गया यह आयुर्वेदिक स्लीप टॉनिक शरीर को रिलैक्स कर प्राकृतिक रूप से गहरी नींद में मदद कर सकता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, ज्यादा स्क्रीन टाइम और अनियमित लाइफस्टाइल की वजह से नींद की समस्या आम हो गई है। कई लोग घंटों बिस्तर पर करवटें बदलते रहते हैं, लेकिन नींद नहीं आती। न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह के अनुसार, हर बार नींद की गोलियों पर निर्भर रहना सही समाधान नहीं है। शरीर को कभी-कभी सिर्फ सही पोषण और सुकून देने की जरूरत होती है। श्वेता शाह एक नेचुरल आयुर्वेदिक स्लीप टॉनिक की सलाह देती हैं जिसे सोने से पहले पीने से दिमाग शांत होता है और शरीर धीरे-धीरे रिलैक्स मोड में चला जाता है। यह खास दूध शरीर के नर्वस सिस्टम को शांत करता है और नींद के नेचुरल साइकिल को सपोर्ट करता है।

इस स्लीप टॉनिक में सौंफ, बादाम, खसखस, इलायची, मिश्री, काली मिर्च, केसर और काली किशमिश जैसे पोषक तत्व शामिल होते हैं। ये सभी सामग्री आयुर्वेद में मन को शांत करने और तनाव कम करने के लिए जानी जाती हैं। सौंफ पाचन को बेहतर बनाती है जिससे रात में भारीपन नहीं रहता। बादाम और खसखस नर्व्स को रिलैक्स करने में मदद करते हैं, जबकि केसर मूड को बेहतर करता है। काली किशमिश शरीर को पोषण देकर थकान दूर करती है।

मसाला दूध पाउडर कैसे बनाएं?

सबसे पहले सौंफ, बादाम, खसखस, इलायची, मिश्री, काली मिर्च, केसर और काली किशमिश लें।

उसके बाद सभी सामग्री को मिक्सी में पीसकर बारीक पाउडर बना लें।

अब इसे एक साफ, एयरटाइट जार में स्टोर करें, यह मिश्रण 2-3 हफ्तों तक सुरक्षित रहता है।

इस्तेमाल करने का तरीका

सोने से पहले आधा चम्मच मसाला दूध पाउडर, 1 कप गर्म दूध में मिलाएं और धीरे-धीरे घूंट लेकर पिएं। बेहतर परिणाम के लिए इसमें चाहें तो 1 टेबलस्पून घी भी मिला सकते हैं।

मसाला दूध क्यों असरदार है?

ओवरथिंकिंग और बेचैनी को कम करता है: मसाला दूध में मौजूद खसखस, इलायची और सौंफ दिमाग को शांत करने में मदद करते हैं। ये नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करते हैं, जिससे बार-बार आने वाले विचार, घबराहट और रात की बेचैनी कम होती है। यही वजह है कि इसे पीने के बाद नींद जल्दी आती है।

नर्वस सिस्टम को मजबूत करता है: खसखस, बादाम और जायफल दिमाग को पोषण देते हैं। इनका कॉम्बिनेशन दिमाग को रिलैक्स कर गहरी नींद में जाने में मदद करता है।

पाचन तंत्र को सुधारता है: अक्सर खराब पाचन की वजह से नींद नहीं आती। मसाला दूध में मौजूद सौंफ, इलायची और काली मिर्च- गैस और भारीपन को कम करते हैं, मेटाबॉलिज्म को बैलेंस करते हैं और आंतों को शांत करते हैं। जब पाचन बेहतर होता है, तो शरीर अपने आप रिलैक्स मोड में चला जाता है।

शरीर की ऊर्जा और हार्मोन बैलेंस करता है: केसर और काली किशमिश शरीर को भीतर से पोषण देते हैं। केसर मूड को बेहतर करता है, किशमिश थकान दूर कर एनर्जी लौटाती है और दोनों मिलकर हार्मोनल बैलेंस को सपोर्ट करते हैं। इससे सुबह उठने पर भारीपन नहीं, बल्कि हल्कापन महसूस होता है।

नोट: इस टॉनिक को नियमित रूप से पीने से ना सिर्फ नींद की क्वालिटी बेहतर होती है, बल्कि सुबह उठने पर शरीर ज्यादा

तंदूर नहीं, तवे पर बन जाएंगे सॉफ्ट और टेस्टी नान, इस ट्रिक से मिलेगा एकदम रेस्टोरेंट वाला स्वाद!

सॉफ्ट-सॉफ्ट नान खाना भला किसे पसंद नहीं होता। कभी बाहर रेस्टोरेंट में खाना खाने जाएं, तो ज्यादातर लोग नान ही ऑर्डर करते हैं। लेकिन क्या हो अगर आप घर पर ही नान बना लें? ये किफायती भी है और यकीन मानिए बहुत आसान भी। अब आप सोच रही होंगी कि बिना तंदूर के नान कैसे बन सकता है? और बन भी गया तो उसमें वो स्वाद आएगा ही नहीं जो रेस्टोरेंट वाले नान में आता है, फिर नान बनाने में टाइम भी तो लगता है। आपकी ये सारी कन्फ्यूजन ठीक हैं लेकिन आज हम आपके लिए जो ट्रिक लाएं हैं, उसकी मदद से आप इंस्टेंट नान बना सकती हैं, वो भी अपने नॉर्मल तवे पर। 'फूडीज फूड कोर्ट' यू ट्यूब चैनल पर तवे पर नान बनाने वाला ऐसा तरीका मिला है, जिसे आप फटाफट ट्राई करना चाहेंगी। आइए जानते हैं।

इंस्टेंट नान बनाने के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए

कई लोग नान इसलिए भी नहीं बनाते क्योंकि इसमें यीस्ट की जरूरत होती है और टाइम भी लगता है। लेकिन इस रेसिपी में ना यीस्ट चाहिए और ना ही ज्यादा समय। बस आपको 2 कप मैदा, आधा कप दूध, आधा कप दही, चुटकी भर नमक और चीनी, 1

चम्मच बेकिंग सोडा, 1 चम्मच बेकिंग पाउडर, 2 चम्मच तेल, कलौंजी के दाने, धनिया पत्ता और तेल या घी की जरूरत होगी।

सबसे पहले लगा लें सॉफ्ट सा आटा

नान बनाने के लिए सबसे पहले एक सॉफ्ट सा आटा लगा लें। इसके लिए मैदा में दूध, दही, चुटकी भर नमक और चीनी, बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर और दो चम्मच तेल डालकर सॉफ्ट सा गूंथ लें। अब इसपर हल्का सा ऑयल अप्लाई करें और आधा घंटे के लिए ढककर छोड़ दें।

थोड़ी सी कलौंजी और धनिया पत्ता लगाएं

अब छोटी-छोटी लोईयां बनाकर तैयार कर लें। इन्हें नान की शेप में बेल लें, फिर ऊपर से थोड़े से कलौंजी के दाने और धनिया पत्ता लगा दें। इससे नान खाने में भी टेस्टी लगता है और देखने में काफी रेस्टोरेंट स्टाइल लगता है।

तवे पर सेंक कर बनाएं नान

इस नान को आप तवे पर सेंक कर बना सकती हैं। इसे तवे पर नॉर्मल रोटी की तरह दोनों तरफ से 4-5 मिनट सेंक लें, फिर देसी घी लगाएं और दोबारा दोनों तरफ से सेंक लें। बहुत ही सॉफ्ट और टेस्टी नान बनकर तैयार होते हैं। इन्हें आप गरमा-गरम छोले के साथ सर्व कर सकती हैं।

दिव्यांग उम्मीदवारों को अपनी परीक्षाओं के लिए मिलेगा 'पसंदीदा परीक्षा केंद्र' : यूपीएससी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने दिव्यांगजनों के लिए परीक्षा की सुगमता और पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सभी दिव्यांग उम्मीदवारों को अपनी परीक्षाओं के लिए 'पसंदीदा परीक्षा केंद्र' आवंटित करने का निर्णय लिया है। इन उम्मीदवारों को अक्सर होने वाली व्यवस्था संबंधी चुनौतियों और विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, आयोग ने यह सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है कि प्रत्येक दिव्यांगजन आवेदक को वही परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाए, जिसे उन्होंने आवेदन पत्र में अपनी पसंदीदा पसंद के रूप में चुना है।

आयोग ने इस पहल को क्रियान्वित करने के लिए निम्नलिखित रणनीति अपनाई है-

प्रत्येक केंद्र की वर्तमान क्षमता का उपयोग सर्वप्रथम दि०?यांगजनों और गैर-दि०?यांगजनों दोनों तरह के उम्मीदवारों द्वारा किया जाएगा।

केंद्र के एक बार अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच जाने के बाद, यह गैर-दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए चयन हेतु उपलब्ध नहीं रहेगा; हालांकि, दिव्यांग उम्मीदवार उस केंद्र का चयन करने का विकल्प जारी रख सकेंगे। इसके बाद यूपीएससी अतिरिक्त क्षमता की व्यवस्था करेगी ताकि किसी भी दिव्यांग उम्मीदवार को उसकी पसंद के केंद्र से वंचित न किया जाए।

वहीं, इस पहल की जानकारी देते हुए यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के परीक्षा केंद्रों के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद, हमने पाया कि दिल्ली, कटक, पटना, लखनऊ और अन्य जैसे कुछ केंद्र आवेदकों की अधिक संख्या के कारण बहुत जल्दी अपनी क्षमता की अधिकतम सीमा तक पहुंच जाते हैं। इससे दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए चुनौतियां सामने आती हैं और उन?हें ऐसे केंद्रों का चयन करने के लिए मजबूर होना पड़ता है जो उनके लिए सुविधाजनक नहीं होते।

उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्?नता है कि इस निर्णय से अब प्रत्येक दिव्यांग उम्मीदवार को अपने पसंदीदा केंद्र का आश्वासन मिलेगा, जिससे यूपीएससी परीक्षा में शामिल होने के दौरान उन्हें अधिकतम सुविधा और सहजता सुनिश्चित होगी।

सुबह की कॉफी कहीं बढ़ा तो नहीं रही थॉयराइड की समस्या? जानें कैसे करें बीमारी पर काबू

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में थॉयराइड की समस्या बेहद आम होती जा रही है। पहले यह बीमारी युवाओं में कम देखने को मिलती थी, लेकिन अब बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर उम्र के लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह बदलती जीवनशैली, गलत खानपान, तनाव और शारीरिक गतिविधियों की कमी है।

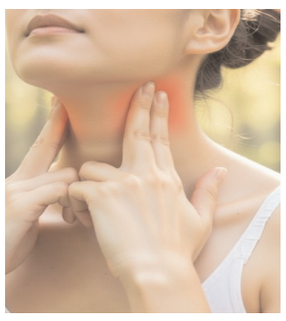

आयुर्वेद और विज्ञान दोनों का मानना है कि थॉयराइड सिर्फ दवाओं से ठीक होने वाली बीमारी नहीं है, बल्कि यह शरीर के पूरे संतुलन से जुड़ी समस्या है। अगर हार्मोन को सही रखना है, तो भोजन और आदतों में सुधार करना बेहद जरूरी है।

आयुर्वेद के अनुसार, थॉयराइड की समस्या मुख्य रूप से अग्नि (पाचन शक्ति) और कफ दोष के असंतुलन से जुड़ी होती है। जब पाचन कमजोर होता है, तो शरीर में विषैले तत्व जमा होने लगते हैं, जिससे हार्मोन का संतुलन बिगड़ता है। विज्ञान भी कहता है कि थॉयराइड के मरीजों में मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। ऐसे में कुछ चीजों का ज्यादा सेवन स्थिति को बिगाड़ सकता है। खासतौर पर चीनी, कैफीन और शराब ऐसी चीजें हैं, जिन्हें सीमित करना बहुत जरूरी है।

आयुर्वेद में अत्यधिक मीठे स्वाद को कफ बढ़ाने वाला माना गया है। ज्यादा चीनी खाने से शरीर भारी हो जाता है, आलस्य बढ़ता है और चर्बी तेजी से जमा होती है। विज्ञान के अनुसार, ज्यादा शुगर इंसुलिन को बिगाड़ती है, जिससे वजन बढ़ता है और शरीर में सूजन आने लगती है। थॉयराइड के मरीजों में पहले से ही वजन बढ़ने की समस्या होती है, ऐसे में मिठाई इस परेशानी को कई गुना बढ़ा देती है। चीनी कम करने से न सिर्फ थॉयराइड संतुलित रहता है, बल्कि डायबिटीज, मोटापा और दिल की बीमारियों का खतरा भी घटता है।

वहीं, आयुर्वेद में कैफीन को शरीर को उत्तेजित करने वाला माना गया है, जो लंबे समय में स्नायु तंत्र और ग्रंथियों को थका देता है। वैज्ञानिक रिसर्च बताती है कि कैफीन थॉयराइड ग्रंथि के काम में बाधा डाल सकता है और दवाइयों के असर को भी कम कर सकता है। सुबह खाली पेट कॉफी पीने से हार्मोन अचानक तेज हो जाते हैं, जिससे बेचैनी और थकान बढ़ती है। कॉफी कम करने से थॉयराइड के साथ-साथ नींद, चिंता और ब्लड प्रेशर की समस्याओं में भी राहत मिलती है।

इसके अलावा, आयुर्वेद में शराब को शरीर के लिए विष समान बताया गया है, जो अग्नि को कमजोर कर देती है। विज्ञान के अनुसार, शराब का सीधा असर लिवर पर पड़ता है।

बच्चियों में पीरियड्स शुरू होने से महीनों पहले ही अंडरवियर में दिखते हैं ये निशान, डॉक्टर ने बताया हर मां को जानना जरूरी

बच्चियों में पीरियड्स शुरू होने वाले हैं। इस बात का पता मां होने के नाते करना चाहती हैं तो डॉ ने बताया अर्ली प्यूबर्टी के बारे में ये जरूरी बातें, जिसे हर बेटी की मॉम को जरूर जानना चाहिए

च्चियों में इन दिनों अर्ली प्यूबर्टी देखने को मिल रही है। जो पीरियड्स 13-15 साल की उम्र में शुरू होते थे। वो अब काफी सारी गर्ल में 11-12 साल और कुछ में 8 साल के बाद ही देखने को मिल रहे। ऐसे में काफी सारे मांए टेंशन में रहती हैं कि आखिर किस तरह से पता किया जाए कि उनकी बेटी अर्ली प्यूबर्टी की ओर बढ़ रही है। जिससे उसे साफ-सफाई और हाइजीन के साथ बेसिक चीजों के बारे में बताया जा सके। ऐसे में डॉक्टर आयुषी पाठक ने इंस्टाग्राम पेज डॉक्टर हार्मोन पर बच्चियों की अर्ली प्यूबर्टी और पीरियड्स शुरू होने की कुछ निशानियों को शेयर किया है। जिसे हर मां को जरूर पता होना चाहिए।

बच्ची की पैंटी में अगर सफेद पाउडर जैसा या फिर म्यूकस जैसा फ्लूइड दिख रहा है तो समझ जाएं कि बच्ची को जल्दी ही पीरियड्स शुरू होने वाले हैं। छह महीने से लेकर एक साल के बीच बच्चियों को व्हाइट डिस्चार्ज के बाद पीरियड्स होते हैं। ये डिस्चार्ज शरीर का इंडीकेशन होता है कि बॉडी मैंस्ट्रुएशन और प्यूबर्टी के लिए रेडी है।

कुछ बच्चियों में दिखते हैं ये लक्षण

कुछ बच्चियों में पहले ब्रेस्ट डेवलपमेंट और प्यूबिक हेयर ग्रोथ होती है। उसके बाद ये व्हाइट डिस्चार्ज नजर आता है।

नॉर्मल है व्हाइट डिस्चार्ज

बच्चियों में होने वाले ये डिस्चार्ज बिल्कुल नॉर्मल होता है। लेकिन अगर व्हाइट डिस्चार्ज के अलावा गंध या कुछ रंग में बदलाव दिखे तो डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी होता है।

ना हो परेशान

बच्चियों में इन दिनों अर्ली प्यूबर्टी, जल्दी पीरियड्स आ जाना बिल्कुल नॉर्मल है। ऐसे में बॉडी की टाइमलाइन को समझें। हर बच्ची के लिए पीरियड्स के आने का समय अलग होता है। कुछ बच्चियों में ये जल्दी तो कुछ में देर से होता है।

कब होती है मेडिकल हेल्प की जरूरत

अगर पीरियड्स में देरी हो रही है और प्यूबर्टी आने के 3 साल तक पीरियड्स नहीं आ रहे तो ये चिंता की बात हो सकती है। ऐसे वक्त में डॉक्टर से मिलना जरूरी होता है।

साल के अंतिम महीने में सिल्क साड़ियों पर पाएं आकर्षक डिस्काउंट ऑफर्स

साल खत्म होने वाला है और इस समय फैशन आइटम्स पर कई आकर्षक डिस्काउंट और डील्स उपलब्ध हैं। खासकर सिल्क साड़ियों की शॉपिंग पर 80% तक ऑफ मिल जाएगा। यहां सिल्क साड़ियों की वैरायटी उपलब्ध है, जो आप सभी को बेहद पसंद आएगी। साथ ही इन पर कई आकर्षक डिस्काउंट एवं डील्स मिल जाएगा। शादी सीजन कुछ दिनों में शुरू हो जाएगा अगर आपको भी उसके लिए तैयार रहना है, तो कम बजट में बेहतरीन साड़ियों की शॉपिंग करें और अपनी तैयारी पूरी रखें। तो हमने सोचा क्यों न आपकी थोड़ी मदद की जाए, यहां हम आपके लिए सिल्क साड़ियों के बेस्ट विकल्प लाए हैं। तो ज्यादा न सोचे मोबाइल उठाएं और अपनी पसंदीदा साड़ी को आज ही ऑर्डर करें।

प्योर सिल्क फैब्रिक से तैयार इस साड़ी का लुक कमाल का है। सिंपल एलिगेंट ट्रेडिशनल

लुक के लिए इसे कैरी कर सकती हैं। वेडिंग फंक्शंस में ये लाइटवेट साड़ी आपके ऊपर बेहद खूबसूरत लगेगी। साड़ी लाइटवेट है, लंबे समय तक पहनने के बाद भी आपको कंफर्टेबल महसूस होगा। 5.5 मीटर की इस साड़ी के साथ 0.8 मीटर का ब्लाउज पीस मिल जाता है, जिसे अपने बॉडी शेप अनुसार स्टाइल करवा सकती हैं। बॉर्डर स्टाइल साड़ियां पसंद हैं, तो ये सिल्क साड़ी ट्राई करें। इसका डिजाइन देखने में जितना अट्रैक्टिव है, ये पहनने पर उतनी ही लाइटवेट और कंफर्टेबल महसूस होगी। इसकी फैब्रिक भी हल्की और मुलायम है, इसे लंबे समय तक पहने रखा जा सकता है। फेस्टिवल हो या वेडिंग फंक्शन आप इसे किसी भी ट्रेडिशनल इवेंट पर कैरी कर सकती हैं। तो इंतजार कैसा 74% के ऑफ पर इसे आज ही ऑर्डर करें।

स्त्रस्न11 की कांजीवरम सिल्क साड़ी का डिजाइन और इसकी फैब्रिक दोनों ही महिलाओं को बेहद पसंद आएंगी। वेडिंग फंक्शंस आने वाला है, हल्दी, मेहंदी, संगीत किसी भी मौके पर इसे आराम से स्टाइल कर सकती हैं। ये ट्रेडिशनल मॉडर्न लुक क्रिएट करने में आपकी मदद करेंगे। इस फुल लेंथ साड़ी के साथ आपको 0.8 मीटर का ब्लाउज पीस मिल जाएगा, जिसे अपने अनुसार स्टाइल करवा सकती हैं।

इस कांजीवरम पटोला सिल्क साड़ी का ट्रेडिशनल लुक पार्टी में आपके लुक में चार चांद लगा देगा। इसपर बने प्रिंट और पैटर्न इसका आकर्षण बढ़ा रहे हैं। वेडिंग फंक्शंस में इसे एक्ने अनुसार स्टाइल करें, वहीं फेस्टिवल्स पर कैरी करने के लिए भी ये बेस्ट ऑप्शन है। इस फुल लेंथ साड़ी के साथ आपको 0.8 मीटर का ब्लाउज पीस मिल जाएगा, जिसे आप अपने अनुसार स्टाइल करवा सकती हैं।

ब्रांड की सिंपल और एलिगेंट साड़ी आप सभी को बेहद पसंद आएगी। खासकर अगर आपको बॉर्डर स्टाइल साड़ियां पसंद हैं, तो इसे जरूर ऑर्डर करें। वेडिंग फंक्शंस कुछ दिनों में शुरू हो जाएंगे, तो क्यों न साल के अंतिम महीने में सदियों पर चल रहे इन डील्स का फायदा उठाते हुए, इन्हें आधे दाम पर ऑर्डर किया जाए।

चुपचाप पैर पसारती है ये आंत से जुड़ी बीमारी, लक्षणों को न करें अनदेखा

व्यस्त जीवनशैली में कई बार पोषण से जुड़ी जरूरतें नजरअंदाज हो जाती हैं और भागदौड़ भरी जिंदगी की रफ्तार में स्वास्थ्य कहीं पीछे छूट जाता है। इससे शरीर में कई बीमारियां घर करने लगती हैं और उनका पता तब चलता है, जब बात हाथ से निकल जाती है।

अक्सर हम पेट के हल्के दर्द को मामूली समझकर छोड़ देते हैं, लेकिन इसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं है

अक्सर हम पेट के हल्के दर्द को मामूली समझकर छोड़ देते हैं, लेकिन इसे नजरअंदाज करना ठीक नहीं है। यह असल में यह आंतों की खराब सेहत का इशारा हो सकता है, जो आगे चलकर किसी बड़ी बीमारी का रूप ले सकता है।

आंत हमारे शरीर का अहम हिस्सा होता है, जो शरीर की गंदगी को बाहर निकालने का काम करता है

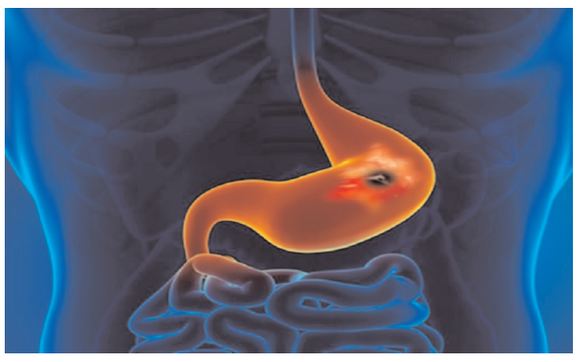

आंत हमारे शरीर का अहम हिस्सा होता है, जो शरीर की गंदगी को बाहर निकालने का काम करता है। आंतों का संक्रमण तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस या परजीवी छोटी या बड़ी आंतों में बढ़ने लगते हैं और धीरे-धीरे पेट दर्द, पाचन, कब्ज, हॉर्मोन असंतुलन, उल्टी, बुखार जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। कुछ आंतों में ज्यादा परेशानी होने पर कीड़े भी हो जाते हैं और ये स्थिति शरीर को कमजोर और बेहद बीमार कर सकती है।

आंतों का संक्रमण गंदा पानी, दूषित भोजन, एंटीबायोटिक का अधिक सेवन, कमजोर पाचन, जंक फूड और तनाव से होता है

आंतों का संक्रमण होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे गंदा पानी और दूषित भोजन का सेवन करना, बार-बार एंटीबायोटिक लेना, कमजोर पाचन प्रणाली का होना, बिना हाथ साफ किए भोजन खाना, जंक फूड ज्यादा खाना, और तनाव लेना शामिल है।

आयुर्वेद में आंतों की देखभाल हेतु दोपहर में हींग-जीरा युक्त छाछ पीने से बैक्टीरिया नष्ट होते हैं

आयुर्वेद में आंतों की देखभाल के लिए कई तरह के उपाय बताए गए हैं। इसके लिए रोजाना दोपहर के समय छाछ का सेवन कर सकते हैं। छाछ आंतों के लिए औषधि है। इसमें हींग और जीरा मिलाकर पीने से आंतों का बैक्टीरिया खत्म होता है। दूसरा, अनार का रस पीने से भी आंतों को ठीक से काम करने की क्षमता मिलती है। इससे आंतों में फैलने वाला संक्रमण नियंत्रित होगा। अगर संक्रमण की वजह से पेट खराब हो गया है और दस्त की शिकायत है, तो अनार का सेवन जरूर करें।

गर्मियों में बेल का जूस आंतों को साफ करने में मदद करता है

तीसरा, आयुर्वेद में बेल को अतिसार नाशक माना गया है, जो ठंडक से भरपूर होता है। ऐसे में बेल का जूस आंतों के लिए लाभकारी होता है। गर्मियों में बेल का जूस आंतों को साफ करने में मदद करता है। चौथा, त्रिफला चूर्ण का सेवन भी आंतों के लिए दवा की तरह है। त्रिफला चूर्ण को गुनगुने पानी के साथ लेने से आंतों की सफाई होती है और संक्रमण का खतरा कम होता है। दूध के साथ हल्दी का सेवन भी आंतों को साफ करने में मदद करता है और आंतों की सूजन को कम करता है

यश की फिल्म 'टॉसिक' का टीजर विवादों में, सीबीएफसी से की गई कानूनी शिकायत

मुंबई । कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' अपने टीजर रिलीज के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। जहां एक ओर यश के फैंस इस फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह में हैं, वहीं दूसरी ओर फिल्म का टीजर अब गंभीर विवादों में फंसता नजर आ रहा है।

हाल ही में फिल्म के टीजर के खिलाफ एक कानूनी शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें टीजर पर अश्लीलता फैलाने, सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाने और नाबालिगों पर गलत असर डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस शिकायत के बाद फिल्म और उसके मेकर्स की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। दरअसल, यश ने 9 जनवरी को अपने जन्मदिन के मौके पर फैंस को तोहफे के तौर पर फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज किया था। टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और कुछ ही घंटों में इसे लाखों बार देखा गया। हालांकि, टीजर में दिखाए गए एक बोल्ड और इंटीमेट सीन को लेकर विवाद शुरू हो गया। इस सीन में अभिनेत्री साशा ग्रे नजर आती हैं, जिसे लेकर कई संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताइ

अब इस मामले में कनकपुरा तालुक (रामनगर जिला) के सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कल्लाहल्ली ने फिल्म 'टॉक्सिक' के टीजर के खिलाफ सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन

(सीबीएफसी) में एक औपचारिक कानूनी शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत सीधे सीबीएफसी के चेयरमैन प्रसून जोशी को संबोधित की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि फिल्म के टीजर में ऐसे सीन्स शामिल हैं जो बेहद अश्लील, यौन रूप से उत्तेजक और नैतिक रूप से आपत्तिजनक हैं।

शिकायत में कहा गया है कि 'टॉक्सिक' का टीजर बिना किसी उम्र सीमा या चेतावनी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रसारित किया जा रहा है। इससे बच्चे, किशोर और युवा वर्ग आसानी से इस कंटेंट तक पहुंच बना रहे हैं, जो उनके मानसिक और नैतिक विकास के लिए नुकसानदेह हो सकता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह का कंटेंट भारतीय समाज के सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के खिलाफ है और इसे सार्वजनिक रूप से दिखाया जाना कानूनन गलत है।

शिकायतकर्ता ने कहा है कि भले ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। सार्वजनिक शालीनता, नैतिकता और सामाजिक व्यवस्था के हित में इस पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा गया है कि अश्लील और यौन रूप से स्पष्ट कंटेंट को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत संरक्षण नहीं दिया जा सकता।

इसके अलावा, शिकायत में सिनेमेटोग्राफ एक्ट, 1952, सीबीएफसी के नियमों और सर्टिफिकेशन गाइडलाइंस का भी जिक्र किया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि सिर्फ फिल्म ही नहीं, बल्कि उसके टीजर और प्रमोशनल मटेरियल भी सीबीएफसी के नियमों के दायरे में आते हैं। ऐसे में टीजर में इस तरह के सीन दिखाना नियमों का सीधा उल्लंघन है। अगर सीबीएफसी इस मामले में समय रहते कार्रवाई नहीं करता है,।

पहले कभी नहीं किया ऐसा एशन, 'टॉसिक' ने दी करियर की सबसे बड़ी चुनौतीः अक्षय ओबेरॉय

मुंबई । कन्नड़ सुपरस्टार यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रही है। यह फिल्म अपने बड़े स्टारकास्ट, इंटरनेशनल लेवल के एक्शन और दमदार कहानी को लेकर पहले ही चर्चा में थी, लेकिन अब इससे जुड़े कलाकारों के बयान भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। हाल ही में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने फिल्म में अपने किरदार और उसकी तैयारी को लेकर खुलकर बात की है।

आईएएनएस से बात करते हुए अक्षय ने कहा है कि 'टॉक्सिक' उनके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक रही है और इस फिल्म के लिए उन्हें खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से बिल्कुल नए स्तर पर तैयार करना पड़ा।

अक्षय ओबेरॉय ने कहा, ''मैंने अपने करियर में पहले भी कई फिल्मों में एक्शन सीन किए हैं, लेकिन 'टॉक्सिक' में जिस तरह का एक्शन करवाया गया, वह पहले के अनुभवों से बिल्कुल अलग था। यह सिर्फ फाइट सीन या स्टंट तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें अनुशासन, सहनशक्ति और गहरी मानसिक तैयारी की जरूरत थी। इस फिल्म ने मुझसे ऐसा प्रदर्शन मांगा, जैसा मैंने पहले कभी नहीं किया था।''

अपनी तैयारी को लेकर बात करते हुए अक्षय ने कहा, '''टॉक्सिक' का एक्शन एक अलग ही स्केल पर बनाया गया है। इस फिल्म के एक्शन सीन मुझे शारीरिक और मानसिक रूप से एक अलग जोन में ले गए। इसमें शरीर की ताकत के साथ-साथ दिमाग और शरीर के बीच बेहतर तालमेल होना भी बेहद जरूरी था। यही वजह है कि मेरे लिए यह अनुभव रोमांच के साथ-साथ कठिन भी था।''

अक्षय ने कहा, ''फिल्म की एक्शन शैली का अपना एक अलग नियम और भाषा है। हर मूवमेंट, हर एक्शन और हर सीन को बहुत बारीकी से डिजाइन किया गया है। फिल्म की कोरियोग्राफी और

फिजिकल ट्रेनिंग इस तरह से तैयार की गई थी कि कलाकार सिर्फ मजबूत न दिखें, बल्कि लंबे समय तक एक्शन करने की क्षमता भी उनमें नजर आए। इसके साथ ही सही टाइमिंग और फोकस पर भी खास ध्यान दिया गया।''

अक्षय ने बताया कि निर्देशक गीतू मोहनदास और एक्शन टीम की सोच बेहद साफ थी। 'टॉक्सिक' की दुनिया का अपना एक अलग अंदाज है, जिसे पर्दे पर सही तरीके से उतारने के लिए उन्होंने कई हफ्तों तक कड़ी ट्रेनिंग की। इस दौरान उन्हें रोज़ाना फिजिकल ड्रिल्स, मूवमेंट प्रैक्टिस और एक्शन रिहर्सल से गुजरना पड़ा, ताकि हर सीन में पूरी ईमानदारी दिख सके।

अपने अनुभव को साझा करते हुए अक्षय ओबेरॉय ने कहा, '''टॉक्सिक' मेरे करियर के सबसे मुश्किल लेकिन सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। इस फिल्म ने मुझे न सिर्फ शारीरिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि मानसिक रूप से भी ज्यादा तैयार और आत्मविश्वासी किया।''

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया जैसी कई बड़ी अभिनेत्रियां अहम भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है, जिसे कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट किया गया है।

भुवन बाम की पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई, बिना अनुमति के अपलोड की गईं तस्वीरें हटाने का निर्देश

मुंबई । डिजिटल दुनिया में अपने कंटेंट और शो 'ताजा खबर' के लिए पहचाने जाने वाले यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम इन दिनों पर्सनैलिटी राइट्स मामले को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मामले पर दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की।भुवन ने शिकायत की थी कि उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी अनुमति के बिना अपलोड किए गए हैं। इनमें कुछ वीडियो ऐसे हैं जिनमें उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर लोगों को निवेश के लिए उकसाया जा रहा है। दरअसल, भुवन बाम ने अपनी पहचान और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में उन्होंने कहा कि उनकी तस्वीरें और वीडियो विभिन्न प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के अपलोड किए जा रहे हैं, जो उनके और फैंस के लिए मानसिक और वित्तीय नुकसान का कारण बन सकते हैं।

मंगलवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट की जज ज्योति सिंह ने कहा कि पहले दिन, पहली नजर में पर्सनैलिटी राइट्स पर कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता। यह बहुत कठिन है कि पहले दिन ही इस पर कोई फैसला दिया जाए। फिलहाल मैं केवल अनधिकृत उपयोग से सुरक्षा प्रदान कर सकती हूं। कोर्ट ने बिना अनुमति के अपलोड की गई भुवन बाम की तस्वीरें हटाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले में स्थानीय कमिश्नर नियुक्त किए जाएंगे और आदेश के विस्तृत दिशा-निर्देश तब स्पष्ट होंगे जब पूरा आदेश अपलोड किया जाएगा।

'हक' देख गदगद हुईं सामंथा, यामी की परफॉर्मेंस को बताया शदों से परे

मुंबई । यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म 'हक' को दर्शकों और फिल्मी सितारों की खूब सराहना मिल रही है। फिल्म को मिल रही तारीफों का सिलसिला जारी है। करण जौहर और आलिया भट्ट ने हाल ही में यामी की एक्टिंग की जमकर वाहवाही की। अब अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने भी फिल्म और यामी के परफॉर्मेंस को दिल छू लेने वाला बताया।

सामंथा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि हक की कहानी गहरी, संवेदनशील और बिना किसी पूर्वाग्रह के है, जिसे यामी ने इतनी शानदार तरीके से पर्दे पर निभाया है। सामंथा ने यामी गौतम की एक्टिंग की जमकर तारीफ करते हुए यामी की परफॉर्मेंस को शब्दों से परे बताया, उन्होंने लिखा, ' फिल्म देखते ही मुझे तुरंत यह लिखना पड़ा, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि जो खूबसूरत एहसास मुझे मिला, वह कहीं खो जाए। सामंथा ने लिखा, 'ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं। इतनी गहरी, इतनी लेयर्ड और पूरी तरह जजमेंट या बायस से मुक्त। और यह और भी खास है जब इन्हें इतने शानदार एक्टर ने जीवंत किया हो। यामी गौतम आपकी परफॉर्मेंस ने मुझे इस तरह प्रभावित किया जिसे मैं पूरी तरह से बता नहीं सकती। मैंने एक साथ सब कुछ महसूस किया - प्यार, गुस्सा, ताकत, कमजोरी, उम्मीद। सामंथा ने निर्देशक के साथ ही पूरे टीम की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'आपकी लिखाई खास छाप छोड़ने में सफल रही।' साथ ही उन्होंने निर्देशक को बधाई देते हुए कहा, 'यह फिल्म सिनेमा की असली ताकत दिखाती है। यह सिनेमा है। यही वजह है कि हम जो करते हैं, करते हैं। यही कारण है कि हम हर उतार-चढ़ाव में यही रास्ता चुनते रहते हैं।

पतंगों के पीछे दौड़, तिल–गुड़ की खुशबू और बचपन, सन नियो के कलाकारों ने साझा की मकर संक्रांति की यादें

मुंबई । सर्दियों की हल्की धूप और आसमान में उड़ती रंग-बिरंगी पतंगें मकर संक्रांति के त्योहार की पहचान हैं। इस मौके पर हर कोई अपने प्रियजनों के साथ समय बिताता है, खुशियां बांटता है और नए साल के लिए सकारात्मक सोच को अपनाता है। इस कड़ी में सन नियो के कलाकारों ने मकर संक्रांति के मौके पर त्योहार का मतलब समझाया और अपने बचपन के अनुभवों को साझा किया। दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में दिव्या का किरदार निभा रहीं मेघा रे ने कहा, ''मकर संक्रांति मेरे लिए हमेशा खास रही है। यह त्योहार सिर्फ मिठाई खाने या पतंग उड़ाने का मौका नहीं है, बल्कि खुशियों, उम्मीदों और परिवार के साथ जुड़ने का अवसर है। मैं बचपन में अपने परिवार के साथ पतंग उड़ाने और तिल-गुड़ बांटने का आनंद उठाती थीं। यह यादें आज भी मेरे दिल में बसी हुई हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस साल काम की व्यस्तताओं के बीच भी सेट पर अपनी टीम के साथ त्योहार मनाऊंगी और मिठाइयां बांटूंगी। मकर संक्रांति हमें सिखाती है कि नकारात्मकता को छोड़कर विश्वास, कृतज्ञता और खुशी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। मेरी तरफ से सभी को रंगों से भरी और खुशहाल मकर संक्रांति की शुभकामनाएं।''

'सत्या साची' में साची की भूमिका निभा रहीं भाग्यश्री मिश्रा ने भी बचपन की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए मकर संक्रांति नई शुरुआत और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। बचपन की वो यादें, जब मैं रंगीन पतंगें उड़ाती थीं और कटी हुई पतंगों के पीछे पूरे जोश के साथ दौड़ती थी, आज भी दिल को खुश कर देती हैं। समय के साथ बड़े हो जाने और व्यस्तताओं के कारण त्योहार को मनाने का मौका कम मिलता है, लेकिन अगर मुझे काम के बीच मौका मिला, तो मैं सेट पर पतंग उड़ाकर अपने सहकर्मियों के साथ खुशी के पल बिताऊंगी।

नॉर्थ इंडिया का अपना अलग लेवर, यहां की जिंदगी कहीं और देखने को नहीं मिलती : पुलकित सम्राट

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट का नॉर्थ इंडिया के लिए प्यार एक बार फिर स्क्रीन पर दिखने वाला है। उनकी फिल्म 'राहु केतु' 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस कड़ी में फिल्म की टीम प्रमोशन में जुटी हुई है। एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान पुलकित ने फिल्म के लोकेशन्स के महत्व को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि सेट और उसकी जगह भी दर्शकों को कहानी से जोड़ने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने अपनी सुपरहिट फिल्म 'फुकरे' का भी उदाहरण दिया, जो दिल्ली की गलियों और कॉलेज की जिंदगी से जुड़ी हुई थी। पुलकित ने कहा, '''फुकरे' ने दर्शकों को न केवल हंसाया, बल्कि उन्हें दिल्ली की असली जिंदगी का अनुभव भी कराया। अब नई फिल्म 'राहु केतु' शिमला और दिल्ली के खूबसूरत बैकड्रॉप पर आधारित है। जब कहानी ऐसी जगहों पर घटती है, जहां की संस्कृति और माहौल पूरी तरह से जीवंत हैं, तो वह दर्शकों के लिए और भी रोचक हो जाती है।''

पुलकित ने कहा, ''नॉर्थ इंडिया का अपना अलग ही फ्लेवर है, यहां के लोग, यहां के पहाड़, यहां की गलियां और यहां की रोजमर्रा की जिंदगी कहीं और देखने को नहीं मिलती।''

पुलकित ने कहा, ''पिछले कुछ सालों में फिल्ममेकर्स ने नॉर्थ इंडिया के सांस्कृतिक रंग और स्थानीय खासियतों को बड़े पर्दे पर पेश करना शुरू किया है। दिबाकर बनर्जी और अमृत शर्मा जैसे निर्देशक इस इलाके की गहराई और विविधताओं को अच्छी तरह समझते हैं। उनकी कहानियां इतनी सजीव लगती हैं कि दर्शक सीधे उस जगह के माहौल में खो जाते हैं। यह बदलाव हिंदी सिनेमा के लिए बेहद ताजगी भरा है।''

उन्होंने कहा, ''मुंबई की फिल्मों से हम लंबे समय तक वाकिफ रहे, लेकिन अब दिल्ली और शिमला जैसे शहरों की कहानियों ने भी दर्शकों का ध्यान खींचना शुरू कर दिया है।''

पुलकित ने आगे नॉर्थ इंडिया के लोगों के अपनेपन और ईमानदारी की तारीफ की और कहा, ''यहां के लोग अलग और दिलकश होते हैं। हर जगह का अपना एक अनोखा रंग होता है। जब दर्शक 'राहु केतु' जैसी फिल्मों को देखते हैं, तो केवल कहानी नहीं देखते, बल्कि वहां की हवा, वहां की गलियों की खुशबू और लोगों की ऊर्जा को भी महसूस करते हैं।

इमरान हाशमी ने कस्टम विभाग की मेहनत को सराहा, कहा– वे कभी प्रशंसा की उम्मीद भी नहीं रखते

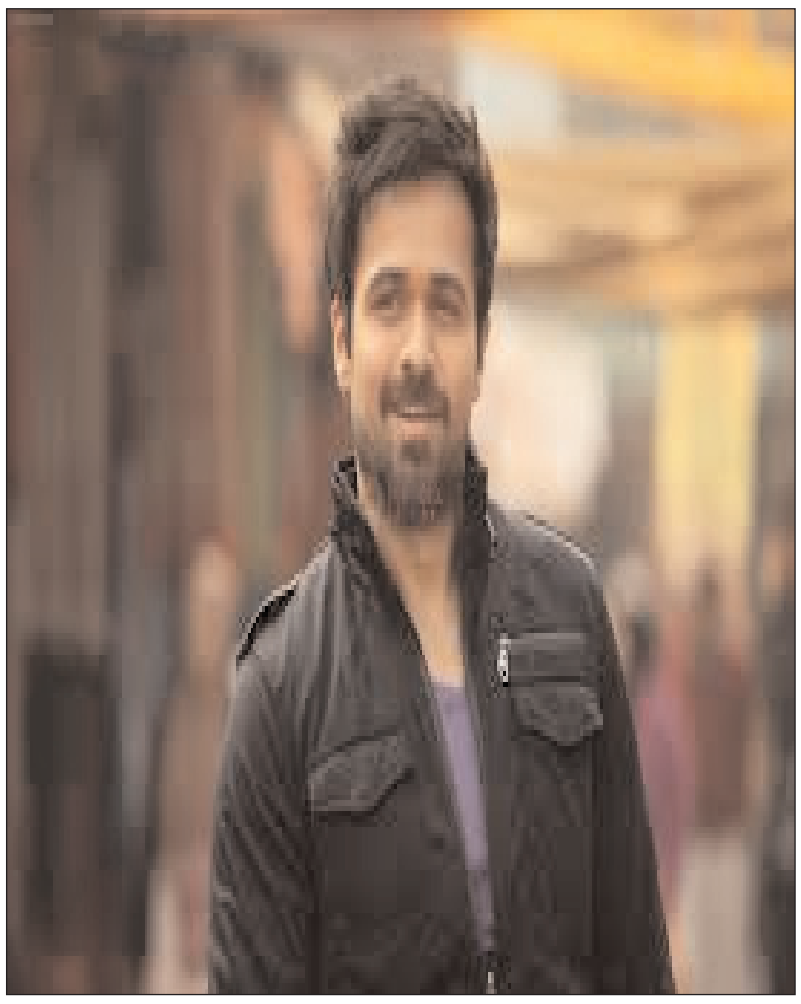

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी डिजिटल कंटेंट की दुनिया में अपनी नई वेब सीरीज 'तस्करीः द स्मगलर्स वेब' के साथ जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाले हैं। यह सीरीज न सिर्फ एक रोचक कहानी पेश करती है, बल्कि दर्शकों को यह भी दिखाती है कि हमारी सुरक्षा और देश की अर्थव्यवस्था के लिए कस्टम विभाग कितना अहम काम करता है। इमरान हाशमी ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वेब सीरीज के जरिए दर्शकों को यह समझाया गया है कि कस्टम विभाग की मेहनत कितनी जटिल और महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कस्टम विभाग की तारीफ करते हुए कहा कि आम लोग अक्सर उनके काम की गंभीरता और चुनौती को नहीं समझ पाते, जबकि उनके काम का देश और समाज पर बड़ा असर होता है।आईएएनएस से बात करते हुए इमरान हाशमी ने कहा, ''कस्टम विभाग का काम केवल सामान की जांच तक सीमित नहीं है। जब कोई चीज बिना ड्यूटी के देश में आती है, तो यह हमारे स्थानीय बाजार और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, कभी-कभी कस्टम विभाग को ऐसे सामान का सामना करना पड़ता है जिसका इस्तेमाल बम बनाने या ड्रग्स को फैलाने में किया जा सकता है। इस तरह के खतरों के बीच काम करना किसी भी आम नौकरी की तरह आसान नहीं है। कस्टम कर्मचारी हमेशा सतर्क रहते हैं और अपने कर्तव्य का पालन करते हैं, चाहे उन्हें कोई सराहना मिले या न मिले।''

इमरान ने कहा, ''मेरी वेब सीरीज में यह दिखाया गया है कि कस्टम विभाग किस तरह से काम करता है। जब कोई व्यक्ति ग्रीन चैनल या रेड चैनल लाइन पर पकड़ा जाता है, तो उसके पीछे महीनों या वर्षों की जांच और तैयारी होती है। यह केवल किसी इंसान को देखकर पकड़ने का काम नहीं है। कस्टम अधिकारी पहले उसकी यात्रा का इतिहास देखते हैं, यह पता करते हैं कि वह कहां से आया, कितने दिन रुका, और पिछले सालों में उसकी यात्रा कैसी रही। इसी तरह से वे तस्करों और अपराध नेटवर्क को पकड़ पाते हैं। यह एक बहुत ही संगठित और जटिल प्रणाली है, और हमें कस्टम विभाग की मेहनत का सम्मान करना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''कस्टम अधिकारी कभी भी प्रशंसा की उम्मीद नहीं रखते। वे बस अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। हमें उनके काम की कद्र करनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि उनके बिना देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था जोखिम में पड़ सकती है। वेब सीरीज दर्शकों को विस्तार से दिखाती है कि कस्टम अधिकारी कैसे काम करते हैं, किस तरह जांच करते हैं, और कैसे समय और धैर्य से बड़े अपराधियों और तस्करों तक पहुंचते हैं।''

तस्करीः द स्मगलर्स वेब' दर्शकों को मनोरंजन के साथ जागरूक भी करेगी कि देश में सुरक्षा और कस्टम विभाग का काम कितना अहम है। यह वेब सीरीज 14 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

पंजाबी सिंगर अर्जन ढिल्लों के पिता बूटा ढिल्लों का निधन

बरनाला । पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से दुखद खबर सामने आई है। पंजाबी गायक अर्जन ढिल्लों के पिता बूटा ढिल्लों का मंगलवार को निधन हो गया है। उन्होंने करीब 70 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया।

जानकारी के अनुसार, अर्जन ढिल्लों के पिता बूटा ढिल्लों लंबे समय से बीमार चल रहे थे और पिछले कुछ दिनों से चंडीगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे।

अर्जन ढिल्लों बरनाला जिले के भदौड कस्बे के निवासी हैं। उनके पिता के निधन की खबर फैलते ही पूरे कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोग और प्रशंसक उनके घर के बाहर जमा होकर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, बूटा ढिल्लों की तबीयत काफी समय से ठीक नहीं थी। बीमारी के कारण उनकी हालत लगातार

बिगड़ती जा रही थी। अस्पताल में इलाज के दौरान भी उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ और अंततः उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि बूटा ढिल्लों का अंतिम संस्कार धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ पूरा किया गया।

पिता के निधन से अर्जन और उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में है। परिवार ने अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया को बेहद सादगी और निजता के साथ संपन्न किया। इस दौरान अर्जन ढिल्लों और उनके परिवार ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और सभी रस्मों के दौरान किसी भी मीडिया प्रतिनिधि को अनुमति नहीं दी गई। परिवार का कहना है कि वे इस दुख की घड़ी में अकेले रहना चाहते हैं और शांति से अपने पिता को विदाई देना चाहते हैं।

अर्जन ढिल्लों पंजाबी संगीत जगत में अपनी अनोखी आवाज और लोकप्रिय गीतों के लिए जाने जाते हैं। उनके कई गाने जैसे पंजाबी फोक और रोमांटिक ट्रैक्स ने लाखों दिलों को छुआ है।

गायक के परिवार ने अभी तक किसी भी तरह की सार्वजनिक श्रद्धांजलि या कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

भोजपुरी सिंगर खुशी कक्कर का नया धमाका, 'बेलनमा से पातर बा' गाने ने किया लोगों को झूमने पर मजबूर

मुंबई। भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की मशहूर सिंगर खुशी कक्कर लगातार अपने गानों से चर्चा में बनी हुई हैं। उनके गाने सिर्फ संगीत ही नहीं, बल्कि दर्शकों को मस्ती, एनर्जी और मनोरंजन का पूरा पैकेज देते हैं।

खुशी के फैंस उनके हर गाने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनके गाने सोशल मीडिया और यूट्यूब पर ट्रेंड करने लगते हैं। पिछले कुछ समय में खुशी ने 'पियवा से फंसी' जैसे हिट सॉन्ग्स दिए, जिसमें अभिनेत्री सपना चौहान की ग्लैमरस एंट्री ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया।

अब खुशी कक्कर ने एक और नया धमाकेदार गाना रिलीज किया है, जिसका नाम है 'बेलनमा से पातर बा'। यह गाना यूट्यूब चैनल पंच म्यूजिक पर अपलोड किया गया है और पहले ही दिन से दर्शकों का ध्यान खींच रहा है।

'बेलनमा से पातर बा' अपने बोल और बीट दोनों के साथ दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर रहा है। गाने में संगीत टिंकू तूफान केशरी का है और वीडियो को आशीष पार्क ने डायरेक्ट किया है। गाने का एडिट चिंटू चिंगारी ने किया है और इसे पंच म्यूजिक ने प्रस्तुत किया है। इस गाने में अभिनेत्री पारुल यादव कमाल के डांस मूव्स करती नजर आ रही हैं, और उनके एक्सप्रेशंस गाने की लाइन्स के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं।

गाने की कहानी भी काफी मजेदार है। इसमें अभिनेत्री अपने ऑनस्क्रीन पति की तारीफ करती हैं और कहती हैं कि उनके पति उनसे बहुत प्यार करते हैं। वह यह भी बताती हैं कि उनके पति के बाल हीरो जैसे हैं और उनका बर्ताव उनके लिए खास है। गाने की एंटरटेनिंग स्टोरीलाइन और रंग-बिरंगे सेट ने इसे और भी दिलचस्प बना दिया है।

फैंस यूट्यूब और सोशल मीडिया पर कमेंट्स के जरिए गाने की तारीफ कर रहे हैं और इसे पसंद कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने लिखा कि गाना मजेदार और एनर्जेटिक है, तो वहीं कुछ गाने की बीट और म्यूजिक को लेकर भी उत्साहित नजर आए।

संसदीय चुनाव से पहले हिंसक गतिविधियां बढ़ीं, लोगों में खौफ का माहौल

ढाका । फरवरी में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले बांग्लादेश में हिंसक वारदातें बढ़ रही हैं। टारगेट किलिंग और मॉब लिंचिंग के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। लोग बेखौफ असलहों और हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालात बद से बद्दतर होते जा रहे हैं जिससे आम लोगों के बीच खौफ का माहौल है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजनीतिक दुश्मनी, दबदबे की लड़ाई और निजी झगड़ों से जुड़ी हत्याएं बढ़ गई हैं, जिससे आम नागरिकों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। पुलिस हेडक्वार्टर के डेटा का हवाला देते हुए, बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि बीते साल जनवरी से नवंबर के बीच पूरे बांग्लादेश में 3,509 लोगों की हत्या हुई थी।

ढाका स्थित मानवाधिकार समूह आइन ओ सालिश केंद्र (एएसके) के अनुसार, पिछले साल राजनीतिक हिंसा में 102 लोगों की जान गई, जबकि 2023 में यह संख्या 45 थी। बांग्लादेश के एक और मानवाधिकार संगठन, ह्यूमन राइट्स सपोर्ट सोसाइटी (एचआरएसएस) ने पिछले साल राजनीतिक हिंसा से जुड़ी 123 मौतों को डॉक्यूमेंट किया, जो 2023 में 96 थीं। कट्टरपंथी इस्लामी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश के हालात काफी बिगड़ गए हैं। हिंसा काफी बढ़ गई है। इस बीच कई राजनीतिक और जानी-मानी हस्तियों ने आत्मरक्षा के लिए बंदूकधारियों को

अपनी सेवा में तैनात कर लिया है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 13 दिसंबर को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पूरे देश में 'ऑपरेशन डेविल हंट फेज-2' शुरू करने का फैसला किया था। इसका मकसद चुनाव पूर्व हिंसा पर नकेल कसना बताया गया। ऑपरेशन डेविल हंट फेज-2 के दौरान ही 7 जनवरी को, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्वयंसेवी विंग, 'जातीयताबादी स्वेच्छासेवक दल' के एक नेता को ढाका में बंदूकधारियों ने गोली मार दी थी। बताया गया कि स्वेच्छासेवक दल की ढाका नॉर्थ यूनिट के संयुक्त संयोजक अजीजुर रहमान मोसब्बिर, कारवां बाजार इलाके में एक स्टॉल पर चाय पी रहे थे, तभी कई हमलावर मोटरसाइकिलों पर आए, अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, और वहां से फरार हो गए। ढाका ट्रिब्यून से बात करते हुए, ढाका-12 निर्वाचन क्षेत्र के रिवोल्यूशनरी वर्कर्स पार्टी के महासचिव और बीएनपी समर्थित उम्मीदवार सैफुल हक ने कहा कि हादी और मुसब्बिर की हत्या ने मतदाताओं और उम्मीदवारों दोनों को खौफजदा कर दिया है।

इस्लामाबाद में काटे गए 29 हजार से ज्यादा पेड़, मंत्री बोले 'वो सेहत के लिए ठीक नहीं थे'

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में 29 हजार से ज्यादा पेड़ काट दिए गए। मंगलवार को इसे लेकर संसद में खूब हंगामा हुआ। विपक्ष के मुताबिक हुक्मरान राजधानी को 'लंग्स विहीन' कर रहे हैं, तो सरकार के नुमाइंदे दावा कर रहे हैं कि ये सेहत के लिए सही नहीं थे। जाने-माने मीडिया आउटलेट डॉन ने इसके बारे में बताया। गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने नेशनल असेंबली को जानकारी दी कि इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी (आईसीटी) से 29,115 पेड़ हटाए गए हैं। उन्होंने सफाई दी कि इनके बदले आगामी महीनों में ज्यादा पेड़ लगाए जाएंगे।

इससे पहले पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ के अली मुहम्मद खान और पीपीपी की शाजिया मरी ने इस्लामाबाद में पेड़ काटने का मुद्दा उठाया। अली ने कहा कि अगर गृह मंत्रालय, इस्लामाबाद प्रशासन या जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने

'इस्लामाबाद के नागरिकों को भरोसे में लेकर' पेड़ काटे होते, तो उनमें अविश्वास नहीं होता।

सांसद ने कहा, 'आपने जो पेड़ काटे हैं, वे इस्लामाबाद के फेफड़े थे।' अली ने सवाल किया कि अगर सिर्फ पेपर मलबेरी (जंगली शहतूत) के पेड़ों को हटाया जा रहा था, तो '50 से 60 साल पुराने पेड़' भी क्यों हटाए गए?

मरी ने भी 'इस्लामाबाद में बड़े पैमाने पर पेड़ काटने' पर अपनी पार्टी की चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'विभिन्न इलाकों से रिपोर्टें आ रही हैं कि हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं। भले ही आप यह कहकर इसे सही ठहरा रहे हैं कि पर्यावरण के लिए हानिकारक एक खास प्रजाति के पेड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन वे जवाबदेही से क्यों भाग रहे हैं?

मरी ने 'असली सच्चाई' और इसकी भरपाई के लिए किए जा रहे पेड़ लगाने के आंकड़ों की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि इस मामले को आगे की बहस के लिए एनए की जलवायु परिवर्तन स्थायी समिति को भेजा जाए।

पिछले कुछ दिनों से ये मुद्दा इस्लामाबाद में चर्चा-ए-आम हुआ है। आम शहरियों ने भी इसका विरोध किया था। जिसके बाद, क्लाइमेट चेंज और पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ. मुसादिक मलिक ने शुक्रवार को दावा किया कि करीब 29,000 पेपर मलबेरी पेड़ों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत काटा गया है, जो 2023 और 2025 में जारी किया गया था।

ये पेड़ एलर्जी और स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे थे, जिसके चलते अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही थी। मंत्री ने एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि काटे गए हर पेड़ के बदले तीन नए पौधे या पेड़ लगाए जाएंगे, ताकि शहर की हरी पट्टी प्रभावित न हो।

योजना के तहत कुल हरी पट्टी को बढ़ाने के लिए परिपक्व देशी पेड़ भी लगाए जाएंगे, जो पर्यावरणीय सुधार को तेज करेंगे। जनता और सिविल सोसाइटी की ओर से इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया आई है। सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से यह मुद्दा गर्माया हुआ है, जहां लोग बड़े पैमाने पर पेड़ काटने का विरोध कर रहे हैं।

झबांग्लादेश में अल्पसंयकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच एक और हिंदू युवक की हत्या

ढाका । बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या हुई है। यह घटना फेनी जिले के डागनभुइयां उपजिले में हुई, जहां भीड़ ने हिंदू समीर दास को मार डाला। 27 साल के ऑटो-रिक्शा ड्राइवर समीर दास का शव जगतपुर गांव के एक खेत से बरामद किया गया है। परिवार के सदस्यों और पुलिस के हवाले से, बांग्लादेश के बंगाली अखबार डेली मनोबकंठा ने बताया कि समीर रविवार शाम को अपने ऑटो-रिक्शा से घर से निकला था। जब वह देर रात तक घर नहीं लौटा, तो उसके रिश्तेदारों ने अलग-अलग जगहों पर उसकी तलाश शुरू की। बाद में स्थानीय लोगों ने उपजिला के सदर यूनियन के तहत जगतपुर गांव में एक खेत में समीर का शव पड़ा हुआ पाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, शव पर चाकू के कई निशान थे। शुरुआती पुलिस जांच से पता चला कि समीर को एक सुनसान जगह पर ले जाया गया और उसका ऑटो-रिक्शा चुराने की कोशिश में बेरहमी से मार दिया गया। घटना की पुष्टि करते हुए डागनभुइयां पुलिस स्टेशन के अधिकारी मुहम्मद फैजुल अजीम नोमान ने कहा, 'शव बरामद कर लिया गया है।

रूसः कुरील द्वीप समूह में भूकंप, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.3

मास्को, । रूस के कुरील द्वीप समूह में मंगलवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के अनुसार, मंगलवार दोपहर 6.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया।

यूएसजीएस 13 जनवरी को शाम 6 बजकर 34 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर रूस और जापान के बीच कुरिल द्वीप समूह में 6.3 तीव्रता का एक तेज भूकंप आया। यह भूकंप 44.6 डिग्री उत्तर और 149.1 डिग्री पूर्व में, जापान के असाहिकावा से लगभग 545 किमी पूर्व में, 45 किमी की गहराई पर आया।

कुरिल आइलैंड्स रूस और जापान के बीच एक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित हैं, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल के कारण अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। यूएसजीएस ने भूकंप से होने वाली मौतों और आर्थिक नुकसान के लिए ग्रीन अलर्ट जारी किया है। यानी जान-माल के नुकसान की आशंका कम है।

कुल मिलाकर, इस क्षेत्र की आबादी

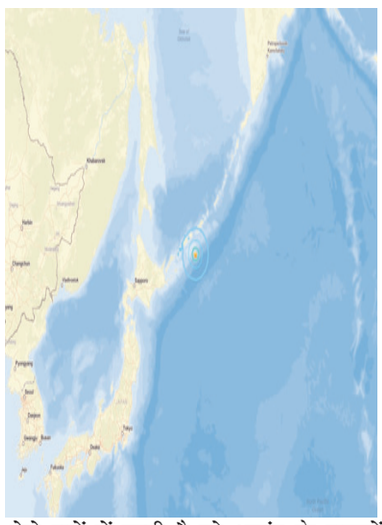

ऐसे घरों में रहती है जो भूकंप के झटकों को मध्यम रूप से झेल सकते हैं। सबसे ज्यादा कमजोर बिल्डिंग टाइप बिना मजबूत ईंटों वाली दीवारों वाले मजबूत कंक्रीट फ्रेम हैं। वेबसाइट के अनुसार द्वीप समूह की कुल आबादी 2 हजार के करीब है।

पिछले साल 30 जुलाई को इस आइलैंड पर 8.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जो अब दुनियाभर में दर्ज किए गए छठे सबसे शक्तिशाली भूकंप के बराबर था। हालांकि रूस में इससे कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं, 30 जुलाई के भूकंप के बाद से, इस क्षेत्र में 4.4 या उससे अधिक तीव्रता वाले 100 से ज्यादा झटके महसूस किए गए थे।

अभी तक इस भूकंप के कारण किसी भी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

कुरिल रूस के सुदूर पूर्व में स्थित एक ज्वालामुखी द्वीपसमूह है। इस क्षेत्र को 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा माना जाता है, जहां भूकंप और ज्वालामुखी गतिविधियां एक आम सी बात हैं।

कुरिल द्वीप और कमचटका प्रायद्वीप पृथ्वी के सबसे भूकंपीय और ज्वालामुखी क्षेत्रों में से एक है। जहां हर साल सैकड़ों छोटे-बड़े भूकंप आते हैं। 1952 में कमचटका में 9.0 तीव्रता का भूकंप आया था, वो भी इतिहास के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक माना जाता है।

जर्मन चांसलर मर्ज का दो दिवसीय भारत दौरा संपन्न, स्वदेश रवाना

गांधीनगर। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज दो दिवसीय भारत दौरा पूरा कर मंगलवार को स्वदेश रवाना हो गए। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें अहमदाबाद एयरपोर्ट पर विदा किया।

यात्रा के पहले दिन दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए जो रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर आधारित थे। सोमवार को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चांसलर मर्ज ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की थी।

इस सफल वार्ता के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा: 'अहमदाबाद में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ की मेजबानी करना खुशी की बात थी। उनकी यात्रा ने भारत-जर्मनी संबंधों में नई गति दी है, क्योंकि हम अपनी रणनीतिक

साझेदारी के 25 साल और राजनयिक संबंधों के 75 साल मना रहे हैं। उन्होंने एशिया में अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुना और इससे हम बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह मजबूत भारत-जर्मनी संबंधों के प्रति उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा, 'हम रक्षा, अंतरिक्ष और अन्य महत्वपूर्ण और उभरती टेक्नोलॉजी में गहरे सहयोग के साथ अपने संबंधों को गुणात्मक रूप से उच्च स्तर पर ले जाने पर सहमत हुए। हमारी जलवायु, भरोसेमंद और लचीली सप्लाई चेन, कौशल विकास, शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के संयुक्त प्रयासों पर भी बात हुई। पीएम मोदी और जर्मन चांसलर मर्ज ने साबरमती रिवरफ्रंट पर अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भी भाग लिया, और इस वार्षिक कार्यक्रम के रंग, ऊर्जा और सांस्कृतिक जीवंतता को करीब से देखा। बाद में दोनों नेताओं ने पतंगें भी उड़ाईं।

दोनों नेताओं ने जर्मन और भारतीय सीईओ से भी बातचीत की। इसका भी जिक्र पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में किया। उन्होंने कहा, 'चांसलर मर्ज और मैंने भारतीय और जर्मन सीईओ से मुलाकात की। भारत और जर्मनी के बीच घनिष्ठ सहयोग पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। बढ़ते व्यापार और निवेश संबंधों ने हमारी साझेदारी में नई गति दी है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, और कई जर्मन कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं। हम आने वाले समय में आर्थिक संबंधों को और गहरा करना चाहते हैं।

भारत और जर्मनी ने सोमवार को व्यापार, टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों पक्षों ने 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए और रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से कई नीतिगत घोषणाएं कीं।

वेंस और रुबियो ने सर्जियो गोर का भारत में अमेरिकी दूत के तौर पर स्वागत किया

वाशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सार्वजनिक रूप से सर्जियो गोर को बधाई दी है। सर्जियो गोर ने औपचारिक रूप से भारत में अमेरिका के नए राजदूत का पद संभाल लिया है। इन बधाइयों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंधों में निरंतरता और तेजी का संकेत माना जा रहा है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'राजदूत आपको बहुत बधाई, आप बेहतरीन काम करेंगे।' उन्होंने यह संदेश सर्जियो गोर के उस पोस्ट पर लिखा, जिसमें गोर ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में अपने पहले दिन की जानकारी दी थी।वहीं, विदेश मंत्री मार्को

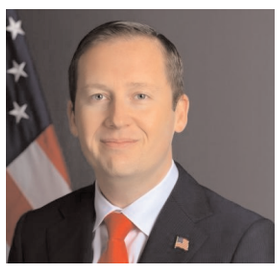

रुबियो ने भी अलग पोस्ट में अपनी शुभकामनाएं दीं और लिखा कि आप बहुत अच्छा काम करेंगे।

ये संदेश उस समय आए जब सर्जियो गोर ने भारत पहुंचने और यहां अपना कार्यकाल शुरू करने की घोषणा की। अपने बयान में उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति को आगे बढ़ाने और भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने की बात कही।

सर्जियो गोर ने लिखा, 'नमस्ते। आज नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में मेरा पहला दिन है। इस समर्पित टीम का हिस्सा बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने तथा भारत-अमेरिका संबंधों को और गहरा करने के लिए काम शुरू करने को उत्सुक हूं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में दोनों देशों के भविष्य को लेकर वह बेहद आशावादी हैं। सर्जियो गोर की पोस्ट के साथ अमेरिकी दूतावास की कई तस्वीरें भी साझा की गईं। इनमें वे दूतावास के कर्मचारियों से मिलते हुए और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए नजर आए। तस्वीरों में अमेरिकी और भारतीय झंडे भी साफ दिखाई दिए।

अमेरिका में पुलिस डॉग या घोड़े पर हमला पड़ेगा भारी, करना पड़ सकता है निर्वासन का सामना

वाशिंगटन। अमेरिका की हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी ने एक बिल को मंजूरी दी है, जिसके तहत अगर कोई गैर-नागरिक पुलिस के काम में लगे कुत्तों या घोड़ों को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे अमेरिका में प्रवेश करने से रोका जा सकता है और देश से बाहर भी निकाला जा सकता है। इस कदम को समर्थन देने वालों का कहना है कि इससे कानून लागू करने वाले जानवरों की सुरक्षा मजबूत होगी।

कमेटी में 18 के मुकाबले 12 वोटों से एच.आर. 4638 नाम के इस बिल को आगे बढ़ाने का फैसला किया गया। यह 'सरकारी कार्यरत जानवरों को घायल करने पर रोक' लगने वाला बिल है। कमेटी ने कुछ संशोधनों के साथ इसे हाउस में पारित करने की सिफारिश की है।

यह बिल इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट में संशोधन करेगा। अगर कोई व्यक्ति कानून

व्यवस्था में इस्तेमाल होने वाले जानवरों को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे अमेरिका में प्रवेश के अयोग्य माना जाएगा और दोषी पाए जाने पर उसे देश से निकाला भी जा सकेगा। यह नियम उन लोगों पर भी लागू होगा जो ऐसे अपराध को करने की बात खुद स्वीकार करते हैं।

रिपब्लिकन सांसदों का कहना है कि यह कानून आव्रजन व्यवस्था की कमियों को दूर करेगा और ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ जल्दी कार्रवाई संभव बनाएगा। यह बिल खास तौर पर उन कुत्तों और घोड़ों पर केंद्रित है, जिनका इस्तेमाल संघीय एजेंसियां सुरक्षा और जांच के काम में करती हैं।

ज्यूडिशियरी कमेटी के मुताबिक, जून 2025 में वाशिंगटन डलेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक घटना हुई थी। वहां एक मिस्र के नागरिक ने जांच में तैनात एक बीगल कुत्ते को लात मार दी थी। उस कुत्ते ने यात्री के सामान में प्रतिबंधित खाद्य उत्पादों के बारे में अधिकारियों को अलर्ट किया था।

बाद में उस व्यक्ति ने संघीय कानून के तहत अपना अपराध स्वीकार किया, पशु चिकित्सा का खर्च चुकाया और उसे अमेरिका से बाहर निकाल दिया गया।

इस बिल के समर्थकों का कहना है कि नया कानून यह साफ कर देगा कि ऐसे मामलों में आव्रजन के स्तर पर क्या कार्रवाई होगी, जिससे भविष्य में ऐसे मामलों को जल्दी और साफ तरीके से निपटाया जा सकेगा।

हालांकि, कमेटी में डेमोक्रेट सांसदों ने इस बिल का कड़ा विरोध किया है और असहमति दर्ज कराई है। मैरीलैंड से सांसद जेमी रास्किन ने कहा कि यह कानून गैर-जरूरी है, क्योंकि जिस आचरण को यह लक्षित करता है, वह पहले से ही संघीय अपराध है और दोषी ठहराए जाने के बाद इसके इमिग्रेशन परिणाम पहले से ही होते हैं।

असहमति में यह भी कहा गया कि मौजूदा कानून के तहत, अगर पशुओं के प्रति क्रूरता का मामला सजा तक पहुंचता है, तो आव्रजन अधिकारी पहले से ही इसे गंभीर नैतिक अपराध मानते हैं।कमेटी ने यह भी बताया कि रिपोर्ट दाखिल करने तक कांग्रेस बजट कार्यालय से इस बिल की लागत का कोई अनुमान नहीं मिला था।

अमेरिका ने सुरक्षा कारणों से रद्द किए रिकॉर्ड 1 लाख वीजा

वाशिंगटन । ट्रंप प्रशासन ने एक साल से भी कम समय में एक लाख से ज्यादा विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए हैं। अमेरिका के विदेश विभाग के मुताबिक, यह अब तक का सबसे बड़ा कदम है, जो सीमा सुरक्षा और जनता की सुरक्षा को मजबूत करने के अभियान के तहत उठाया गया है।

अमेरिकी विदेश विभाग के मुख्य उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा, 'ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा करना और अमेरिकी संप्रभुता को बनाए रखना है।

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई पिछले वर्षों की तुलना में कहीं ज्यादा सख्त है। उन्होंने कहा, 'एक साल से भी कम समय में, विदेश विभाग ने विदेशी नागरिकों के

100,000 से ज़्यादा वीजा रद्द कर दिए, जो एक नया रिकॉर्ड है और 2024 के बाद से रद्द किए जाने में 150 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी है। विदेश विभाग के बयान में कहा गया है कि जिन विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द किए गए, उन पर कई तरह के अपराधों का आरोप था या उन्हें दोषी ठहराया जा चुका था। इनमें मारपीट, चोरी और नशे में गाड़ी चलाने जैसे मामले शामिल हैं।

प्रशासन का कहना है कि वीज़ा रद्द होने के मामलों में बढ़ोतरी की वजह जांच और निगरानी की नई और सख्त व्यवस्था है, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में शुरू किया गया।

पिगोट ने कहा, 'विदेश विभाग का हाल ही में लॉन्च किया गया कंटीन्यूअस वेटिंग सेंटर यह सुनिश्चित करता है कि अमेरिकी धरती पर सभी विदेशी नागरिक हमारे कानूनों का पालन करें - और जो लोग अमेरिकी नागरिकों के लिए खतरा पैदा करते हैं, उनके वीज़ा तुरंत रद्द कर दिए जाएं।

अधिकारियों के अनुसार, पहले जांच केवल वीज़ा आवेदन या अमेरिका में प्रवेश के समय होती थी, लेकिन अब इस नई व्यवस्था से बाद में भी निगरानी रखी जाती है। इससे किसी अपराध में नाम आने पर तुरंत कार्रवाई संभव हो पाती है।

टॉमी पिगॉट ने कहा कि यह नीति देश की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की व्यापक सोच को दिखाती है। उन्होंने कहा, 'ट्रंप प्रशासन अमेरिका को पहले रखेगा और हमारे देश को उन विदेशी नागरिकों से बचाएगा जो सार्वजनिक सुरक्षा या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं।'

हालांकि बयान में यह नहीं बताया गया कि सबसे ज्यादा वीजा किन देशों के लोगों के रद्द किए गए या इनमें कितने पर्यटक, छात्र या लंबे समय से रहने वाले लोग शामिल थे।

यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब वीजा नीति ट्रंप प्रशासन की घरेलू और विदेश नीति का एक अहम मुद्दा बन चुकी है।

अमेरिकी अदालत ने ड्रग्स तस्करी के दोषी संदीप सिंह की याचिका को खारिज किया

वाशिंगटन । अमेरिका की एक अदालत ने ड्रग्स तस्करी के दोषी संदीप सिंह की देश से निकाले जाने के खिलाफ याचिका को खारिज कर दिया है। 7वें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने कहा कि इमिग्रेशन अधिकारियों की ओर से कथित प्रक्रियात्मक उल्लंघनों से मामले के नतीजे पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

संदीप सिंह ने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की ओर से जारी अंतिम प्रशासनिक निष्कासन आदेश को चुनौती दी थी। उसने तर्क दिया कि विभाग ने इस प्रक्रिया के दौरान इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन किया। कोर्ट ने इससे असहमति जताई। जजों ने कहा कि एजेंसी के फैसलों को तब तक पलटा नहीं जा सकता जब तक कि गलतियों से कोई नुकसान न हो। कोर्ट ने कहा कि संदीप सिंह इस

स्टैंडर्ड को पूरा करने में नाकाम रहे।

संदीप सिंह कनाडा के स्थायी निवासी है और उनके पास भारतीय पासपोर्ट है। वह नवंबर 2021 में विजिटर वीजा पर कनाडा से अमेरिका में दाखिल हुआ था। अप्रैल 2024 में, संदीप सिंह ने मेथामफेटामाइन को बांटने के इरादे से रखने की साजिश का जुर्म कबूल किया। मिशिगन की एक फेडरल कोर्ट ने उन्हें 60 महीने जेल की सजा सुनाई। दोषी ठहराए जाने के बाद, इमिग्रेशन अधिकारियों ने तेजी से निष्कासन की कार्यवाही शुरू की। संदीप सिंह पर गंभीर अपराध में दोषी ठहराए जाने के आधार पर निष्कासन का आरोप लगाया गया था। इस पर उसने आपत्ति जताई। उसने कहा कि उसका मामला इमिग्रेशन जज के सामने जाना चाहिए, न कि प्रशासनिक रूप से तय किया जाना चाहिए। उसने यह भी कहा कि उसे भारत के बजाय कनाडा भेजा जाए।

उसने आगे अनुरोध किया कि अधिकारी सिर्फ एक डिटेनर जारी करें। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें जल्दी रिहाई के लिए फर्स्ट स्टेप एक्ट के तहत टाइम क्रेडिट का इस्तेमाल करने की अनुमति मिलेगी। विभाग ने इन अनुरोधों को खारिज कर दिया। विभाग ने दिसंबर 2024 में अंतिम निष्कासन आदेश जारी किया। आदेश में शुरू में भारत को गंतव्य के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। बाद में विभाग ने इसे बदलकर कनाडा कर दिया।संदीप सिंह ने अपने ड्रग्स के जुर्म को चुनौती नहीं दी। कोर्ट ने कहा कि उस जुर्म के कारण, उन्हें निश्चित रूप से हटाया जा सकता है और विवेकाधीन राहत से वंचित किया जा सकता है।

अमेरिकी आव्रजन कानून के तहत, गंभीर अपराधों में दोषी गैर-नागरिकों पर फास्ट-ट्रैक निष्कासन प्रक्रियाएं लागू होती हैं, जिनमें न्यायिक समीक्षा सीमित होती है और ज्यादातर विवेकाधीन राहत पर रोक होती है। फेडरल कोर्ट बार-बार यह कह चुकी है कि सिर्फ प्रक्रियात्मक त्रुटियां निष्कासन आदेश को रद्द करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं, जब तक यह साबित न हो कि उन त्रुटियों से मामले का परिणाम बदल गया।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली में यमुना की सफाई पर 'आप' ने खोला मोर्चा, सौरभ भारद्वाज ने लगाए सरकार पर गंभीर आरोप

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी (आप) ने यमुना नदी की सफाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे 'राजनीतिक नौटंकी' करार दिया है। दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने यमुना प्रदूषण के मुद्दे पर एक खुलासा सीरीज की शुरुआत की और दावा किया कि छठ महापर्व व बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर यमुना को अस्थायी रूप से साफ दिखाने का प्रयास किया गया।

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि छठ पूजा के दौरान यमुना के पानी को साफ दिखाने के लिए भाजपा शासित हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकारों ने किसानों के हिस्से का सिंचाई जल यमुना में छोड़ दिया। उनके अनुसार, हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पूर्वी और पश्चिमी नहर का पानी मोड़कर यमुना में डाला गया, ताकि औद्योगिक कचरे और सीवर के गंदे पानी को डायल्यूट किया जा सके। इससे कुछ दिनों के लिए यमुना का पानी अपेक्षाकृत साफ दिखाई दिया, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं था।आप नेता ने कहा कि छठ पूजा के कुछ ही दिनों बाद बिहार विधानसभा चुनाव होने थे और दिल्ली में रहने वाले बिहार के लाखों मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया। उन्होंने दावा किया कि जैसे ही छठ पूजा और बिहार चुनाव समाप्त हुए, वैसे ही किसानों का पानी दोबारा नहरों में मोड़ दिया गया, जिसके बाद यमुना का प्रदूषण अपने वास्तविक और चिंताजनक स्तर पर लौट आया। सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि भाजपा समर्थक कुछ न्यूज एंकर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की ओर से यह भ्रम फैलाया गया कि भाजपा सरकार ने मात्र आठ महीनों में यमुना को साफ कर दिया है। उन्होंने इसे 'झूठी कहानी' बताते हुए कहा कि सच्चाई यह है कि बिना स्थायी ट्रीटमेंट प्लांट, सीवर प्रबंधन और औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण के यमुना की सफाई संभव नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी आने वाले दिनों में इस सीरीज के अन्य हिस्सों के जरिए यमुना प्रदूषण से जुड़े तथ्यों, आंकड़ों और सरकारी फैसलों को जनता के सामने रखेगी। आम आदमी पार्टी का कहना है कि यमुना की सफाई को चुनावी हथकंडा बनाने के बजाय दीर्घकालिक और ईमानदार प्रयासों की जरूरत है, ताकि नदी को वास्तव में प्रदूषण मुक्त किया जा सके और दिल्ली-एनसीआर के लोगों को स्वच्छ पर्यावरण मिल सके।

राम मंदिर जाएंगे राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने दी जानकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जल्द ही अयोध्या के राम मंदिर जाएंगे और रामलला के दर्शन करेंगे। तनुज पुनिया ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि जब राम मंदिर का उद्घाटन हुआ था, उस समय राहुल गांधी ने खुद कहा था कि मंदिर का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है, इसलिए वे अधूरे मंदिर में पूजा के लिए नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा था कि जब मंदिर पूरी तरह तैयार हो जाएगा, ध्वज और शिखर स्थापित हो जाएंगे और नियमित पूजा शुरू हो जाएगी, तब वे दर्शन करेंगे। चूंकि अब मंदिर का ध्वज लग चुका है, शिखर स्थापित हो गया है और पूजा-अर्चना भी शुरू हो चुकी है, ऐसे में राम मंदिर को पूर्ण माना जा सकता है। इसी कारण राहुल गांधी अब अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करेंगे।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी अपने समय और सुविधा के अनुसार ही मंदिर जाएंगे।

कांग्रेस सांसद ने यह भी स्पष्ट किया कि राहुल गांधी भगवान श्रीराम में आस्था रखते हैं और सभी देवी-देवताओं का सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा कि संसद में दिए गए राहुल गांधी के भाषणों को सुना जाए तो साफ पता चलता है कि उन्होंने भगवान महादेव और भगवान शिव का भी उल्लेख किया है। राहुल गांधी हिंदू धर्म में विश्वास रखते हैं और उसकी परंपराओं का सम्मान करते हैं। इस दौरान यूपी की राजनीति से जुड़े अन्य सवालों पर भी तनुज पुनिया ने प्रतिक्रिया दी। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रियंका गांधी की भूमिका पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी एक राष्ट्रीय नेता हैं। पूरा देश उनका सम्मान करता है। वह केरल से सांसद हैं और उनके पारिवारिक रिश्ते रायबरेली, अमेठी और पूरे उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए हैं। ऐसे में उन्हें किसी एक राज्य तक सीमित करके देखना उचित नहीं है। वहीं, वरुण गांधी को लेकर पूछे गए सवाल पर तनुज पुनिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में उनका पूरे दिल से स्वागत है। उन्होंने कहा कि भाजपा में वरुण गांधी को टिकट तक नहीं दिया गया। अगर वे कांग्रेस में आना चाहते हैं तो पार्टी के दरवाजे उनके लिए खुले हैं।

तनुज पुनिया के इस बयान के बाद राहुल गांधी के अयोध्या दौरे और उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

कांग्रेस का 'मनरेगा बचाओ संग्राम' तेज, जयराम रमेश ने लोगों से आंदोलन में जुड़ने का आह्वान किया

नई दिल्ली। कांग्रेस विकसित भारत-जी राम जी बिल (वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025) का विरोध कर रही है, जिसे केंद्र सरकार ने मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह लाकर पारित किया है। इस बीच कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और लोगों से इस अधिनियम के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

यह बिल दिसंबर 2025 में संसद से पास हुआ और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन गया। कांग्रेस का आरोप है कि यह मनरेगा को कमजोर करता है और ग्रामीण मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कर लिखा, 'मनरेगा बचाओ संग्राम देश के 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है। भारत के करोड़ों लोगों की जीवनरेखा बन चुकी मनरेगा योजना पर सरकार ने बुलडोजर चला दिया है। इसी के खिलाफ यह देशव्यापी संघर्ष काम के अधिकार,

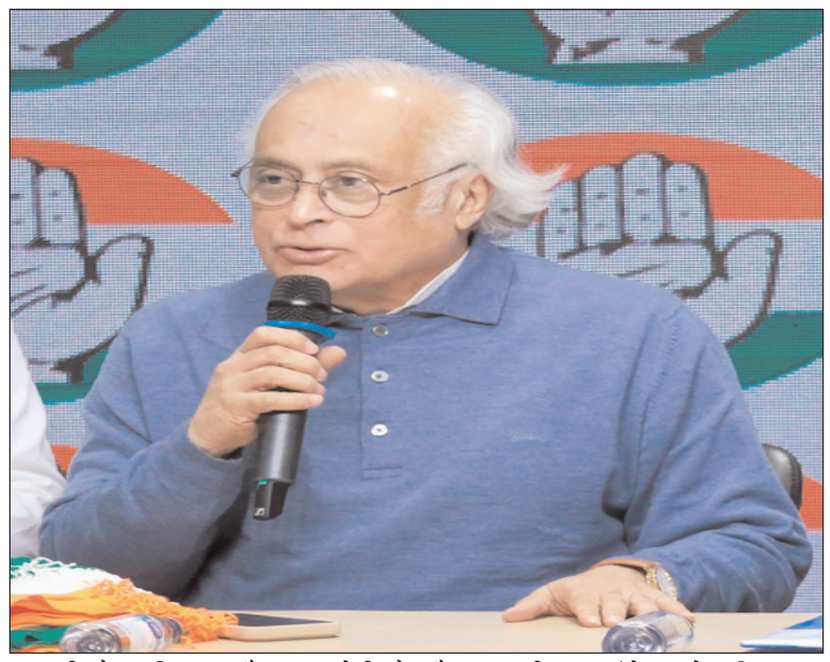

मजदूरी के अधिकार और जवाबदेही के संवैधानिक अधिकार की बहाली के लिए है। आप भी इस आंदोलन से जुड़िए।

यह पोस्ट कांग्रेस के 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान का हिस्सा है, जो 10 जनवरी 2026 से शुरू हुआ और 25 फरवरी तक चलेगा। पार्टी ने संसद से पंचायत स्तर तक विरोध की योजना बनाई है, जिसमें चौपाल, रैलियां, उपवास और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। कांग्रेस ने एक समन्वय समिति भी गठित की है, जिसमें अजय माकन संयोजक हैं और जयराम रमेश जैसे नेता शामिल हैं।

कांग्रेस का कहना है कि 'विकसित भारत-जी राम जी' बिल में रोजगार की गारंटी सिर्फ नाम की है। मनरेगा में 100 दिनों का काम कानूनी हक था, केंद्र 90 प्रतिशत फंड देता था और पंचायतों को काम तय करने का अधिकार था।

नए बिल में रोजगार 125 दिनों का दावा है, लेकिन केंद्र का फंड हिस्सा 60 प्रतिशत तक घटा दिया गया है, जिससे राज्यों पर बोझ बढ़ेगा। काम केंद्र तय करेगा, पंचायतों की भूमिका कम होगी और महात्मा गांधी का नाम हटाना अपमानजनक बताया जा रहा है। बिल के विरोध में कांग्रेस अभियान चलाकर ग्रामीणों से जुड़ रही है।

हरियाणाः चार्जिंग के दौरान इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी फटने से शख्स की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के नारनौल में 55 साल के व्यक्ति की इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी चार्ज करते समय फट गई, जिससे उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी है। सोमवार की रात को हुए धमाके से भीषण आग लग गई, जिससे उनके घर का एक बड़ा हिस्सा जल गया और उनका ज्यादातर सामान नष्ट हो गया।

मृतक की पहचान शिव कुमार के रूप में हुई है, जो बरकोदा गांव के रहने वाले थे और नारनौल की रामनगर कॉलोनी में अपने बनाए घर में रहते थे।

शिव कुमार मजदूरी करते थे। उनके परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है, सभी शादीशुदा हैं। उनकी एक बेटी सरकारी ग्रुप डी पोस्ट पर काम करती है।

पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार, शिव कुमार एक कमरे में अकेले सो रहे थे, जबकि उनका इलेक्ट्रिक स्कूटर घर के अंदर चार्ज हो रहा था। परिवार के दूसरे सदस्य दूसरे कमरे में सो रहे थे। रात करीब 9.30 बजे स्कूटर की बैटरी जोरदार धमाके के साथ फट गई, जिससे आग लग गई जो तेजी से पूरे घर में फैल गई।

धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सेवाओं को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 30 मिनट बाद आग पर काबू पाया।

शिव कुमार को गंभीर रूप से घायल हालत में कमरे से बाहर निकाला गया और सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आग से घर को काफी नुकसान हुआ। फर्नीचर, दरवाजे, खिड़कियां, बिस्तर, सोफे और घर का दूसरा सामान जल गया।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, उसने इलेक्ट्रिक स्कूटर को करीब एक साल पहले खरीदा गया था। यह कम स्पीड वाला स्कूटर है, जिसके लिए आरटीए में रजिस्ट्रेशन या ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है। इसकी अधिकतम स्पीड 25 किमी प्रति घंटा है। गाड़ी लाल रंग की थी और इसे रोज रात को चार्ज किया जाता था।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आसनसोल में कोयला खदान धंसने से 3 की मौत और 2 घायल, कुल्टी विधायक बोले- यहां सिंडिकेट राज

आसनसोल। पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल के कुल्टी थाना क्षेत्र में मंगलवार को बड़ी त्रासदी सामने आई है। बीसीसीएल की कोयला खदान में अवैध तरीके से कोयला चोरी करने आए तीन लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना उस समय हुई, जब तस्कर खदान के अंदर चोरी कर रहे थे और अचानक जमीन धंस गई।

जानकारी मिलते ही भाजपा के कुल्टी विधायक अजय पोद्दार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 7 बजकर 45 मिनट के समय हुआ। शुरुआत में पांच लोगों के फंसने की खबर सामने आई थी। दो लोगों को तुरंत रेस्क्यू कर अस्पताल भेजा गया, लेकिन 3 व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई।

विधायक अजय पोद्दार ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि इस घटना से स्पष्ट होता है कि राज्य में सुरक्षा के नाम पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पुलिस और अन्य संस्थाएं, जो कानून लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं, कई बार अपराधियों के साथ मिली हुई नजर आती हैं। उन्होंने इसे 'सिंडिकेट राज' करार दिया और कहा कि आम ग्रामवासी और गरीब लोग इस शासन की कीमत चुकाते हैं।

विधायक ने आगे बताया कि कोयला तस्करी का यह नेटवर्क बड़ा संगठित है। गरीब लोग मारे जाते हैं और कोयला तस्कर इसका फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ स्थानीय प्रशासन की विफलता ही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की कमजोरी का उदाहरण है, जहां गरीब और निर्दोष लोग मरते हैं और शक्तिशाली लोग लाभ उठाते हैं।

घटना के बाद बचाव और रेस्क्यू कार्य जारी है। दो घायल लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिनके शव को बाहर निकाला जा रहा है।

विधायक ने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं पर तत्काल जांच और कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके।

जम्मू-कश्मीर : आतंकियों से रिश्तों पर सख्त कार्रवाई, सरकार ने 5 कर्मचारियों को किया बर्खास्त

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी संबंधों के आरोप में एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली सरकार ने पांच सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें शिक्षक, लाइनमैन के साथ ही स्वास्थ्य विभाग का एक ड्राइवर भी शामिल है।

बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में शिक्षक मोहम्मद इश्तियाक, प्रयोगशाला तकनीशियन तारिक अहमद शाह, सहायक लाइनमैन बशीर अहमद मीर, वन विभाग में फील्ड वर्कर फारूक अहमद भट और स्वास्थ्य विभाग में ड्राइवर मोहम्मद यूसुफ शामिल हैं।

मोहम्मद इश्तियाक एक शिक्षक था और उसे रेहबर-ए-तालीम के रूप में नियुक्त किया गया था तथा 2013 में उसे शिक्षक के रूप में स्थायी किया गया था। जांचकर्ताओं ने पाया कि वह पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करता था और लश्कर कमांडर मोहम्मद अमीन उर्फ अबू खुबैब, जो भारत सरकार द्वारा नामित एक व्यक्तिगत आतंकवादी है और पाकिस्तान से काम करता है, उसके साथ नियमित संपर्क में था।

अप्रैल 2022 में उसे जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मरीन में एक घटना को अंजाम देने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके साथी से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया था।

राजद और कांग्रेस के विधायकों में अपनी पार्टी और गठबंधन को लेकर नाराजगी : केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस और महागठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्ष की आंतरिक कमजोरियों को उजागर करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद में असंतोष साफ दिख रहा है।

चिराग पासवान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'जो बात साफ है, उसके लिए सबूत की क्या जरूरत है? जब आपका अपना विधायक आपकी पार्टी के कार्यक्रम में नहीं आता, तो यह साफ दिखाता है कि वहां कुछ ठीक नहीं है। मैंने पहले भी कहा है कि राजद और कांग्रेस के विधायकों में अपनी पार्टियों और गठबंधन को लेकर जो नाराजगी थी, वह अब सामने आ रही है। उनकी पार्टी और विधायक एकजुट रहेंगे या नहीं, इस पर मैं कोई कमेंट नहीं करूंगा।

उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव के हालिया बयान पर भी कटाक्ष किया। तेजस्वी ने लोकतंत्र पर सवाल उठाते हुए कहा था कि 'लोक की हार हुई, तंत्र जीता'। चिराग ने पलटवार करते हुए कहा, 'यह कैसा लोकतंत्र है जिसका विपक्ष बार-बार जिक्र करता है? यह कैसी डेमोक्रेसी है जहां विपक्ष खुद ही चुप रहेगा? क्या इसी वजह से आपको विपक्ष की भूमिका दी गई थी? अगर आपको चुप ही रहना था, तो आपको विपक्ष के नेता का पद किसी और को दे देना चाहिए था।

इसके अलावा, महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद पर चिराग पासवान ने कहा, 'यह ऐसी सोच है जो देश को बांटती है। हम सब भारतीय हैं, और हर भारतीय को सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। भाषाएं एक-दूसरे के लिए दोस्त, साथी और पार्टनर की तरह होती हैं। उन्हें साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल भी ऐसी सोच का समर्थन नहीं करता, जहां आप एक विदेशी भाषा को अपनाते हैं, आपको इंग्लिश से कोई आपत्ति नहीं है, आप अपने बच्चों को इंग्लिश-मीडियम स्कूलों में भेजते हैं, आप अपने बच्चों को विदेश पढ़ने भेजते हैं, लेकिन आपको एक भारतीय भाषा को अपनाने पर आपत्ति होती है।

कांग्रेस ने हमेशा भगवान राम का तिरस्कार किया : भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने कांग्रेस पर राम विरोधी होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ कांग्रेस को छोड़कर भगवान राम देश के लोगों के लिए आस्था का केंद्र हैं। कांग्रेस ने हमेशा से ही भगवान राम का तिरस्कार किया है, जो पूरी तरह से अनुचित है।

उन्होंने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से ही भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाया है। उस प्रसंग को बिल्कुल भी नहीं भुलाया जा सकता है, जब सोनिया गांधी के नेतृत्व में यह कहा गया था कि भगवान राम का सत्यता से कोई सरोकार नहीं है, वो सिर्फ काल्पनिक हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अयोध्या स्थित राम मंदिर जा सकते हैं, इस पर भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि राहुल गांधी भगवान राम का दर्शन करने के लिए जा रहे हैं। देश के लोगों की आस्था भगवान राम से जुड़ी हुई है। अब देश को उस पल का इंतजार है, जब राहुल गांधी अयोध्या राम मंदिर का दर्शन करने के लिए जाएंगे।

उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहा हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी स्थिति में जहां कहीं पर

भी हिंदुओं पर हमला हो रहा है, उन्हें वहां के दूतावास में जाकर मदद की गुहार लगानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहा हमला दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह के हमले को एक सभ्य समाज में किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हमें पूरी उम्मीद है कि आगामी दिनों में बांग्लादेश की सरकार हिंदुओं पर हो रहे हमले के प्रकरण में हस्तक्षेप करेगी। अगर वे ऐसा करने में सफल रही, तो हमें उम्मीद है कि हालात दुरूस्त होंगे।

आरपी सिंह ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि हम इस देश में किराएदार नहीं, बल्कि मालिक हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सबसे पहले तो ओवैसी को यह बात समझनी होगी कि इस देश में न ही कोई किराएदार है और न ही मुसलमान। इसमें मुल्क में सभी की हिस्सेदारी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में अगर हम चाहते हैं कि देश का विकास दोहरी गति से हो, तो इसके लिए हमें समाज के विभिन्न तबके के लोगों के हिस्सेदारी की आवश्यकता है। इसी दिशा में केंद्र की मौजूदा सरकार काम कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह ने आतिशी के सिख गुरु के संबंध में दिए बयान को निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि आतिशी यह दावा कर रही है कि उन्होंने इस तरह का कोई भी बयान नहीं दिया, लेकिन, वो झूठ नहीं बोल सकती, क्योंकि विधानसभा में बाकायदा इसका वीडियो मौजूद है। इससे इस बात की साफ पुष्टि हो रही है कि उन्होंने सिख गुरु का अपमान किया है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

एमपी बोर्ड ने हिंदी, उर्दू और मराठी पेपर के लिए परीक्षा शेड्यूल में किया बदलाव, नई तारीखों की घोषणा

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 की हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी (कक्षा 12) बोर्ड परीक्षाओं के लिए एक नया टाइमटेबल जारी किया है। इसमें छात्रों की सुविधा और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बातों को ध्यान में रखते हुए अहम तारीखों और सब्जेक्ट के क्रम में बदलाव किए गए हैं।

बोर्ड ने 9 जनवरी, 2026 को एक ऑफिशियल नोटिस के जरिए अपडेटेड शेड्यूल जारी किया, जो मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट एमपीबीएसई डॉट एनआईसी डॉट इन पर उपलब्ध है।

ये बदलाव मुख्य रूप से भाषा विषय पर असर डालते हैं। उन्हें कैलेंडर में बाद में शिफ्ट किया गया है, जबकि ओवरऑल एग्जाम विंडो में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कक्षा 10 के लिए, हिंदी की परीक्षा जो पहले 11 फरवरी 2026 को होने वाली थी, अब उसे बदलकर 6 मार्च 2026 कर दिया गया है।

इस स्थगन से विद्यार्थियों को इस जरूरी विषय के लिए तैयारी करने का अधिक समय मिलेगा। कक्षा 12 में, उर्दू और मराठी के पेपर, जो पहले 9 फरवरी, 2026 को होने वाले थे, अब 6 मार्च, 2026 को होंगे।

हिंदी का पेपर, जो पहले 7 फरवरी को होने वाला था, अब 7 मार्च, 2026 को होगा। इन बदलावों से एग्जाम के शुरुआती फेज को फिर से व्यवस्थित किया गया है, जिससे विषय को अधिक बैलेंस तरीके से बांटा जा सके।

कक्षा 12 की थ्योरी परीक्षाएं 10 फरवरी 2026 से शुरू होंगी, जबकि कक्षा 10 की परीक्षाएं 13 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। दोनों कक्षाओं के सभी थ्योरी पेपर एक ही शिफ्ट में सुबह 9:00 से दोपहर 12:00 बजे तक होंगे।

बोर्ड के अधिकारियों ने छात्रों को सलाह दी है कि वे सुबह 8:00 बजे तक परीक्षा केंद्रों पर पहुंच जाएं और 8:30 बजे तक अपनी सीटों पर बैठ जाएं। प्रवेश 8:45 बजे बंद हो जाएगा, इसके बाद 8:50 बजे ओएमआर शीट बांटी जाएंगी और 8:55 बजे प्रश्न पत्र दिए जाएंगे। नियमित छात्रों के लिए प्रैक्टिकल एग्जाम 10 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक उनके अपने स्कूलों में ही होंगे, जबकि प्राइवेट छात्र इसी दौरान तय सेंटर्स पर एग्जाम देंगे।

जब अंतरिक्ष में गूंजा 'सारे जहां से अच्छा' : राकेश शर्मा की वो जादुई दास्तान, जिसने भारत को अंतरिक्ष में दिलाई पहचान

नई दिल्ली। 'ऊपर से भारत कैसा दिखता है आपको...' तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का यह सवाल जब सोवियत अंतरिक्ष स्टेशन 'सैल्यूट-7' पहुंचा, तो एक पल के लिए सन्नाटा छा गया। फिर एक शांत लेकिन आत्मविश्वास से भरी आवाज गूंजी, 'सारे जहां से अच्छा।'

3 अप्रैल 1984 की वह शाम सिर्फ एक मिशन की सफलता नहीं थी, बल्कि 70 करोड़ भारतीयों के गर्व की हुंकार थी। विंग कमांडर (तब स्क्वाड्रन लीडर) राकेश शर्मा ने जब सोयूज टी-11 के जरिए अंतरिक्ष की दहलीज लांघी, तो वह सिर्फ एक पायलट नहीं, बल्कि करोड़ों सपनों के दूत बन गए थे।

13 जनवरी 1949 को पंजाब के पटियाला में जन्मे राकेश शर्मा के लिए आसमान कभी भी अजनबी नहीं रहा। हैदराबाद की गलियों में बड़े होते हुए उन्होंने जो सपने देखे, उन्हें 1966 में नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) में प्रवेश के साथ पंख मिल गए। उनकी असली परीक्षा 1971 के युद्ध में हुई, जहां एक युवा पायलट के तौर पर उन्होंने मिग-21 उड़ाते हुए 21 खतरनाक मिशनों को अंजाम दिया। यह वही फौलादी इरादे थे, जिन्होंने उन्हें बाद में 150 कद्दावर पायलटों की भीड़ में अंतरिक्ष यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार बनाया।

अंतरिक्ष यात्री बनना सिर्फ एक रोमांचक अनुभव नहीं, बल्कि खुद को गलाने जैसी प्रक्रिया थी। जब 1982 में उनका चयन हुआ, तो उन्हें मॉस्को के पास 'स्टार सिटी' भेजा गया। वहां का प्रशिक्षण किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था।

उन्हें मात्र दो महीने में रूसी भाषा सीखनी थी, क्योंकि अंतरिक्ष यान के सारे मैनुअल रूसी में थे। बैंगलोर में उन्हें 72 घंटों तक एक बंद कमरे में अकेला रखा गया, ताकि यह जांचा जा सके कि वे अंतरिक्ष के अकेलेपन को झेल सकते हैं या नहीं। 'सेंट्रीफ्यूज' मशीनों में उनके शरीर पर गुरुत्वाकर्षण का इतना दबाव डाला जाता था कि सांस लेना भी दूभर हो जाता था। लेकिन राकेश शर्मा अडिग थे। उनके साथ बैकअप के तौर पर विंग कमांडर रवीश मल्होत्रा भी थे, जो अंतिम समय तक उनके साथ साए की तरह डटे रहे। 3 अप्रैल 1984 को बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से जब सोयूज-यू रॉकेट ने उड़ान भरी, तो भारत दुनिया का 14वां देश बन गया जिसने अपना मानव अंतरिक्ष में भेजा था। राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष में 7 दिन, 21 घंटे और 40 मिनट बिताए।

राकेश शर्मा का मिशन सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण था। 'टेरा' नामक सुदूर संवेदन प्रयोग के तहत उन्होंने अंतरिक्ष से भारत की ऐसी तस्वीरें लीं, जिन्होंने देश का नक्शा बदलने में मदद की। हिमालय में छिपे जल संसाधनों से लेकर वनों के घनत्व तक, उनकी ली गई तस्वीरों ने भारत के कई वर्षों के हवाई सर्वे का काम कुछ घंटों में कर दिया।

आज जब भारत अपने स्वदेशी 'गगनयान' मिशन की तैयारी कर रहा है, तो 77 वर्षीय राकेश शर्मा उसके सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं। हाल ही में जब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का चयन एक्सियम-4 मिशन के लिए हुआ, तो राकेश शर्मा ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह उनके लिए 'डेजा-वू' (पुरानी यादों का ताजा होना) जैसा है।

क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन: अमेरिका की अगुवाई में हुई अहम बैठक में शामिल हुए अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहम खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) को लेकर भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया है। उन्होंने अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के एक 'एक्स' पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए बताया कि उन्होंने हाल ही में आयोजित क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल मीटिंग में हिस्सा लिया।

यह बैठक अमेरिका के ट्रेजरी विभाग की मेजबानी में आयोजित की गई थी, जिसकी अगुवाई ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने की। अश्विनी वैष्णव ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं और तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है।

बता दें कि ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने अपने 'एक्स' पोस्ट में इस बैठक को लेकर अहम जानकारी शेयर की।

उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि अमेरिका के ट्रेजरी विभाग द्वारा आयोजित इस फाइनेंस मिनिस्टीरियल बैठक में सभी देशों के बीच क्रिटिकल मिनरल सप्लाई चेन में मौजूद प्रमुख कमजोरियों को तेजी से दूर करने की साझा इच्छा स्पष्ट रूप से सामने आई। स्कॉट बेसेंट ने यह भी कहा कि वह इस बात को लेकर आशावादी हैं कि देश डिकपलिंग (पूरी तरह अलग होने) की बजाय डि-रिस्किंग (जोखिम कम करने) की नीति अपनाएंगे।

वहीं, भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला की मंत्री स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने आर्थिक समृद्धि, लचीली मैन्युफैक्चरिंग और विकसित भारत को साकार करने के लिए जरूरी क्रिटिकल मिनरल सप्लाई चेन को मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए भारत की पक्की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

इस पूरी पहल को भारत और अन्य देशों के बीच बढ़ते सहयोग के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला पर वैश्विक स्तर पर समन्वय से न केवल सप्लाई चेन सुरक्षित होगी, बल्कि भविष्य की औद्योगिक और तकनीकी जरूरतों को भी मजबूती मिलेगी।

मरुआ खांसी और गले की खराश कम करने में मददगार, मुंह की दुर्गंध को करता है दूर

नई दिल्ली । मरुआ एक ऐसा आयुर्वेदिक पौधा है जो आपको अंदर और बाहर दोनों तरह से फिट रखता है। इसके पत्तों में पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, मैग्नीशियम और विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे आयुर्वेद में बहुत महत्व दिया गया है।

सर्दियों में अक्सर लोगों को सर्दी-जुकाम, खांसी या कफ की समस्या हो जाती है और मरुआ इन सभी समस्याओं में राहत देने में मदद करता है। मरुआ की पत्तियों को आप चाय में डालकर पी सकते हैं। अगर चाहें तो थोड़ी मुलेठी भी डाल सकते हैं, जो खांसी और गले की खराश को कम करने में काफी असरदार होती है।

इसके अलावा मरुआ बच्चों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसकी चटनी पेट के कीड़ों की समस्या को

दूर करने में मदद करती है। आप मरुआ की पत्तियों को पीसकर हल्की-सी चटनी बना लें और बच्चों को दें। यह पेट के कीड़े नष्ट करने और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करती है। अपच की समस्या में भी मरुआ उपयोगी है। आप मरुआ के पत्तों और अदरक को मिलाकर चटनी बना सकते हैं और इसे भोजन के साथ खा सकते हैं। इससे पेट हल्का रहेगा और खाना अच्छे से पचेगा।

मरुआ कफ रोगियों के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसका काढ़ा पीने से गले और फेफड़ों में जमा बलगम आसानी से निकल जाता है और खांसी में आराम मिलता है। इसके अलावा, मरुआ के पत्ते मुंह की बदबू और मसूड़ों की समस्या को दूर करने में भी मदद करते हैं। इसके लिए बस पत्तियों को चबाएं और थूक दें। इससे आपके मुंह की दुर्गंध कम होगी और मसूड़ों की कमजोरी भी दूर होगी।

ध्यान रखें कि मरुआ का इस्तेमाल करने से पहले किसी आयुर्वेदिक एक्सपर्ट से सलाह लेना हमेशा बेहतर रहता है। नियमित और सही तरीके से सेवन करने पर मरुआ आपके शरीर में पोषण बढ़ाता है, प्रतिरक्षा मजबूत करता है और सर्दियों में स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है।

सर्दियों में मूली खाने का सही तरीका: कब, कितना और कैसे खाएं ताकि पाचन प्रणाली रहे मजबूत

नई दिल्ली । सर्दियों में मूली को प्राकृतिक सुपरफूड कहा गया है। मूली में मौजूद पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा और ताकत देने का काम करते हैं। यह पाचन, इम्युनिटी और त्वचा की सेहत के लिए भी वरदान है। बहुत से लोग सलाद या सूप के रूप में इसका सेवन करते हैं, लेकिन इसके सही तरीके, समय और मात्रा को जानना भी जरूरी है, ताकि इसके स्वास्थ्य लाभ पूरी तरह मिल सकें।

मूली में सबसे पहले फाइबर की भरपूर मात्रा देखने को मिलती है। यह शरीर में जाकर भोजन को पचाने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है। इसके अलावा, इसमें विटामिन सी मौजूद होता है, जो इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी है। सर्दियों में वायरस और सर्दी-जुकाम से बचने के लिए विटामिन सी की जरूरत ज्यादा होती है और मूली इसे प्राकृतिक रूप में उपलब्ध कराती है।

मूली में पोटैशियम भी होता है, जो हृदय की सेहत को बनाए रखने, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और मांसपेशियों की चुस्ती बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही मूली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं और शरीर को अंदर से डिटॉक्स करते हैं।

कच्ची मूली खाने के तरीके भी अलग-अलग हैं। इसे कद्दूकस करके दही के साथ रायता बनाया जा सकता है, नींबू और काला नमक डालकर सलाद की तरह खाया जा सकता है, या पतले स्लाइस काटकर स्नैक की तरह लिया जा सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, कच्ची मूली शरीर में गर्मी और ताकत पैदा करती है, इसलिए इसे ठंड के मौसम में खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और पाचन प्रणाली मजबूत होती है।

मूली का छिलका भी बेहद उपयोगी होता है। इसके छिलके में फाइबर और कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, इसलिए छिलके सहित खाने से पाचन और एंटीऑक्सीडेंट्स के लाभ दोगुने हो जाते हैं।

मूली केवल पाचन के लिए ही नहीं, बल्कि बीमारी में राहत देने में भी मददगार है। इसमें मौजूद प्राकृतिक एंजाइम और फाइबर शरीर के पाचन तंत्र को सक्रिय करते हैं, जिससे खाना जल्दी पचता है और गैस, एसिडिटी या भारीपन जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

इसके अलावा मूली में सूजन-रोधी गुण होते हैं, जो शरीर में जमा विषैले पदार्थों और फ्लूइड को बाहर निकालकर सूजन कम करने में मदद करते हैं। आयुर्वेद में इसे जुकाम, कफ और बलगम कम करने वाली सब्जी माना गया है। यह शरीर में जमा अतिरिक्त गर्मी और टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर इम्युनिटी को मजबूत करती है और संक्रमण से बचाव करती है।

मूली एक लो-कैलोरी और पौष्टिक स्नैक है, जो वजन घटाने वालों के लिए भी बेहतरीन है। हालांकि, दिन में ज्यादा मात्रा में मूली खाने से गैस या पेट दर्द हो सकता है, इसलिए एक दिन में लगभग 100-150 ग्राम ही पर्याप्त मानी जाती है।

रात में मूली खाने से बचना चाहिए। खासकर अगर किसी को थायरॉइड की समस्या या एसिडिटी की शिकायत है तो वह मूली का सेवन न करे। इसके अलावा, मूली खाने से शरीर को अंदर से डिटॉक्स करने में मदद मिलती है। यह त्वचा की सेहत को भी सुधारती है। नियमित रूप से मूली खाने से चेहरे पर झुर्रियां कम होती हैं और त्वचा में निखार आता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' बनेगा भारत के लिए ऐतिहासिक मौका : एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाला 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' भारत को दुनिया में एक ऐसे बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेगा, जो जिम्मेदार और सभी को साथ लेकर चलने वाली एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य तय करेगा।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, 'डिजिटल इंडिया आस्क आवर एक्सपर्ट्स' के 38वें एपिसोड में इस समिट की जानकारी दी गई। यह सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक देश की राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा।

विशेषज्ञों ने बताया कि यह समिट तीन मुख्य आधार स्तंभों या 'सूत्रों', लोग, ग्रह और प्रगति, पर आधारित है। इन सूत्रों पर काम करने के लिए अलग-अलग कार्य समूह 'चक्र' बनाए गए हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इन कार्य समूहों से निकलने वाले सुझाव और फैसले भारत और दुनिया के विकासशील देशों में एआई से जुड़ी नीतियों, कौशल विकास और उनके इस्तेमाल को दिशा देंगे।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस

समिट में युवाओं, स्टार्टअप्स, महिला इनोवेटर्स और छोटे शहरों यानी टियर-2 और टियर-3 शहरों के छात्रों के लिए कई अवसर होंगे, जिनमें एआई और डेटा लैब्स, वैश्विक चुनौतियां, विचार प्रस्तुत करने के कार्यक्रम और 'युवाई ग्लोबल यूथ चैलेंज' शामिल हैं।

मंत्रालय के बयान में कहा गया कि लोगों को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026' के बारे में भी जानकारी दी गई। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित होगा, जहां दिखाया जाएगा कि एआई किस तरह शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। बयान में कहा गया कि इस दौरान नागरिकों ने एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर, ओपन डेटा एक्सेस, हेल्थकेयर डेटासेट, स्टार्टअप्स की भागीदारी, शासन, तकनीक से दूर लोगों की भागीदारी और ऑनलाइन भागीदार पर सवाल भी पूछे।

विशेषज्ञों ने भरोसा दिलाया कि इंडियाएआई ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जो खुला, सुरक्षित और सभी को शामिल करने वाला होगा। इससे आम लोग, छोटे समूह और सरकारी संस्थाएं भी आसानी से भाग ले सकेंगी।

पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप्स से समाज की भलाई के लिए एआई का उपयोग करने की अपील की थी। उन्होंने अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर भारतीय एआई स्टार्टअप्स के साथ एक बैठक की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई को सस्ता, सभी के लिए उपयोगी और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं के साथ अपनी बातचीत को यादगार और ज्ञानवर्धक बताया और उनसे समाज के कल्याण के लिए एआई का इस्तेमाल करने को कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई आधारित स्टार्टअप्स की सराहना करते हुए कहा कि वे ई-कॉमर्स से लेकर सामग्री अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा जैसे कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रहे हैं।

बॉडी डिटॉक्स से मजबूत इम्युनिटी तक, सुबह खाली पेट गुनगुने नींबू पानी के जबरदस्त फायदे

नई दिल्ली । शरीर की साफ-सफाई सिर्फ बाहर से नहीं, बल्कि अंदरूनी तौर पर भी बहुत जरूरी है। इसके लिए महंगे उपायों की जरूरत नहीं। बस हर सुबह उठते ही खाली पेट एक गिलास गुनगुना पानी में ताजा नींबू निचोड़कर पी लें। यह आसान आदत अपनाने से पाचन बेहतर होता है, शरीर डिटॉक्स होता है और सेहत में कई गुना सुधार आता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस सरल घरेलू नुस्खे को काफी फायदेमंद बताया है। यह आदत न केवल सेहत को बेहतर बनाती है, बल्कि रोजमर्रा की कई छोटी-मोटी परेशानियों से भी छुटकारा दिला सकती है।

एक्सपर्ट के अनुसार, सुबह खाली पेट गर्म नींबू पानी पीने के कई महत्वपूर्ण फायदे हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। नींबू में भरपूर मात्रा में विटामिन-सी होता है, जो शरीर की रक्षा प्रणाली को सक्रिय रखता है और सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। यह वजन घटाने में भी कारगर है। गुनगुना

नींबू पानी पाचन तंत्र को तेज करता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है और शरीर में जमा अतिरिक्त वसा को कम करने में सहायक होता है। जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए यह एक आसान उपाय है।

इसके नियमित सेवन से पेट फूलना, गैस और अपच जैसी समस्याएं भी दूर रहती हैं। यह लिवर के लिए बहुत अच्छा है। नींबू पानी लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट पीने से लिवर टॉक्सिन्स को आसानी से बाहर निकाल पाता है, जिससे यह स्वस्थ और मजबूत रहता है। यह त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। नींबू में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन-सी त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं। यह मुंहासों को कम करता है, दाग-धब्बों को हल्का करता है और त्वचा को जवां रखने में मदद करता है। नियमित पीने से चेहरा निखरता है और त्वचा स्वाभाविक रूप से स्वस्थ दिखती है।

यह नुस्खा बनाना भी बहुत आसान है। एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर मिलाएं। स्वाद के लिए थोड़ा शहद भी डाल सकते हैं, लेकिन चीनी से बचें। ध्यान रखें कि बहुत गर्म पानी न लें, सिर्फ गुनगुना ही काफी है।

द 50 और धनश्री वर्मा से जुड़ी अफवाहों पर बोले युजवेंद्र चहल- वायरल रिपोर्ट्स में सच्चाई नहीं

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल इन दिनों सोशल मीडिया पर भी चर्चा में बने हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से अफवाहें फैली हुई थीं कि वे एक बड़े रियलिटी शो 'द 50' में हिस्सा लेने वाले हैं। इस शो के जरिए उनकी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा के साथ होने की खबरें भी सामने आई थीं।

बता दें कि चहल और धनश्री ने 2020 में शादी की थी, लेकिन चार साल बाद उनका तलाक हो गया। ऐसे में इन अफवाहों ने लोगों के बीच चर्चा बढ़ा दी।

'द 50' एक नया रियलिटी शो है, जो दर्शकों के सामने एक अलग फॉर्मेट के तौर पर पेश किया जाएगा। शो का दावा है कि यह भारतीय रियलिटी टीवी के पुराने नियमों को चुनौती देगा और एक नया अंदाज पेश करेगा। यह शो 1 फरवरी से प्रसारित होने वाला है। इस शो में कंटेस्टेंट के तौर पर कई हस्तियों के नाम सामने आए, इसमें युजवेंद्र चहल का भी नाम शामिल रहा, लेकिन उन्होंने खुद इस अफवाह को गलत ठहराया।

चहल ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए अपने बयान में कहा कि जो खबरें उनके किसी रियलिटी शो में भाग लेने की चल रही हैं, वे गलत और अनुमान पर आधारित हैं। उन्होंने साफ किया कि उनका इस शो से कोई संबंध नहीं है और न ही इस तरह की कोई बातचीत हुई है। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया यूजर्स से अपील की, कि वे बिना पुष्टि के खबरें फैलाने से बचें।

चहल की टीम ने कहा, ''युजवेंद्र चहल के रियलिटी शो में हिस्सा बनने की जो रिपोर्ट्स वायरल हो रही हैं, उनमें कोई भी सच्चाई नहीं है। ये दावे केवल अटकलों पर ही आधारित हैं और पूरी तरह से गलत हैं। युजवेंद्र किसी भी शो में नहीं जा रहे हैं, जैसा कि हाल ही में सामने आई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है और इस बारे में उनकी किसी से कोई चर्चा नहीं हुई है। हम मीडिया प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध करते हैं कि इस तरह की जानकारियों से बचें और इसे न फैलाएं।'' युजवेंद्र चहल से पहले 'द 50' में कदम रखने की बात को टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने भी झूठा करार दिया था। वहीं इनके अलावा, कई सितारों के नाम शो के लिए सामने आ चुके हैं, जिनमें करण पटेल, धनश्री वर्मा, मल्लिका शेरावत, विवियन डीसेना, निक्की तंबोली और बसीर अली शामिल हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, ब्रैंडन किंग होंगे कप्तान

सेंट जॉन्स । टी20 विश्व कप 2026 से पहले वेस्टइंडीज को अफगानिस्तान के खिलाफ यूएई में 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है।

नियमित कप्तान शाई होप इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह ब्रैंडन किंग को टीम का कप्तान बनाया गया है। ब्रैंडन किंग पूर्व में कुछ मौकों पर टीम की कप्तानी कर चुके हैं।

शाई होप, रोस्टन चेज, और अकील हुसैन फिलहाल दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग में खेल रहे हैं। इस वजह से वे अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज का हिस्सा नहीं हैं।

शमर जोसेफ और एविन लुईस ने इंजरी से उबरने के बाद टीम में फिर से जगह बना ली है। अल्जारी जोसेफ को फिट होने के लिए अतिरिक्त समय देने के लिए एहतियात के तौर पर स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार टीम में जगह मिली है। वह रोवमैन पॉवेल की जगह लेंगे, जिन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के हिस्से के तौर पर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

हेड कोच डैरेन सैमी ने बताया कि यह सीरीज न सिर्फ आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले तैयारी के लिए बेहतरीन मौका है, बल्कि लंबे समय के बाद वापस आए खिलाड़ियों को भी अभ्यास का अच्छा अवसर उपलब्ध कराएगी।

सैमी ने कहा, 'सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन में प्रतियोगी मैच खेलने का मौका बहुत अच्छा है। टी20 विश्व कप से पहले यह सीरीज हमारी तैयारियों को पुख्ता करेगी। यह उन खिलाड़ियों का आकलन करने के लिए भी एक कीमती प्लेटफॉर्म देती, जो 2025 के आखिर में काफी समय तक नहीं खेल पाए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज 19 से 22 जनवरी तक दुबई क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। टीम 14 जनवरी को रवाना होगी और 16 जनवरी को यूएई पहुंचेगी।

वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान टी20 फॉर्मेट की रोचक टीमें हैं। दोनों 8 बार आमने-सामने हुई हैं। 5 मैचों में वेस्टइंडीज ने जीत हासिल की है, जबकि 3 मैच अफगानिस्तान ने जीते हैं।

अफगानिस्तान टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम

ब्रैंडन किंग (कप्तान), एलिक अथांजे, कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरॉन हेटमायर, आमिर जंगू, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, खारी पियरे, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रेमन सिमंड्स, शमर स्प्रिंगर।

महिला प्रीमियर लीग: हरमनप्रीत कौर के पास बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका

नवी मुंबई । महिला प्रीमियर लीग 2026 में मंगलवार को मुंबई इंडियंस और गुजरात जायंट्स के बीच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में मैच खेला जाना है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर इस मैच में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकती हैं।

हरमनप्रीत कौर सीजन में शानदार फॉर्म में दिखी हैं। गुजरात के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मुकाबले में अगर वह 55 रन बनाने में कामयाब रहती हैं, तो महिला प्रीमियर लीग में उनके 1,000 रन पूरे हो जाएंगे। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन सकती हैं।

2023 से अब तक खेले 29 मैचों की 28 पारियों में हरमन ने 42.95 की औसत और 144.93 की स्ट्राइक रेट से 945 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 9 अर्धशतक निकले हैं। नाबाद 95 उनका सर्वाधिक स्कोर है। महिला प्रीमियर लीग की सफलतम बल्लेबाजों की सूची में हरमनप्रीत कौर चौथे स्थान पर हैं।

महिला प्रीमियर लीग में 1,000 या उससे अधिक रन बनाने वाली एकमात्र बल्लेबाज मुंबई इंडियंस की नेट साइवर ब्रंट हैं। वह लीग के इतिहास की सफलतम बल्लेबाज हैं। ब्रंट ने 2023 से लेकर अब तक खेले 31 मैचों की 31 पारियों में 9 अर्धशतकों की मदद से 1,101 रन बनाए हैं। मौजूदा सीजन में भी वह एमआई का हिस्सा हैं।

दूसरे स्थान पर मेग लैनिंग हैं। 2023 से 2025 तक दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान रहीं लैनिंग मौजूदा सीजन में यूपी वॉरियर्ज की कप्तान हैं। अब तक खेले 29 मैचों की 29 पारियों में वह 996 रन बना चुकी हैं। उनके पास भी इस सीजन में 1,000 रन पूरे करने का अवसर है।

तीसरे स्थान पर एलिस पेरी हैं। पेरी मौजूदा सीजन का हिस्सा नहीं हैं। 2023 से 2025 के बीच आरसीबी के लिए 25 मैचों की 25 पारियों में उन्होंने 972 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 90 रन रहा है। अगर वह इस सीजन का हिस्सा होतीं, तो उनके भी लीग में 1000 रन पूरे हो सकते थे।

श्रेयस अय्यर राजकोट वनडे में सबसे तेज 3,000 रन बनाने वाले भारतीय बन सकते हैं

राजकोट । मध्यक्रम के धुरंधर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने इंजरी से रिकवर करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की है। अय्यर ने रविवार को वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में 47 गेंद पर 49 रन की पारी खेल अपने फॉर्म में होने के संकेत दिए थे। बुधवार को दूसरा वनडे राजकोट में खेला जाना है। इस वनडे में श्रेयस अय्यर सबसे तेज 3,000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन सकते हैं।

श्रेयस अय्यर राजकोट में अपनी 69वीं पारी खेलेंगे। इस मैच में 34 रन बनाते ही उनके 3,000 वनडे रन पूरे हो जाएंगे। अगर वह ये उपलब्धि हासिल कर पाते हैं, तो भारत की तरफ से वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 3,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

भारत की तरफ से वनडे में सबसे तेज 3,000 रन बनाने का रिकॉर्ड पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है। शिखर ने 72 पारियों ये आंकड़ा छुआ था। दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 75 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। इन दोनों के साथ ही श्रेयस के पास केएल राहुल (78 पारी), नवजोत सिंह सिद्धू (79 पारी), और सौरव गांगुली (82 पारी) को भी पीछे छोड़ देंगे।

वनडे में सबसे तेज 3,000 रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज हाशिम आमला के नाम है। आमला ने महज 57 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी।

श्रेयस अय्यर के वनडे करियर पर गौर करें तो मौजूदा समय में इस फॉर्मेट में वह भारतीय टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले श्रेयस ने भारत को वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचाने और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

31 साल के इस बल्लेबाज ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ अपने वनडे करियर की शुरुआत की थी। इंजरी से प्रभावित करियर में अब तक 74 मैचों की 68 पारियों में वह 5 शतक और 23 अर्धशतक की मदद से 2,966 रन बना चुके हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 128 रहा है।

मैरी कॉम के धोखाधड़ी के आरोपों पर पूर्व पति ओनलर का पलटवार, कहा- 2013 में दूसरे शख्स के साथ था अफेयर

नई दिल्ली । अपने दमदार पंच से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन करने वाली विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मैरी कॉम ने हाल ही में अपने पूर्व पति के ओनलर कोम पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। मैरी कॉम द्वारा अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का के ओनलर कोम ने जवाब दिया है। ओनलर ने मैरी कॉम के आरोपों को गलत बताया है।

आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में, ओनलर ने मैरी कॉम के लगाए आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि वह शादीशुदा होते हुए दूसरे के साथ रिश्ते में थीं।

ओनलर ने दावा किया कि उनकी शादी में दिक्कतें एक दशक से भी ज्यादा पुरानी हैं। मैरी कॉम का पहली बार 2013 में एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। 2017 से, वह मैरी कॉम बॉक्सिंग एकेडमी से जुड़े एक व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में हैं। मेरे पास सबूत के तौर पर उनके व्हॉट्सएप मैसेज हैं, लेकिन मैं चुप रहा। मुझे उसके आगे बढ़ने पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सबके सामने दोषी ठहराया जाना मुझे कबूल नहीं है। उन्होंने कहा, 'वह अकेली रहना चाहती थी और दूसरा रिलेशनशिप चाहती थी। हमारा तलाक हो चुका है। अगर वह दूसरा पति चाहती है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन मुझे कभी दोष मत देना। अगर उसे मुझे दोष देना है, तो सबूत देना पड़ेगा। मुझे पता है कि वह कहां रहती है और किसके साथ रहती है।

पैसों की गड़बड़ी के आरोपों पर ओनलर ने कहा कि उनके अभी के रहन-सहन के हालात उन आरोपों को गलत साबित करते हैं कि उनके पास बहुत सारा पैसा है। उसने कहा कि मैंने 5 करोड़ चुराए हैं। मेरा अकाउंट देख लिया जाए। शादी के बाद 18 साल तक हम साथ रहे। अब वह पागल हो गई है। मेरे पास क्या है? मेरा घर देखो। मैं दिल्ली में किराए के घर में रह रहा हूं। वह एक सेलेब है। वह जो भी कहेगी, लोग सुनेंगे।

ऑनलर ने कहा कि मैंने अपनी शादी की अंगूठी हटा दी, क्योंकि वह भरोसे के लायक नहीं है। वह लोक अदालत में जा रही है और कह रही है कि मैंने लोन लिया और प्रॉपर्टी चुराई। अगर प्रॉपर्टी मेरे नाम पर है, तो उसके पास सबूत होंगे, है ना? उसे वे सबूत लाने दो, फिर हम बात करेंगे।

उन्होंने कहा, 'हमारा तलाक हो गया है। अभी कोर्ट जाना बाकी है। मैं कोर्ट में लड़ना नहीं चाहता, क्योंकि मैं अपने बच्चों से प्यार करती हूं। नेशनल मीडिया से बात करने और यह कहने का क्या मतलब है कि मेरे पति पैसे चुरा रहे हैं? मुझ पर पैसे चुराने के आरोप क्यों लग रहे हैं? वह चुनाव के दौरान लिए गए करोड़ों के लोन के बारे में बात कर रही थी। क्या सबूत है? चुनाव में खर्च के लिए पैसे मैंने अपने दोस्तों से उधार लिए थे।

ऑनलर ने कहा कि उन्होंने मैरी कॉम को उनके करियर और निजी जीवन के अलग-अलग दौर में सहयोग किया, लेकिन उसके लगाए आरोपों से मुझे ठेस पहुंची है, दुख हुआ है।

उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें माफ कर सकता हूं, लेकिन जो मेरे साथ हुआ है, उसे कभी नहीं भूल सकता। मैं उनके लिए इस्तेमाल करने और फेंकने जैसा हूं। उनकी एकेडमी की शुरुआत किसने की, रजिस्ट्रेशन किसने कराया। अब कोई चेयरमैन बन गया है, जिसका नाम मैं नहीं लेना चाहता। हम 2013 से दिल्ली में हैं। मेरे बेटे बोर्डिंग स्कूल में हैं। बेशक, वह कमा रही है और फीस दे रही है, लेकिन उन्हें किसने पाला है? ऑनलर ने कहा, 'मैं अपने बेटों से मिलना चाहता हूं, जो हॉस्टल में रह रहे हैं। वे मेरा खून भी हैं। यह पति-पत्नी के रिश्ते के बारे में है। कोई भी परफेक्ट नहीं होता। उसने कहा कि मैंने शराब पी है। उसने भी पी है।

एफसी बार्सिलोना में होगी जोआओ कैंसेलो की वापसी

नई दिल्ली । एफसी बार्सिलोना ने पुर्तगाल के डिफेंडर जोआओ कैंसेलो को सीजन के अंत तक लोन पर अपने क्लब में शामिल करने की घोषणा की है। स्पेनिश सुपर कप में जीत के बाद क्लब ने अपने फैंस के लिए ये रोमांचक खबर दी है।

31 साल के कैंसेलो सोमवार को बार्सिलोना पहुंचे और क्लब में मेडिकल टेस्ट पूरा किया। उन्हें मंगलवार को आधिकारिक तौर पर पेश किया जाएगा। यह कैंसेलो के लिए बार्सिलोना में दूसरा मौका है। 2023-24 सीजन में भी टीम के लिए वह 42 मैच खेल चुके हैं।

कैंसेलो की बार्सिलोना में वापसी टीम की जरूरतों को ध्यान में रखकर कराई गई है। हेड कोच हांसी फ्लिक ने एंड्रियास क्रिस्टेंसन की एसीएल चोट के बाद डिफेंस में मदद मांगी, जिससे चार महीने से अधिक समय तक उनका बाहर रहना तय था। ला लिगा के नियमों के मुताबिक, क्लब क्रिस्टेंसन की सैलरी का हिस्सा रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के लिए इस्तेमाल कर सकता था। इसी वजह से कैंसेलो की राह आसान हो गई।

फ्लिक ने पहले जनवरी में सेंटर-बैक साइन करने पर विचार किया था, लेकिन सीजन के बीच में विकल्प न होने के कारण रणनीति बदलनी पड़ी। कैंसेलो की विविधता ने उन्हें शॉर्ट-टर्म के लिए आदर्श विकल्प बनाया।

कैंसेलो के आने से बैकलाइन में पर्याप्त संतुलन आएगा। जूल्स कौंडे, जो अक्सर राइट-बैक पर खेलते थे, अब सेंट्रल डिफेंस में वापसी कर सकते हैं, जबकि कैंसेलो लेफ्ट-बैक में एलेजांद्रो बाल्डे के साथ रोटेशन कर सकते हैं। जेरार्ड मार्टिन भी सेंट्रल डिफेंस का विकल्प बने रहेंगे, जिससे फ्लिक को बैकलाइन में बेहतर संतुलन मिलेगा। बार्सिलोना को सीजन में बैकलाइन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इनिगो मार्टिनेज के जाने, रोनाल्ड अराउजो की नवंबर से गैर-मौजूदगी और क्रिस्टेंसन की चोट के चलते टीम को युवा खिलाड़ियों पर अधिक निर्भर रहना पड़ा है।

कैंसेलो की वापसी न केवल टीम में अनुभव और गहराई जोड़ती है, बल्कि उन्हें 2026 विश्व कप से पहले नियमित तौर पर उच्च-स्तरीय मैच खेलने का अवसर भी देगी।

'आप फुटबॉल को गहराई से समझते थे', काइलियन एम्बाप्पे ने जाबी अलोंसो के लिए लिखा भावुक संदेश

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के मैनेजर जाबी अलोंसो के क्लब छोड़ने की पुष्टि होने के बाद काइलियन एम्बाप्पे ने उनके लिए एक भावुक विदाई संदेश लिखा है।

क्लब की आधिकारिक घोषणा के कुछ ही घंटों बाद एम्बाप्पे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जाबी अलोंसो के लिए लिखा, 'यह छोटा समय था, लेकिन आपके लिए खेलना और आपसे सीखना मेरे लिए खुशी की बात रही। पहले दिन से मुझ पर भरोसा दिखाने और मुझे आत्मविश्वास देने के लिए धन्यवाद। मैं आपको एक ऐसे मैनेजर के तौर पर याद रखूंगा जिनके पास साफ आइडियाज थे और जो फुटबॉल को गहराई से समझते थे। जीवन के नए चैप्टर के लिए शुभकामनाएं।

रियल मैड्रिड ने सोमवार को कन्फर्म किया कि जाबी अलोंसो अब क्लब का हिस्सा नहीं हैं। यह फैसला रविवार, 11 जनवरी को बार्सिलोना के खिलाफ स्पेनिश सुपर कप में मिली हार के 24 घंटे के भीतर लिया गया। इस हार ने अलोंसो के भविष्य पर आखिरी मुहर लगा दी और पिछली गर्मियों में शुरू हुआ उनका सात महीने का कार्यकाल समाप्त हो गया।

अलोंसो की वापसी को बर्नब्यू में एक नए चक्र की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा था। टैक्टिकल क्लैरिटी, हाई प्रेसिंग और मॉडर्न फुटबॉल पर जोर देने वाले अलोंसो मई में बायर लेवरकुसेन के साथ शानदार सफलता के बाद तीन साल के करार पर रियल मैड्रिड पहुंचे थे। 2023-24 सीजन में उन्होंने लेवरकुसेन को बिना हारे बुंडेसलीगा खिताब जिताया, जर्मन कप जीता और टीम को यूरोपा लीग फाइनल तक पहुंचाया था।

हालांकि, स्पेन में हालात उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। जैसे-जैसे सीजन आगे बढ़ा, टीम की परफॉर्मेंस में निरंतरता की कमी दिखने लगी। क्लब वर्ल्ड कप में पेरिस सेंट-जर्मेन, ला लीगा में एटलेटिको मैड्रिड और चैंपियंस लीग में लिवरपूल व मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ मिली भारी हार ने टीम की कमजोरियों को उजागर कर दिया। मैड्रिड, जो कभी टाइटल रेस में आगे था, वह अब बार्सिलोना से चार अंक पीछे खिसक चुका है।

अलोंसो के जाने के बाद क्लब ने पूर्व खिलाड़ी और सेकंड-टीम कोच अल्वारो अर्बेलोआ को अंतरिम मैनेजर नियुक्त किया है, जो कोपा डेल रे में अल्बासेटे के खिलाफ टीम की कमान संभालेंगे।

एलिसा हीली यूपी वॉरियर्ज की कप्तान रह चुकी हैं, इस बार नीलामी में रही थीं अनसोल्ड

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। वह महिला टी20 विश्व कप 2026 में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा नहीं होंगी। हीली भारत के खिलाफ फरवरी-मार्च में होने वाली वनडे और टेस्ट की घरेलू सीरीज के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगी।

एलिसा हीली का अंतरराष्ट्रीय करियर तो बेहतरीन रहा ही है, लीग क्रिकेट में भी अपने दमदार प्रदर्शन से उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स का बड़ा चेहरा रही हीली महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्ज से जुड़ी रही हैं और टीम की कप्तानी कर चुकी हैं। महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए हुई नीलामी में वो अनसोल्ड रही थीं, इसलिए मौजूदा सीजन का हिस्सा नहीं हैं।

यूपी वॉरियर्ज के लिए एलिसा ने 17 मैचों में 428 रन बनाए हैं।

बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए 11 सीजन में उन्होंने 3,000 से अधिक रन बनाए। इस दौरान दो बार उनकी टीम चैंपियन रही।

संन्यास की घोषणा के बाद हीली ने कहा, 'अपने देश का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए हमेशा सबसे बड़ा सम्मान रहा है। भारत के खिलाफ आने वाली सीरीज उनके करियर की आखिरी सीरीज होगी।

एलिसा हीली ने 2010 में 19 साल की उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उनका नाम महिला क्रिकेट की सबसे बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाजों में गिना जाता है। वह आठ आईसीसी विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीमों का हिस्सा रहीं, जिसमें छह टी20 और दो वनडे विश्व कप शामिल हैं। वह 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ऑस्ट्रेलिया की गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम की भी सदस्य थीं। मेग लैनिंग के संन्यास के बाद 2023 में वह ऑस्ट्रेलिया की कप्तान बनीं थीं।

जन्मदिन विशेषः नारायण कार्तिकेयन ने भारतीय मोटरस्पोर्ट्स को वैश्विक पहचान दिलायी थी

नई दिल्ली । क्रिकेट के दीवाने देश भारत में किसी भी दूसरे खेल से जुड़े खिलाड़ी के लिए अपनी पहचान बनाना बेहद मुश्किल होता है, लेकिन असाधारण प्रतिभा वाले खिलाड़ी अपनी पहचान बना ही लेते हैं। नारायण कार्तिकेयन ऐसा ही एक नाम है। कार्तिकेयन की बाइक की रफ्तार ने फॉर्मूला वन में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

भारतीय मोटरस्पोर्ट्स के इतिहास में अपनी अमिट पहचान बनाने वाले नारायण कार्तिकेयन का जन्म 14 जनवरी 1977 को तमिलनाडु के कोयंबटूर में हुआ था। उनके पिता के. एस. नारायणसामी खुद एक पूर्व नेशनल रैली चैंपियन रहे थे, इसलिए रेसिंग के प्रति कार्तिकेयन का जुनून बचपन से ही था। कार्तिकेयन ने 1990 के दशक के आखिर में प्रतिस्पर्धी रेसिंग में कदम रखा। यह वह दौर था, जब भारत में इस खेल को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अपनी मेहनत और जुनून से कार्तिकेयन ने न सिर्फ भारतीय व एशियाई सर्किट्स में अपनी पहचान बनाई, बल्कि वैश्विक मंच पर बड़े चेहरे के रूप में उभरे।

2000 में नारायण कार्तिकेयन ने फॉर्मूला एशिया चैम्पियनशिप जीता। ऐसा करने वाले वह पहले भारतीय थे। इस उपलब्धि के बाद उन्होंने फॉर्मूला फोर्ड, फॉर्मूला रेनॉल्ट और ब्रिटिश फॉर्मूला 3 जैसी कठिन चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। 2005 उनके करियर के लिए काफी अहम साल था। उन्होंने जॉर्डन ग्रां प्री टीम के साथ फार्मूला वन में डेब्यू किया था। नारायण एफ1 में रेस करने वाले पहले भारतीय ड्राइवर बने। उसी सीजन में यूनाइटेड स्टेट्स ग्रां प्री में वह चौथे स्थान पर रहे थो, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। कार्तिकेयन ने 2011 और 2012 में एचआरटी टीम के साथ फार्मूला वन में वापसी की। फार्मूला वन के अलावा, कार्तिकेयन ने एंड्योरेंस रेसिंग में भी नाम कमाया और 24 आवर्स ऑफ ले मैंस जैसी प्रतिष्ठित रेस में हिस्सा लिया। जापान की सुपर फार्मूला सीरीज में भी नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा की।

भारत में मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने और इसे वैश्विक मंच तक पहुंचाने में नारायण कार्तिकेयन का योगदान अमूल्य रहा है। वे भारत में मोटरस्पोर्ट्स का सबसे बड़ा चेहरा रहे हैं। उनकी सफलता ने देश में युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। करुण चंडोक जैसे युवा ड्राइवर कार्तिकेयन को अपनी प्रेरणा मानते हैं। 2020 में उन्होंने पेशेवर मोटर रेसिंग में प्रतिस्पर्धा करना बंद कर दिया था। संन्यास के बाद भी वह इस खेल से जुड़े हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा राधिका प्रिंटर्स, बी-60, कृष्ण कुन्ज गली, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53 से मुद्रित और मकान संख्या सी-438/बी, गली नं. 20, भजनपुरा, दिल्ली-110053 से प्रकाशित
संपादक : सुजीत कुमार, मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesaridelhi@gmail.com, पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र वयन एवं सपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा